नई दिल्ली । गुरुवार, 18 जून, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष तृतीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :163/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फीफा वर्ल्ड कप: ऑस्ट्रिया ने जीत के साथ किया ...
@ विचार जी-7 क्या है इसके वैश्विक मायने क्या है...
@ व्यापार वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ...

'भारत पर हमले हुए तो हम मदद करेंगे' : ट्रंप

द्विपक्षीय बैठक में पीएम मोदी और ट्रंप के बीच हुई बातचीत

एजेंसी ■ एवियन

G-7 समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। 16 महीने के बाद हुई इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं में गर्मजोशी देखने को मिली।

इसी दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हमारा भारत के साथ कोई औपचारिक सुरक्षा समझौता नहीं है, लेकिन अगर मेरे राष्ट्रपति रहते भारत पर कोई हमला होता है, तो हम भारत की मदद के लिए मौजूद होंगे।

हमारे संबंधों में एक गति-नई ऊर्जा आई है- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप से मिलकर बहुत खुशी हो रही है और पिछले साल हम वॉशिंगटन में मिले थे, उसके बाद हमारे संबंधों में एक गति आई है, नई ऊर्जा आई है और कई विषयों पर हम

मिलकर बहुत आगे चलकर आ रहे हैं। हमारे लिए खुशी की बात है कि दोनों टीमें भी मिलकर जो टारगेट तय किए थे, उसको पूरा करने के लिए प्रयास कर रहे हैं और हम बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

होर्मुज का खुला रहना वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अनिवार्य- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि सभी इस बात से सहमत हैं कि होर्मुज का खुला रहना वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत ही अनिवार्य है। हम हमेशा कहते हैं कि नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित होना चाहिए और इस पर सबने मिलकर बल दिया है।

समझौते में नाविक की सुरक्षा में सुनिश्चित होगी- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि समुद्री व्यापार की दुनिया में भारत के लाखों नाविक आज दुनिया के अलग-अलग समुद्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। विश्व के प्रगति में बहुत बड़ा योगदान दे रहे हैं और मैं समझता हूं कि उनकी सुरक्षा भी उतना ही महत्वपूर्ण हैं। इस समझौते के लिए इस शांति के प्रयासों में आपने भरपूर प्रयास किया है मुझे पूरा विश्वास है इस समझौते में नाविक की सुरक्षा में सुनिश्चित होगी और उसको प्राथमिकता मिलेगी।

भारत ने अफगानिस्तान को 170 रन के विशाल स्कोर से हराया

सीरीज में 2-0 से आगे टीम इंडिया

एजेंसी ■ लखनऊ

भारत ने इकाना स्टेडियम में खेले गए वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में अफगानिस्तान को 170 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही 3 मैचों की सीरीज में भारत ने 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। भारत ने अफगानिस्तान को जीत के लिए 403 रन का लक्ष्य दिया था। अफगान टीम 44.3 ओवर में 232 पर सिमट गई और 170 रन से मैच हार गई। अफगानिस्तान की रनों के लिहाज से वनडे में यह दूसरी सबसे बड़ी हार है।

403 रन के बड़े लक्ष्य को हासिल करने उतरी अफगानिस्तान की तरफ से किसी भी टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज द्वारा बड़ी पारी की जरूरत थी, लेकिन शीर्ष क्रम के 4 बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए और इस वजह से टीम को बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

अफगानिस्तान की तरफ से सबसे ज्यादा 79 रन रहमत शाह ने बनाए। इसके अलावा, सेदिकुल्लाह अटल ने 42, रहमानुल्लाह गुरबाज ने 41, और इब्राहिम जादरान ने 21 रन

की पारी खेली। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका।

भारत की तरफ से अर्शदीप सिंह ने 9 ओवर में 45 रन देकर 3 और गुरनुर बरार ने 10 ओवर में 60 रन देकर 3 विकेट लिए। अपना पहला मैच खेल रहे प्रिंस यादव को 2, जबकि वाशिंगटन सुंदर को 1 विकेट मिला।

अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को बल्लेबाजी सौंपी थी। भारतीय टीम ने कप्तान शुभमन गिल और विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की शतकीय पारियों की बदौलत 49.5 ओवर में 402 रन बनाए थे। टीम इंडिया के लिए शुभमन गिल ने 110 गेंदों पर 154 रन की पारी खेली। इस पारी में गिल ने 2 छक्के और 22 चौके लगाए। वनडे करियर का गिल का यह 9वां शतक था।

ईशान किशन ने 79 गेंदों पर 7 छक्कों और 14 चौकों की मदद से 125 रन की पारी खेली। किशन का यह दूसरा वनडे शतक था।

गिल और किशन ने तीसरे विकेट के लिए 224 रन की साझेदारी की। अफगानिस्तान के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए भारत की तरफ से वनडे की यह सबसे बड़ी साझेदारी थी।

संक्षिप्त खबर

अभिषेक बनर्जी के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ 550 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। भाजपा नेता अभिजीत दास (बाबी) की शिकायत पर दक्षिण 24 परगना जिले के थानों में दर्ज इन मामलों में 300 करोड़ रुपये की कथित अवैध मिट्टी कटाई तथा चक्रवात अम्फान के दौरान राहत सामग्री वितरण में 250 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। पहली एफआइआर कालीतला आशुती थाने में दर्ज कराई गई है। इसमें अभिषेक बनर्जी, उनके निजी सचिव सुमित राय, विष्णुपुर के तृणमूल विधायक दिलीप मंडल समेत कुल 23 लोगों को आरोपित बनाया गया है।

बदायूं में ट्रैक्टर और ई रिक्शा की टक्कर, 6 की मौत

पीएम मोदी और सीएम योगी ने जताया दुख

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के बदायूं में हुए भीषण हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल हो गए। हादसा ट्रैक्टर और ई-रिक्शा के बीच हुई टक्कर के कारण हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दु:ख व्यक्त किया है।

मोदी और योगी ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। पीएमओ के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के अकाउंट से प्रधानमंत्री की तरफ से लिखा गया कि उत्तर प्रदेश के बदायूं में हुए हादसे में लोगों की जान जाना बेहद दुखद है। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस घटना पर दु:ख व्यक्त किया और अधिकारियों को इलाज की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। सीएम योगी ने 'एक्स' पर लिखा कि जनपद बदायूं में दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में हुई जनहानि अत्यंत दु:खद है।

श्रीलंकाई खिलाड़ी को धक्का मारने मामले में वैभव सूर्यवंशी पर लगेगा जुर्माना

एजेंसी ■ नई दिल्ली

श्रीलंकाई ए टीम के खिलाड़ी को धक्का मारने के मामले में वैभव सूर्यवंशी पर जुर्माना लगाने की सिफारिश की गई है। 15 जून को दांबुला में हुआ यह मैच टाई हुआ था। श्रीलंकाई टीम ने सुपर ओवर में इंडिया ए को हरा दिया था। इसी दौरान वैभव की श्रीलंकाई खिलाड़ी से कहासुनी हुई थी।

मैच रेफरी प्रदीप जयप्रकाश ने दोनों टीमों के बोर्ड को मैच रिपोर्ट भेजी है। इसमें इंडिया ए के कप्तान तिलक पर मैच फीस का 30% जुर्माना लगाने को कहा गया है। तिलक ने मैच के समय अंपायर से बहस करते हुए मैच टाई होने के बाद सुपर ओवर कराने को कहा था।

रिपोर्ट में श्रीलंका ए के विशेन हलामबागे पर 50% और विकेटकीपर निरोशन डिकवेला पर भी 20% जुर्माना लगाने को कहा गया है। डिकवेला पर स्लेजिंग के आरोप लगाए गए हैं। अब अंतिम फैसला संबंधित क्रिकेट बोर्ड और टूर्नामेंट की अनुशासन समिति को लेना है।

वैभव की श्रीलंकाई खिलाड़ी से हुई थी धक्का-मुक्की

15 जून को खेला गया मुकाबला टाई हुआ। इसके बाद श्रीलंका-ए ने सुपर ओवर में 16 रन बनाए। जवाब में भारत 9 रन ही बना सका। भारत के मैच हारने के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने वैभव को कुछ कहा। इससे वैभव भड़क गए और उनकी श्रीलंकाई खिलाड़ी के साथ धक्का-मुक्की हो गई।

श्रीलंकाई खिलाड़ी के कमेंट से विवाद शुरू हुआ

मेजबान टीम के खिलाड़ी विशन हलमबागे ने वैभव पर कमेंट किया था। हलमबागे ने वैभव से कहा, यह IPL नहीं है, मैच खत्म... अब तुम घर जाओ। इस टिप्पणी पर सूर्यवंशी ने श्रीलंकाई खिलाड़ी को धक्का दे दिया। इसके बाद दोनों खिलाड़ी आमने-सामने आ गए और स्थिति गंभीर हो गई। हालांकि, मैदान पर मौजूद दोनों टीमों के बाकी खिलाड़ियों ने बीच-बचाव किया और दोनों को एक-दूसरे से अलग किया।

जी-7 समिट : मोदी और जर्मन चांसलर मर्ज की हुई अहम मुलाकात

व्यापार और रक्षा सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से मुलाकात की। इस साल दोनों नेताओं के बीच यह दूसरी मुलाकात थी। दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा, निवेश और सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाने के मुद्दों पर चर्चा की।

दोनों नेताओं ने भारत और जर्मनी के बीच चल रहे सहयोग की प्रगति की समीक्षा की और इस बात पर संतोष जताया कि भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को नई गति मिली है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ हुई बातचीत बहुत ही सकारात्मक और उपयोगी रही।

हमने इस बात पर चर्चा की कि व्यापार, निवेश, सर्कुलर इकोनॉमी, रक्षा, आईटी और अन्य क्षेत्रों में मिलकर काम करके हम अपने द्विपक्षीय सहयोग को और कैसे मजबूत बना सकते हैं।

भाजपा नेता को फॉर्च्यूनर में जिंदा जलाया, 3 की मौत

एजेंसी ■ कोरिया

छत्तीसगढ़ के कोरिया में रेत तस्करी को लेकर भाजपा नेता समेत 3 लोगों की हत्या कर दी गई। आरोपियों ने फॉर्च्यूनर के आगे-पीछे हाईवा अड़ाकर रास्ता रोका, फिर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इसमें भाजपा के पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह कार में जिंदा जल गए।

कार में सवार भरत सिंह के भाई समेत 4 अन्य लोग किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन आरोपियों ने उनकी भी बेरहमी से पिटाई कर दी। फरसे से हमला किया। गंभीर रूप से घायल विरेंद्र सिंह (28) की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं उनके चचेरे भाई नागेंद्र सिंह (53) ने रायपुर ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक रेत के अवैध खनन को लेकर लल्ला सिंह का भाजपा नेता मनोज त्रिपाठी के परिवार से विवाद चल रहा था। मंगलवार रात 12 बजे मनोज त्रिपाठी से जुड़े लोगों ने भरत सिंह को घेरकर हमला कर दिया। मनोज समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह पहले कांग्रेस में थे। भूपेश सरकार के समय भाजपा में शामिल हुए थे। वहीं आरोपी मनोज त्रिपाठी पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा विधायक रेणुका सिंह का करीबी नेता माना जाता है।

सोनहत के नौगई गांव में भाजपा नेता और पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह के रिश्तेदार नागेंद्र सिंह के बेटे ने नौगई रेत घाट का ठेका लिया था। रेत के अवैध खनन को लेकर उनका भाजपा नेता मनोज त्रिपाठी के परिवार से लंबे समय से विवाद चल रहा था।

देर रात करीब 12 बजे मनोज त्रिपाठी से जुड़े लोगों ने भरत सिंह को घर के पास घेर लिया। विवाद बढ़ने के बाद आरोपियों ने फॉर्च्यूनर कार के आगे और पीछे हाईवा वाहन लगा दिया। फिर कार पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी।

कार में भरत सिंह, उनका भाई और शिक्षक नागेंद्र सिंह, मयंक सिंह, योगेंद्र सिंह और रायपुर निवासी विरेंद्र सिंह सवार थे।

साथियों को पीटा, फरसे से हमला

कार सवार भरत सिंह बुरी तरह से झुलस गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उनके भाई नागेंद्र सिंह, विरेंद्र सिंह, योगेंद्र सिंह और मयंक किसी तरह बाहर निकले। कार से बाहर निकलते ही सभी की बेदम पिटाई की गई।

विरेंद्र के गले पर फरसे से वार किया गया था, गंभीर हालात में उन्हें अंबिकापुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए सरगुजा रेंज के आईजी दीपक झा देर रात ही कोरिया पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों से मामले की जानकारी ली। पुलिस और प्रशासन के सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंचे। पूरे घटनाक्रम की बारीकी से जांच की जा रही है।

भारत का इतिहास गुलामी का नहीं, निरंतर संघर्ष का है : मोहन भागवत

एजेंसी ■ जयपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि भारत का इतिहास गुलामी का नहीं, बल्कि आक्रमणकारियों के खिलाफ निरंतर संघर्ष का है।

भागवत ने कहा कि हल्दीघाटी का युद्ध केवल महाराणा प्रताप या उनकी सेना का संघर्ष नहीं था बल्कि यह पूरे समाज के सामूहिक प्रतिरोध का प्रतीक था। उपलब्ध ऐतिहासिक तथ्य और मुगल इतिहासकारों के विवरण से यह स्पष्ट होता है कि हल्दीघाटी की विजय महाराणा प्रताप की थी।

भागवत बुधवार को उदयपुर के गांधी मैदान में महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती और हल्दीघाटी विजय की 450वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित 'राष्ट्र चेतना संकल्प सभा' को संबोधित कर रहे

थे। उन्होंने कहा कि पूरे देश में महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धा और गौरव के साथ मनाई जाती है। यह इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र उन महान हस्तियों को याद रखता है, जिन्होंने आत्मसम्मान, स्वतंत्रता और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष किया।उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध में मुगल साम्राज्य सेना के आकार, संसाधनों और शस्त्रों के मामले में श्रेष्ठ था। महाराणा प्रताप के पास सीमित संसाधन थे, धन की कमी थी और उनकी सेना अपेक्षाकृत छोटी थी, फिर भी उन्होंने संघर्ष का मार्ग नहीं छोड़ा।ह्यह्यआरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारतीय समाज ने कभी भी आसानी से अधीनता स्वीकार नहीं की है। जब भी किसी आक्रमणकारी ने इस भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया, प्रतिरोध की प्रक्रिया तुरंत शुरू हो गई। विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं को समय-समय पर एक विशिष्ट कथा के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

रक्षा क्षेत्र में सुधारों का असरः सैन्य उपकरणों के बड़े निर्यातक के रूप में उभरा भारत, 12 वर्षों में 686 करोड़ से बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए पहुंचा रक्षा निर्यात

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के रक्षा क्षेत्र में वर्ष 2014 से 2026 के बीच बड़ा बदलाव देखने को मिला है। बुधवार को जारी एक आधिकारिक फैक्ट शीट के अनुसार, देश का वार्षिक रक्षा निर्यात 2013-14 में केवल 686 करोड़ रुपए था, जो बढ़कर 2025-26 में रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। आज भारत के सैन्य उपकरणों की मांग दुनिया के 80 से अधिक देशों में है।

'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' अभियानों के तहत सरकार ने कई बड़े नीतिगत सुधार किए हैं। घरेलू नवाचार को बढ़ावा दिया गया है और एक मजबूत रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया गया है। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) 2020 और रक्षा खरीद मैनुअल (डीपीएम) 2025 जैसी महत्वपूर्ण पहलों के जरिए प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया, स्वदेशी सामग्री के उपयोग को बढ़ावा मिला और निजी क्षेत्र तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के लिए नए अवसर खोले गए।

फैक्ट शीट के अनुसार, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने अत्याधुनिक रक्षा तकनीकों के विकास में अहम भूमिका निभाई है। डीआरडीओ ने उद्योगों के साथ मिलकर कई नई तकनीकों को युद्धक्षेत्र में उपयोग के लिए तैयार प्रणालियों में बदलने का काम किया है।

देश का रक्षा बजट 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ रुपए था, जो बढ़कर 2026-27 में 7.85 लाख करोड़ रुपए हो गया है। वहीं, स्वदेशी रक्षा उत्पादन 2014-15 के 46,429 करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-26 में 1.78 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

रक्षा बजट में लगातार वृद्धि के जरिए सैन्य आधुनिकीकरण और स्वदेशी उत्पादन को समर्थन दिया गया है। अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के लिए धनराशि भी दोगुने से अधिक बढ़ी है, जिसमें उद्योगों, स्टार्टअप और शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी बढ़ाई गई है। सृजन डीप, सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची और उदार प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति जैसी पहलों ने निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा दिया है।

रणनीतिक साझेदारियों और स्वदेशी रक्षा प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारत अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत कर रहा है और वैश्विक स्तर पर एक जिम्मेदार रक्षा साझेदार के रूप में उभर रहा है।

सरकार का कहना है कि पिछले एक दशक के प्रयासों ने वर्ष 2047 के विजन को ध्यान में रखते हुए आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार रक्षा तंत्र की मजबूत नींव रखी है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, रक्षा अनुसंधान एवं विकास के लिए आवंटन 2014-15 में 13,716.14 करोड़ रुपए था, जो बढ़कर 2026-27 में 29,100.25 करोड़ रुपए हो गया है।

यूसीसी लागू करने की तैयारी में मध्य प्रदेश सरकार, उद्धव ठाकरे का साथ छोड़ रहे विधायक-सांसदः भाजपा

विश्व केसरी ■

भोपाल। मध्य प्रदेश में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार यूनिफॉर्म सिविल कोड को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने इसे देश की सुरक्षा, जनहित और जनसंख्या नियंत्रण से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताया। इसके साथ ही उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर भी तीखा राजनीतिक हमला बोला।

रामेश्वर शर्मा ने कहा कि यूनिफॉर्म सिविल कोड सिर्फ एक कानून नहीं, बल्कि पूरे देश की मांग है। उनके अनुसार, यह कानून देश की सुरक्षा को मजबूत करने और सभी नागरिकों को समान सुविधाएं देने के उद्देश्य से लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक नेक कदम है। पूरे हिंदुस्तान की मांग है। यूसीसी भारत की सुरक्षा के लिए कानून है और देश के नागरिकों को सुविधा देने वाला कानून है। जब यह कानून लागू होगा तो स्वाभाविक रूप से जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में भी प्रभाव दिखाई देगा। जनसंख्या नियंत्रण की बात पहले भी कई नेता करते रहे हैं, लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा सरकार इसे लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

भाजपा विधायक ने कहा कि देश के कई राज्यों में यूसीसी को लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और मध्य प्रदेश सरकार भी इस दिशा में गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में आगामी विधानसभा सत्र में इस संबंध में महत्वपूर्ण कदम उठाया जाएगा। राज्य सरकार यूसीसी को लेकर तैयारी कर रही है और विधानसभा में इसे लेकर विधायी प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाईः पाकिस्तान समर्थित आतंकी मॉड्यूल के पांच अन्य आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े कथित आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह मॉड्यूल पाकिस्तान स्थित आईएसआई हैंडलर शहजाद भट्टी के निर्देश पर काम कर रहा था और इसका उद्देश्य दिल्ली तथा पड़ोसी राज्यों में पुलिसकर्मियों को निशाना बनाना, आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देना और युवाओं की भर्ती करना था।

स्पेशल सेल के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरियाणा के फरीदाबाद निवासी सोहेल (26), दिल्ली के घिटोरनी निवासी सोनू मीणा (30), राजस्थान के दौसा निवासी सचिन कुमार मीणा (20), हरियाणा के नूंह निवासी मोहम्मद कैफ (21) और उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी मोहम्मद रिहान (20) के रूप में हुई है।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच अवैध हथियार, 10 जिंदा कारतूस, शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े सदस्य आबिद जट्ट के पोस्टर तथा पुलिसकर्मियों को धमकी देने और उनकी रेकी से संबंधित वीडियो सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है।

स्पेशल सेल के अनुसार, आरोपियों को दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में कथित संगठन 'तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान' के समर्थन में कलाकृतियां बनाने, पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के पोस्टर लगाने और पुलिसकर्मियों पर हमले की तैयारी करने के निर्देश दिए गए थे। पुलिस का दावा है कि हाल ही में पंजाब के अमृतसर जिले के मजीठा में एक एएसआई की हत्या की जिम्मेदारी भी इसी कथित संगठन ने ली थी।

स्पेशल सेल की एनडीआर यूनिट लंबे समय से शहजाद भट्टी और उसके नेटवर्क की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। सूचनाओं और तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद पुलिस ने विभिन्न राज्यों में एक साथ कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, सोहेल ने दिल्ली और फरीदाबाद के कई इलाकों में तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान के समर्थन में ग्रैफिटी बनाई और उसके वीडियो अपने हैंडलर को भेजे। इसके बदले उसे 5,000 रुपए दिए गए थे। सोनू मीणा कथित तौर पर मॉड्यूल के लिए हथियारों की व्यवस्था और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का काम करता था। उसके कब्जे से तीन पिस्तौल और कारतूस बरामद किए गए हैं। सचिन कुमार मीणा को सोनू का सहयोगी बताया गया है। उसके पास से भी दो पिस्तौल और कारतूस बरामद हुए हैं। मोहम्मद कैफ पर आरोप है कि वह शहजाद भट्टी नेटवर्क के सदस्यों के संपर्क में था और उसे पुलिसकर्मियों की हत्या, थानों समेत कई संस्थानों की रेकी तथा युवाओं की भर्ती करने के निर्देश मिले थे।

हर विधानसभा क्षेत्र में 'तेलंगाना पब्लिक स्कूल' खोले जाएंगेः मुख्यमंत्री रेड्डी

विश्व केसरी ■

हैदराबाद। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को रंगा रेड्डी जिले के अरुतला में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस राज्य द्वारा संचालित 'तेलंगाना पब्लिक स्कूल' (टीपीएस) का उद्घाटन किया। उन्होंने घोषणा की कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में एक टीपीएस स्थापित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ये स्कूल छात्रों को खेलों का प्रशिक्षण भी देंगे ताकि भविष्य में भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ी तैयार हो सकें।

इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना का भविष्य कक्षाओं में निहित है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का भविष्य कांच से सजे महलों या रंगीन दीवारों में नहीं है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि यह कक्षाओं में निहित है।

मुख्यमंत्री ने 15 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित अरुतला टीपीएस को तेलंगाना के सभी सरकारी स्कूलों के छात्रों को समर्पित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसी भावना को राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे 27 लाख छात्रों के लाभ के लिए आगे बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने विद्यालय परिसर का दौरा कर डिजिटल कक्षाओं, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, आधुनिक रसोई और भोजन कक्ष का निरीक्षण किया और छात्रों के साथ नाश्ता किया। उन्होंने छात्रों के साथ फुटबॉल भी खेला।

उन्होंने कहा कि हम शिक्षा आयोग की सिफारिशों के आधार पर सरकारी स्कूलों को मजबूत कर रहे हैं।

अरुतला तेलंगाना पब्लिक स्कूल में 1,814 छात्र पहले ही दाखिला ले चुके हैं। यह गर्व की बात है कि प्रवेश के लिए भारी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए एक सरकारी स्कूल में 'प्रवेश निषेध' बोर्ड लगाना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कॉर्पोरेट शिक्षण संस्थानों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए अरुतला टीपीएस के शिक्षकों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि प्रतिभावान छात्रों को आगे लाने के उद्देश्य से सरकार ने सरकारी स्कूलों को मजबूत करने के लिए भी कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना पब्लिक स्कूलों की स्थापना उपेक्षित शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित करने का एक नेक प्रयास है।

शिक्षा मंत्रालय का प्रभार भी संभाल रहे रेवंत रेड्डी ने बताया कि सरकार शिक्षा पर प्रतिवर्ष 27,000 करोड़ रुपए खर्च कर रही है।

मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और अन्य अधिकारियों सहित कई महान नेताओं ने सरकारी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त की है।

रेल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए सरकार ने गुजरात और महाराष्ट्र में नई रेल परियोजनाओं को दी मंजूरी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रेल क्षमता बढ़ाने और कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय रेलवे ने गुजरात के कच्छ क्षेत्र में आदिपुर-भुज दोहरीकरण परियोजना को 493 करोड़ रुपए की लागत से मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही महाराष्ट्र में पनवेल जंक्शन पर भीड़ कम करने के लिए 172 करोड़ रुपए की लागत वाली सोमटणे-चिखली कॉर्ड लाइन परियोजना को भी स्वीकृति दी गई है। यह जानकारी बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

बयान के अनुसार, गुजरात में 49 किलोमीटर लंबी दोहरी रेल लाइन परियोजना के पूरा होने के बाद इस मार्ग पर दोनों दिशाओं में प्रतिदिन दो अतिरिक्त यात्री ट्रेनें चलाई जा सकेंगी। इसके अलावा आदिपुर-भुज सेक्शन पर हर साल लगभग 1.2 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई भी संभव होगी।

यह परियोजना भारतीय रेलवे के क्षमता विस्तार कार्यक्रम के तहत स्वीकृत की गई है। रेलवे देश भर में दोहरीकरण, तिहरीकरण और अन्य नेटवर्क विस्तार कार्यों के जरिए भविष्य में बढ़ने वाले यात्री और माल यातायात की जरूरतों को पूरा करने की तैयारी कर रहा है।

वर्तमान में आदिपुर-भुज सेक्शन गांधीधाम-नालिया कॉरिडोर का सिंगल-लाइन रेल मार्ग है। क्षेत्र में चल रही कई रेल परियोजनाओं के कारण यहां आने वाले समय में यातायात में काफी वृद्धि होने की संभावना है। इन परियोजनाओं में भुज-नालिया गेज परिवर्तन, नालिया-वायोर रेल लाइन का विस्तार तथा नालिया-जखाऊ, वायोर-लखपत और देशलपर-लूना के बीच नई रेल लाइनों का निर्माण शामिल है।

इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद भुज-आदिपुर सेक्शन पर यात्री और माल यातायात, दोनों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। इसी को ध्यान में रखते हुए इस रेलखंड के दोहरीकरण को मंजूरी दी गई है, ताकि भविष्य की मांग के अनुरूप पर्याप्त क्षमता उपलब्ध कराई जा सके और परिचालन को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

इसी तरह मध्य रेलवे के अंतर्गत 172 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली 3.7 किलोमीटर लंबी सोमटणे-चिखली कॉर्ड लाइन परियोजना करजात मार्ग के चिखली और रोहा मार्ग के सोमटणे के बीच लंबे समय से गायब महत्वपूर्ण रेल संपर्क को पूरा करेगी।

इस नई लाइन के बनने से करजात और रोहा कॉरिडोर के बीच सीधे रेल संपर्क की सुविधा मिलेगी। ट्रेनों को अब पनवेल जंक्शन में प्रवेश करने या इंजन बदलने की आवश्यकता नहीं होगी।

पनवेल मुंबई क्षेत्र का सबसे व्यस्त रेलवे जंक्शन माना जाता है। यहां रोहा, जेएनपीटी, करजात और दीवा समेत चार प्रमुख दिशाओं से रेल यातायात आता है।

वर्तमान में करजात और रोहा मार्गों के बीच सीधा रेल संपर्क नहीं होने के कारण ट्रेनों को पनवेल जंक्शन से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे परिचालन संबंधी समस्याएं और भीड़ बढ़ती है।

मध्य प्रदेशः शिवपुरी में घर में विस्फोट से चार वर्षीय बच्ची की मौत, परिवार के सदस्य घायल

विश्व केसरी ■

भोपाल। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में एक घर में विस्फोट और आग लगने से चार वर्षीय बच्ची की मौत हो गई और उसके परिवार के चार सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह घटना खानियाधाना पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गुदार गांव में सुबह के समय हुई। घटना के समय परिवार नाश्ता बना रहा था।

विस्फोट के कारण घर का एक हिस्सा ढह गया, जिससे लोग मलबे के नीचे दब गए और आग लग गई जो तेजी से पूरे घर में फैल गई।

मृत बच्ची की पहचान जानवी प्रजापति (4) के रूप में हुई है।

घायलों में उसकी मां रोशनी प्रजापति (27), पिता प्राण सिंह प्रजापति (30), छोटा भाई शिव प्रजापति (2) और अंकेश (10) शामिल हैं।

सभी घायलों को पहले शिवपुरी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। चोटों की गंभीरता को देखते हुए, उन्हें आगे के इलाज के लिए ग्वालियर रेफर कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार, विस्फोट के कारण घर की छत और दीवारें गिर गईं।

दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बचाव दल ने जेसीबी मशीन की मदद से मलबा हटाया और मलबे के नीचे से बच्चे का शव बरामद किया।

बारामूला में एनआईए की बड़ी कार्रवाई, यूएपीए के तहत आरोपी की संपत्ति कुर्क

विश्व केसरी ■

श्रीनगर । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत एक आरोपी की अचल संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की।

एनआईए सूत्रों के अनुसार, एजेंसी ने उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले के कनिसपोरा गांव निवासी आरोपी शाहीन अहमद लोन की अचल संपत्ति को जब्त किया है। शाहीन अहमद लोन, स्वर्गीय नजीर अहमद लोन का पुत्र है और उसे इस मामले में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

कुर्क की गई संपत्ति में कनिसपोरा गांव में सर्वे नंबर 1192 के तहत दर्ज 7.5 मरला जमीन शामिल है।सूत्रों ने बताया कि यह कार्रवाई एनआईए केस आरसी-01/2020/एनआईए/जेएमयू के संबंध में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 33(1) के तहत की गई है। यह संपत्ति विशेष एनआईए अदालत, जम्मू द्वारा 30 अप्रैल को जारी आदेश के बाद कुर्क की गई।

एनआईए के अनुसार, शाहीन अहमद लोन को अवैध हथियारों से जुड़े एक मामले में पहले गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वह नई दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है।गौरतलब है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी भारत की प्रमुख आतंकवाद-रोधी जांच एजेंसी है, जिसकी स्थापना वर्ष 2008 में एनआईए अधिनियम के तहत की गई थी। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है और यह केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करती है। एजेंसी देश की सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता के खिलाफ अपराधों की जांच और अभियोजन का कार्य करती है।एनआईए आतंकवाद, आतंकी वित्तपोषण, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी, नकली मुद्रा नेटवर्क तथा अंतरराज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े मामलों की जांच करती है।

केरलः तीन पुराने मामलों की जांच के लिए सरकार ने गठित की एसआईटी

विश्व केसरी ■

तिरुवनंतपुरम। केरल पुलिस की विश्वसनीयता एक बार फिर चर्चा में है। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन के कार्यभार संभालने के बाद तीन नई एसआईटी (विशेष जांच दल) गठित की गई हैं। ये एसआईटी तीन पुराने मामलों की जांच के लिए गठित की गई हैं, जो पूर्व सीएम पिनाराई विजयन की सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान हुई थीं।

'काफिर स्क्रीनशॉट' विवाद, अलप्पुझा में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कथित हमले और इंडिगो फ्लाइट में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पूर्व मंत्री ई.पी. जयराजन के बीच हुई बहस के मामले में दोबारा जांच शुरू हो गई है। ये ऐसे मामले थे, जो राजनीतिक से जुड़े हुए थे और जांच में कोई खास प्रगति नहीं हुई थी।

सबसे ताजा मामला बुधवार को सामने आया, जब यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं और ई.पी. जयराजन से जुड़े इंडिगो फ्लाइट घटना की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया।

यह घटना तब हुई थी जब यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तत्कालीन मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के खिलाफ नारेबाजी की थी। मुख्यमंत्री उस समय कन्नूर से तिरुवनंतपुरम जा रहे थे। उसी फ्लाइट में मौजूद ई.पी. जयराजन ने इस विरोध के दौरान हस्तक्षेप किया था।

कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि उनके साथ मारपीट हुई, लेकिन उस समय इस शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी।

एसआईटी के गठन पर मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने बुधवार को कहा कि यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा दर्ज की गई शिकायत पर उस समय कोई कार्रवाई नहीं हुई थी।

फ्लाइट घटना अब तीसरा ऐसा राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामला है जिसकी दोबारा जांच शुरू की गई है। 'काफिर स्क्रीनशॉट' मामले में लंबे समय तक जांच में कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई थी, लेकिन अब एसआईटी ने हाल ही में एक सीपीआई(एम) युवा विंग कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया। बता दें कि 2024 लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान यह मामला एक बड़ा विवाद बना था।

अलप्पुझा मामले में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि विरोध प्रदर्शन के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री के सुरक्षा कर्मियों ने उन पर हमला किया। उस समय शिकायतों के बावजूद कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई थी।

अब इस मामले में संबंधित अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है, एसआईटी ने उनसे पूछताछ भी की और अभियोजन पक्ष ने केरल हाई कोर्ट में उनकी अग्रिम जमानत का विरोध किया है।

इन घटनाक्रमों ने एक बार फिर राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मुख्य सवाल यह है कि क्या जांच सभी मामलों में समान तेजी से होती है।

छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था का अध्ययन करेगा महाराष्ट्र का प्रतिनिधिमंडल

18-19 जून को रायपुर पहुंचेगा 14 सदस्यीय दल

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) आधारित धान खरीदी व्यवस्था अब दूसरे राज्यों के लिए भी अध्ययन का विषय बनती जा रही है। राज्य की पारदर्शी और समयबद्ध धान खरीदी प्रणाली का अध्ययन करने महाराष्ट्र सरकार के विधायकों, विधान परिषद सदस्यों और अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल 18 एवं 19 जून को छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचेगा।

प्रतिनिधिमंडल में महाराष्ट्र के 9 विधायक, 3 विधान परिषद सदस्य और 2 वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहेंगे। दो दिवसीय प्रवास के दौरान दल रायपुर सहित विभिन्न धान उपार्जन केंद्रों का दौरा कर खरीदी प्रक्रिया, भंडारण व्यवस्था, किसानों को भुगतान की प्रणाली तथा एमएसपी आधारित खरीद मॉडल का अध्ययन करेगा।

प्रतिनिधिमंडल में विधायक विनोद अग्रवाल, संजय पुराम, राजू कारेमोरे, विजय रहांगडाले और नरेंद्र भोंडेकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हैं। यह दल राज्य के अधिकारियों से भी चर्चा कर धान खरीदी से जुड़े प्रशासनिक और तकनीकी पहलुओं की जानकारी लेगा।

देश में बन रही अलग पहचान

छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था को देश में एक सफल मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। पिछले दो दशकों में राज्य ने धान उपार्जन की प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए खरीदी केंद्रों का विस्तार किया है और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की दिशा में कई सुधारात्मक कदम उठाए हैं। इसके परिणामस्वरूप राज्य एमएसपी पर धान खरीदी के मामले में अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार वर्ष 2000-01 से 2021-22 के बीच छत्तीसगढ़ में एमएसपी के तहत धान खरीदी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। किसानों की बढ़ती भागीदारी और प्रभावी प्रबंधन के कारण राज्य की खरीदी-से-उत्पादन अनुपात में भी लगातार सुधार हुआ है।

महाराष्ट्र की चुनौतियां और उम्मीदें

महाराष्ट्र जैसे बड़े धान उत्पादक राज्य में अभी भी खरीदी केंद्रों की संख्या, भुगतान में देरी और किसानों में एमएसपी को लेकर जागरूकता जैसी चुनौतियां मौजूद हैं। ऐसे में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ के मॉडल का अध्ययन कर अपनी खरीदी व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की संभावनाएं तलाशना चाहती है।

कृषि क्षेत्र से जुड़े जानकारों का मानना है कि छत्तीसगढ़ का मॉडल किसानों तक आसान पहुंच, बेहतर प्रबंधन और समयबद्ध भुगतान व्यवस्था के कारण सफल रहा है। महाराष्ट्र का यह अध्ययन दौरा न केवल दोनों राज्यों के बीच अनुभवों के आदान-प्रदान का अवसर बनेगा, बल्कि देश में कृषि विपणन और धान खरीदी व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। दो दिवसीय दौरे के बाद प्रतिनिधिमंडल अपनी रिपोर्ट महाराष्ट्र सरकार को सौंपेगा, जिसके आधार पर वहां की धान खरीदी व्यवस्था में सुधार के लिए आगे की रणनीति तय की जा सकती है।5

एयर इंडिया विमान से टकराया पक्षी, फ्लाइट में दो घंटे की हुई देरी

विश्व केसरी■

रायपुर। राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर बुधवार को एयर इंडिया विमान के साथ बर्ड हिट (चिड़िया टकराने) की घटना सामने आई। दिल्ली से रायपुर पहुंची एयर इंडिया की फ्लाइट लैंडिंग के दौरान चिड़िया से टकरा गई।जानकारी के अनुसार, विमान के सुरक्षित लैंड होने के बाद तकनीकी टीम ने उसकी जांच की। राहत की बात यह रही कि घटना में विमान को कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा और सभी यात्री सुरक्षित रहे। सुरक्षा मानकों के तहत विमान का विस्तृत निरीक्षण किया गया।

बर्ड हिट की घटना के कारण विमान की अगली उड़ान निर्धारित समय पर रवाना नहीं हो सकी। तकनीकी जांच और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद विमान करीब दो घंटे की देरी से अपने अगले गंतव्य के लिए रवाना हुआ।

एयरपोर्ट प्रबंधन और एयरलाइन अधिकारियों ने बताया कि विमान की पूरी जांच के बाद ही उसे उड़ान भरने की अनुमति दी गई। घटना के बाद कुछ समय के लिए परिचालन प्रभावित रहा, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य हो गई।

एयरपोर्ट परिसर में पक्षियों की मौजूदगी को देखते हुए समय-समय पर बर्ड कंट्रोल संबंधी उपाय किए जाते हैं, ताकि उड़ानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। फिलहाल इस घटना में किसी यात्री या क्रू सदस्य के घायल होने की सूचना नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

दोषियों को नहीं बख्शा जाएगा : साय

रायपुर। कोरिया जिले में रेत उत्खनन को लेकर हुए खूनी संघर्ष में भाजपा नेता भरत सिंह गहरवार और उनके करीबी वीरू सिंह गहरवार की मौत के मामले में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में है और पुलिस पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कर रही है। घटना में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून अपना काम कर रहा है और जांच के आधार पर सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को न्यायालय के माध्यम से कठोर सजा दिलाई जाएगी।

रेत उत्खनन विवाद बना खूनी संघर्ष

जानकारी के अनुसार, कोरिया जिले में रेत उत्खनन को लेकर भाजपा नेताओं के दो गुटों के बीच विवाद शुरू हुआ था। देर रात यह विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि संघर्ष के दौरान एक फॉर्च्यूनर वाहन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई, जिसमें भाजपा नेता भरत सिंह गहरवार की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से झुलसे उनके रिश्तेदार वीरू सिंह गहरवार ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना में तीन अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनका उपचार अंबिकापुर अस्पताल में चल रहा है। घायलों में योगेन्द्र सिंह की हालत स्थिर बताई जा रही है और वह बयान देने की स्थिति में हैं।

सूरजपुर रवाना होने से पहले मीडिया से की चर्चा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर से सूरजपुर दौरे के लिए रवाना होने से पहले मीडिया से बातचीत के दौरान इस सनसनीखेज घटना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मामले पर लगातार नजर बनाए हुए है और पुलिस को निष्पक्ष एवं त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

कोरिया की इस दोहरी हत्या की घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना के पीछे रेत उत्खनन विवाद सहित अन्य संभावित कारणों की भी पड़ताल की जा रही है।

रविवि के जेम्स एंड ज्वेलरी कोर्स में गड़बड़ी का आरोपः 50 लाख के फंड पर सवाल

सराफा एसोसिएशन ने राज्यपाल से मांगा दखल

विश्व केसरी■

रायपुर। रविशंकर विश्वविद्यालय में चल रहे जेम्स एंड ज्वेलरी कोर्स में अनियमितता का मामला सामने आया है। रायपुर सराफा एसोसिएशन ने राज्यपाल से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। आरोप है कि 50 लाख का फंड मिलने के बाद भी इस सत्र में प्रवेश न के बराबर हुआ और राशि के इस्तेमाल में पारदर्शिता नहीं है।

50 लाख फंड, जीरो एडमिशन

सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू के नेतृत्व में व्यापारियों ने राज्यपाल को पत्र भेजा। पत्र में कहा गया है कि राज्य सरकार ने कोर्स के लिए 50 लाख रुपए दिए थे, मगर मौजूदा सत्र में छात्रों का प्रवेश नगण्य रहा। व्यापारियों को फंड के मिसयूज की आशंका है।

कुलपति से नहीं मिला जवाब

एसोसिएशन ने बताया कि राज्यपाल के निर्देश पर कुलपति से कई बार संपर्क किया गया। लेकिन कोई स्पष्ट या समयबद्ध जवाब नहीं मिला।

चार बड़ी खामियां गिनाई

सराफा एसोसिएशन ने इस कोर्स को लेकर 4 बड़ी खामियां बताईं :

कोर्स पर कोई समीक्षा बैठक नहीं हुई

छात्रों के प्लेसमेंट का कोई रोडमैप नहीं

प्रवेश बढ़ाने के लिए कदम नहीं उठाए

विश्वविद्यालय ने कोई औपचारिक पत्राचार तक नहीं किया ।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी नीता डुमरे ने आरकेसी प्रिंसिपल पर लगाए गंभीर आरोप

विश्व केसरी■

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी नीता डुमरे ने राजकुमार कॉलेज प्रिंसिपल अनिरुद्ध सिंह पर सार्वजनिक रूप से अपमानजनक व्यवहार करने का आरोप लगाया है। खिलाड़ी का दावा है कि वर्ष 2023 में कॉलेज परिसर में आयोजित एक हॉकी मैच के दौरान उनके साथ अभद्र और असम्मानजनक तरीके से बात की गई थी।

नीता डुमरे के अनुसार, उन्हें राजकुमार कॉलेज की ओर से एक हॉकी मैच में ऑब्जर्वर के रूप में आमंत्रित किया गया था। मैच के दौरान अंपायर के एक फैसले को लेकर कुछ समय के लिए खेल रुका था, हालांकि बाद में मुकाबला फिर शुरू हो गया। इसी बीच उन्हें प्रिंसिपल के पास बुलाया गया, जहां कथित तौर पर उनसे ऊंची आवाज में सवाल-जवाब किए गए।

खिलाड़ी का आरोप है कि बाद में उनसे घटना को लेकर लिखित स्पष्टीकरण भी मांगा गया, जबकि हॉकी नियमों के अनुसार इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया होती है। उन्होंने बताया कि घटना से आहत होकर उन्होंने कॉलेज प्रबंधन को पत्र लिखकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। नीता डुमरे ने आगे बताया कि इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत राज्य महिला आयोग में की। उनका कहना है कि आयोग की ओर से कई बार बुलावा भेजे जाने के बावजूद संबंधित पक्ष उपस्थित नहीं हुआ। फिलहाल आयोग में मामले की सुनवाई की प्रक्रिया फिर से आगे बढ़ रही है।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें एक महिला और खिलाड़ी होने के नाते सम्मानजनक व्यवहार की अपेक्षा थी। उनके अनुसार, सार्वजनिक रूप से जिस तरह का व्यवहार उनके साथ किया गया, वह उनकी गरिमा के अनुरूप नहीं था।

हालांकि, इस मामले में राजकुमार कॉलेज प्रबंधन और प्रिंसिपल अनिरुद्ध सिंह का पक्ष अभी सामने नहीं आया है। संबंधित पक्ष की प्रतिक्रिया मिलने के बाद ही पूरे विवाद की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को प्रदेश में 'स्वस्थ आयु के लिए योग' थीम पर होगा विशेष कार्यक्रम

विश्व केसरी■

रायपुर। 21 जून को इस बार 'स्वस्थ आयु के लिए योग' थीम पर सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित होगा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर जिला मुख्यालयों से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक तैयारियां पूरी कर ली गई है। जिला मुख्यालयों में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम में राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री द्वय, मंत्रीगण, सांसद एवं विधायकगण मुख्य अतिथि होंगे। छत्तीसगढ़ सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिला मुख्यालयों में आयोजित होने वाले सामूहिक योगाभ्यास में मुख्य अतिथि नामांकित किया गया है।

राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में 21 जून को राजधानी रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में सरगुजा जिले में सुबह 7 बजे सामूहिक योगाभ्यास होगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल करेंगे। जारी आदेश के तहत केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू बिलासपुर में, उप मुख्यमंत्री अरुण साव दुर्ग में, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा कबीरधाम, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव में को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि होंगें।

इसी प्रकार कोरिया जिले में मंत्री रामविचार नेताम, महासमुंद जिले में मंत्री दयालदास बघेल, सुकमा जिले में मंत्री केदार कश्यप, कांकेर जिले में मंत्री लखन लाल देवांगन, जांजगीर-चांपा जिले में मंत्री ओ.पी. चौधरी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में मंत्री टंकराम वर्मा, बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, जशपुर जिले में मंत्री राजेश अग्रवाल, कोरबा जिले में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और बालोद जिले में मंत्री गजेन्द्र यादव को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि बनाए गए हैं।

जीएसटी जांच से घबराएं नहीं, समय पर अनुपालन पूर्ण करें : अमर पारवानी

विश्व केसरी■

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, महामंत्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स छत्तीसगढ़ द्वारा रायपुर स्थित प्रदेश कार्यालय, पगारिया कॉम्प्लेक्स, पंडरी में एक महत्वपूर्ण जीएसटी जागरूकता एवं अनुपालन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में व्यापारियों, उद्यमियों, करदाताओं, ट्रांसपोर्टर्स एवं विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर जीएसटी कानून, विभागीय जांच, नोटिस, समन, ऑडिट, फर्जी आईटीसी तथा व्यापारियों के कानूनी अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। स्वागत उद्बोधन प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने दिया।

कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह द्वारा किया गया।

मुख्य वक्ता एवं प्रसिद्ध जीएसटी विशेषज्ञ सीए जितेन्द्र सिंह खनूजा का स्वागत प्रदेश चेयरमैन जितेन्द्र दोशी एवं विक्रम सिंहदेव द्वारा किया गया।

बिजली दर वृद्धि के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

मुख्यमंत्री का फूँका पुतला

विश्व केसरी■

रायपुर । छत्तीसगढ़ में बिजली दरों में बढ़ोतरी और स्मार्ट मीटर के मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने बुधवार को डंगनिया स्थित बिजली विभाग कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि बिजली दरों में वृद्धि का सीधा असर आम जनता, किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पहले से महंगाई की मार झेल रही जनता पर सरकार अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है।

प्रदेश की जनता पहले से बढ़ती महंगाई से परेशान है। ऐसे समय में बिजली दरों में वृद्धि करना जनविरोधी फैसला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता की आवाज बनकर सड़कों पर संघर्ष करेगी और सरकार को यह फैसला वापस लेना होगा। दुबे ने आरोप लगाया कि सरकार जनता की जेब पर डाका डालने का काम कर रही है।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने कहा कि बिजली कभी छत्तीसगढ़ की पहचान और उपलब्धि हुआ करती थी, लेकिन आज प्रदेश की जनता महंगी बिजली खरीदने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि सरकार ने चुनावी वादों को भुलाकर आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ाने का काम किया है। कांग्रेस इस मुद्दे को वार्ड स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक उठाएगी।

बिजली दरों में बढ़ोतरी पूरी तरह से अन्यायपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों का मासिक बजट पहले ही बिगड़ा हुआ है, ऐसे में बिजली के बढ़े हुए बिल लोगों की परेशानी और बढ़ाएंगे। उन्होंने सरकार से तत्काल बढ़ी हुई दरों को वापस लेने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बिजली दर वृद्धि और स्मार्ट मीटर योजना के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने बिजली दरों में वृद्धि का निर्णय वापस नहीं लिया तो कांग्रेस चरणबद्ध आंदोलन को और तेज करेगी।

कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर कांग्रेस नेताओं ने अपना विरोध दर्ज कराया तथा जनता के हित में संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

रायपुर में 29 जून को होगी डाक अदालत

डाक सेवाओं से जुड़ी शिकायतों का होगा मौके पर निराकरण

विश्व केसरी■

रायपुर। डाक सेवाओं से संबंधित लंबित शिकायतों के समाधान के लिए डाक विभाग 29 जून को रायपुर में परिमंडल स्तरीय डाक अदालत आयोजित करने जा रहा है। इस विशेष आयोजन में उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई कर उनका त्वरित निराकरण किया जाएगा।मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, छत्तीसगढ़ परिमंडल के अनुसार डाक अदालत का आयोजन 29 जून सोमवार को शाम 4 बजे रायपुर के जय स्तंभ चौक स्थित प्रधान डाकघर (जीपीओ) भवन की दूसरी मंजिल में किया जाएगा।

डाक अदालत में डाक वितरण में देरी, काउंटर सेवाओं से जुड़ी समस्याएं, बचत बैंक खाते, आवर्ती जमा (आरडी), लघु बचत योजनाएं, बचत पत्र, रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट, एक्सप्रेस पार्सल, मूल्य देय पार्सल, मनीऑर्डर, डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा से संबंधित मामलों की सुनवाई होगी।

विभाग ने उपभोक्ताओं से कहा है कि यदि उनकी कोई शिकायत लंबित है तो वे उसका पूरा विवरण 24 जून को दोपहर 2 बजे तक मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, छत्तीसगढ़ परिमंडल, रायपुर के कार्यालय में जमा कर दें। निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाली शिकायतों को इस डाक अदालत में शामिल नहीं किया जाएगा।

डाक विभाग का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध कराना और डाक सेवाओं की जवाबदेही एवं गुणवत्ता को बेहतर बनाना है।

संपादकीय

आँगनवाड़ी प्रणाली का बदलता स्वरूप

डॉ. प्रियंका सौरभ

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके प्राकृतिक संसाधनों या भौतिक संपदा में नहीं, बल्कि उसकी मानव पूंजी में निहित होती है। मानव पूंजी का निर्माण जन्म के बाद नहीं, बल्कि जीवन के प्रारंभिक वर्षों से ही आरम्भ हो जाता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बच्चे के मस्तिष्क का लगभग 85 प्रतिशत विकास छह वर्ष की आयु तक हो जाता है। यही वह अवस्था है जब पोषण, स्वास्थ्य, भाषा, सामाजिक संपर्क और सीखने के अनुभव उसके संपूर्ण जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं। इसलिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) को आज मानव विकास और आर्थिक प्रगति का सबसे महत्वपूर्ण आधार माना जाता है।

भारत में लंबे समय तक आँगनवाड़ी व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को कुपोषण, बीमारी और मृत्यु के जोखिम से बचाना था। एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) कार्यक्रम के अंतर्गत स्थापित आँगनवाड़ी केंद्रों ने लाखों बच्चों और माताओं को पोषण, टीकाकरण तथा स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर बाल मृत्यु दर और कुपोषण को कम करने में उल्लेखनीय योगदान दिया। किंतु बदलते समय और नई वैज्ञानिक समझ ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल बच्चों को जीवित रखना पर्याप्त नहीं है। यदि किसी बच्चे को पोषण तो मिल जाए, लेकिन सीखने, सोचने, संवाद करने और अपनी रचनात्मकता विकसित करने का अवसर न मिले, तो उसका संज्ञानात्मक विकास अधूरा रह जाता है। यही कारण है कि आज 'सर्वाइवल' से 'थ्राइविंग' अर्थात केवल जीवित रहने से समग्र विकास की ओर बढ़ने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस सोच को नई दिशा प्रदान की है। नीति ने तीन से आठ वर्ष की आयु को शिक्षा का आधारभूत चरण माना है और यह स्वीकार किया है कि प्रारंभिक वर्षों में प्राप्त अनुभव आगे की शिक्षा और व्यक्तित्व निर्माण को गहराई से प्रभावित करते हैं। इसी दृष्टिकोण के तहत आँगनवाड़ी प्रणाली को केवल पोषण वितरण केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि प्रारंभिक शिक्षण और बाल विकास के केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF-FS 2022) ने खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित और अनुभवात्मक शिक्षण पर बल देकर बच्चों के भाषा विकास, तार्किक क्षमता, रचनात्मकता और सामाजिक कौशल को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

हाल के वर्षों में सरकार ने सक्षम आँगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 जैसी पहलों के माध्यम से आँगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक स्वरूप देने का प्रयास किया है। इन केंद्रों में बेहतर भवन, स्मार्ट शिक्षण सामग्री, डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन और बच्चों के विकास की सतत निगरानी पर बल दिया जा रहा है। 'पोषण ट्रैकर' जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बच्चों की स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जानकारी का रिकॉर्ड रखा जा रहा है, जिससे सेवा वितरण अधिक पारदर्शी और प्रभावी बन रहा है। साथ ही आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बाल मनोविज्ञान, खेल-आधारित शिक्षण और प्रारंभिक शिक्षा के आधुनिक तरीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे बच्चों के संज्ञानात्मक विकास में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकें।

यह परिवर्तन केवल सामाजिक कल्याण का विषय नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी आर्थिक परिणाम भी हैं। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि प्रारंभिक बाल्यावस्था में किया गया निवेश सबसे अधिक प्रतिफल देने वाला सार्वजनिक निवेश होता है। जो बच्चे प्रारंभिक वर्षों में बेहतर पोषण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करते हैं, उनकी सीखने की क्षमता अधिक विकसित होती है, वे विद्यालय में बेहतर प्रदर्शन करते हैं और भविष्य में अधिक उत्पादक नागरिक बनते हैं। इस प्रकार आँगनवाड़ी प्रणाली में सुधार सीधे तौर पर मानव पूंजी निर्माण को मजबूत करता है, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास का मूल आधार है।

संज्ञानात्मक विकास पर आधारित ECCE व्यवस्था भविष्य में कार्यबल की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाएगी। बेहतर सोचने, समस्या समाधान करने और नवाचार करने की क्षमता वाले नागरिक देश की उत्पादकता में वृद्धि करते हैं। आज की वैश्विक ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में केवल शारीरिक श्रम पर्याप्त नहीं है, बल्कि बौद्धिक क्षमता और कौशल ही आर्थिक प्रतिस्पर्धा का आधार बनते जा रहे हैं। ऐसे में प्रारंभिक बाल्यावस्था में निवेश भारत को अधिक सक्षम और प्रतिस्पर्धी कार्यबल प्रदान कर सकता है।

इसके अतिरिक्त, गुणवत्तापूर्ण आँगनवाड़ी सेवाएँ महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी को भी बढ़ावा दे सकती हैं। जब परिवारों को बच्चों की सुरक्षित देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा की व्यवस्था उपलब्ध होती है, तो महिलाएँ रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता में अधिक सक्रिय रूप से भाग ले सकती हैं। भारत में महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर को बढ़ाना आर्थिक विकास की महत्वपूर्ण आवश्यकता है, और आँगनवाड़ी प्रणाली इसमें सहायक भूमिका निभा सकती है।

आँगनवाड़ी सुधार सामाजिक असमानताओं को कम करने का भी प्रभावी माध्यम बन सकते हैं।

जी-7 क्या है? इसके वैश्विक मायने क्या हैं? दुनिया के विभिन्न महत्वपूर्ण देशों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

कमलेश पांडे

दुनिया के अस्ताचलगामी शक्तिशाली देशों के रणनीतिक संगठन जी-7 की शिखर बैठक फ्रांस के एवियां (Évian-les-Bains) शहर में 15-17 जून 2026 तक आयोजित हुई, जिसमें महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसी बैठ में सवा साल मोदी-ट्रंफ की भी मुलाकात हुई, जिसका अपना बहुपक्षीय महत्व है। जी-7 क्या है? इसके वैश्विक मायने क्या हैं? और दुनिया के विभिन्न महत्वपूर्ण देशों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? इसकी चुनौतियां क्या हैं और किस बात के लिए आलोचनाएं होती हैं? जवाब निम्नलिखित है-

जी-7 क्या है?

जी-7 में सात प्रमुख औद्योगिक लोकतांत्रिक देश शामिल हैं: संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान। इसके अलावा यूरोपीय संघ भी स्थायी भागीदार के रूप में शामिल होता है। यह कोई औपचारिक अंतरराष्ट्रीय संगठन नहीं है; इसका न तो कोई संविधान है और न ही स्थायी सचिवालय।

जी-7 शिखर सम्मेलन का सबसे से बड़ा भू-राजनीतिक संदेश:

2026 का फ्रांस जी-7 शिखर सम्मेलन यह संकेत देता है कि विश्व व्यवस्था अब केवल अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब तीन बड़े मुद्दे एक साथ उभर रहे हैं:- एक, सुरक्षा (यूक्रेन, मध्य पूर्व); दो, अर्थव्यवस्था (वैश्विक असंतुलन, सप्लाई चेन); और तीन, प्रौद्योगिकी (AI, डिजिटल शासन)। यदि जी-7 इन तीनों क्षेत्रों में साझा रणनीति बना पाता है, तो आने वाले वर्षों में वैश्विक शक्ति-संतुलन पश्चिमी लोकतांत्रिक देशों और उनके साझेदारों (भारत, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया आदि) के पक्ष में झुक सकता है। वहीं चीन और रूस को अपने वैकल्पिक गठबंधनों को और मजबूत करना पड़ेगा।

जी 7 शिखर बैठक के प्रमुख वैश्विक मायने

जी 7 शिखर बैठक के प्रमुख वैश्विक मायने निम्नलिखित हैं, जिन्हें समझकर और साधकर कोई भी देश आगे बढ़ सकता है।

पहला, यूक्रेन-रूस युद्ध पर पश्चिमी एकजुटता की परीक्षा: जी-7 देशों ने यूक्रेन को समर्थन जारी रखने और रूस पर दबाव बनाए रखने पर चर्चा की। यूक्रेनी राष्ट्रपति Volodymyr Zelensky की मौजूदगी ने संकेत दिया कि यूरोप चाहता है कि युद्ध का समाधान यूक्रेन की शर्तों के अनुरूप हो। लिहाजा इसका प्रभाव यह होगा कि रूस पर आर्थिक और कूटनीतिक दबाव बढ़ सकता है।

यूरोपीय सुरक्षा ढांचे में नाटो की भूमिका और मजबूत हो सकती है। वैश्विक हथियार एवं रक्षा उद्योग को लाभ मिल सकता है। भू-राजनीतिक संकटों पर सामूहिक प्रतिक्रिया: रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया की स्थिति, समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और प्रतिबंधों जैसे मुद्दों पर जी-7 देशों की सामूहिक रणनीति अंतरराष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करती है।

दूसरा, अमेरिका-ईरान समझौते के बाद पश्चिम एशिया की नई राजनीति: यह सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच प्रारंभिक शांति समझौता सामने आया है। जी-7 नेताओं ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ की सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति पर विशेष चर्चा की। इसका प्रभाव यह होगा कि अरब-खाड़ी देशों को राहत मिल सकती है। तेल कीमतों में स्थिरता आ सकती है।

ईरान के वैश्विक आर्थिक पुनर्समावेशन की संभावना बढ़ सकती है।

तीसरा, चीन के लिए स्पष्ट संदेश: फ्रांस की अध्यक्षता वाले जी-7 का प्रमुख एजेंडा 'वैश्विक आर्थिक असंतुलन' और आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा है, जिसे व्यापक रूप से चीन पर निर्भरता कम करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। इसका प्रभाव यह होगा कि चीन पर व्यापारिक दबाव बढ़ सकता है। 'फ्रेंड-शोरिंग' और 'चाइना+1' रणनीति को बल मिलेगा। भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया और मेक्सिको जैसे देशों को निवेश आकर्षित करने का अवसर मिलेगा। हाल के वर्षों में जी-7 चीन की औद्योगिक क्षमता, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और वैश्विक निवेश पहलों के विकल्प तैयार करने पर जोर दे रहा है।

चौथा, AI और डिजिटल शासन पर वैश्विक नियमों की दिशा: जी-7 में AI के भविष्य, डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म नियमन पर भी चर्चा हुई। इसका प्रभाव यह होगा कि ढ के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक विकसित हो सकते हैं। अमेरिका और यूरोप के बीच तकनीकी सहयोग बढ़ सकता है। चीन की डिजिटल कंपनियों के लिए नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों (critical minerals) पर साझा मानक विकसित करना अब जी-7 की प्राथमिकताओं में शामिल है।

पांचवां, विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा तय करना: जी-7 देश वैश्विक अर्थव्यवस्था का लगभग 29% हिस्सा रखते हैं। इसलिए ब्याज दरों, व्यापार, आपूर्ति श्रृंखलाओं, ऊर्जा और वित्तीय स्थिरता से जुड़े इनके फैसलों का असर पूरी दुनिया पर पड़ता है।

छठा: जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा: स्वच्छ ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन में कमी और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा पर लिए गए निर्णय विकासशील देशों की नीतियों को भी प्रभावित करते हैं।

विभिन्न देशों पर इस शिखर बैठक के संभावित प्रभाव

जहां तक विभिन्न देशों पर इस शिखर बैठक के संभावित प्रभाव की बात है तो-

अमेरिका: यूएस को वैश्विक नेतृत्व पुनर्स्थापित करने का अवसर मिलेगा। ईरान समझौते और यूक्रेन नीति पर समर्थन जुटाने की कोशिश रंग लाएगी। चीन के विरुद्ध आर्थिक गठबंधन मजबूत करने का प्रयास परवान चढ़ेगा।

चीन: चीन को जी-7 की आर्थिक और तकनीकी रणनीतियों से सबसे अधिक प्रभावित देश समझा जा रहा है, क्योंकि पश्चिमी देशों द्वारा वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाने की कोशिश चीन के निर्यात मॉडल को चुनौती दे सकती है।

रूस: रूस को नए प्रतिबंधों और यूक्रेन समर्थन के कारण दबाव बढ़ सकता है। रूस को चीन, ईरान और ग्लोबल साउथ देशों के साथ संबंध और मजबूत करने पड़ सकते हैं।

यूरोप: यूक्रेन और रूस मुद्दे पर यूरोप की सामूहिक रणनीति मजबूत होगी। ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा पर नया रोडमैप बन सकता है।

अरब-खाड़ी देश: ईरान-अमेरिका वार्ता और होर्मुज़ की स्थिरता से आर्थिक लाभ मिलेगा। ऊर्जा बाज़ार में अनिश्चितता कम हो सकती है।

भारत: भारत जी-7 का सदस्य नहीं है, लेकिन आमंत्रित भागीदार के रूप में इसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। लिहाजा भारत के लिए अवसर यह होगा कि पश्चिमी देशों की 'चाइना+1' नीति का सबसे बड़ा लाभार्थी बनने की संभावना है। इससे सेमीकंडक्टर, रक्षा, ढ और हरित ऊर्जा में निवेश आकर्षित करने का अवसर मिलेगा। साथ ही अमेरिका, फ्रांस और यूरोप के साथ रणनीतिक साझेदारी गहरी हो सकती है। चूंकि भारत को अक्सर विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है। इससे भारत को: वैश्विक आर्थिक नीति निर्माण में भागीदारी का अवसर मिलता है। तकनीक, निवेश और आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी मजबूत करने का मौका मिलता है। विकसित देशों के साथ रणनीतिक संबंध गहरे होते हैं।

जहां तक चुनौतियाँ और आलोचनाएँ सम्बन्धी बात है तो जी-7 की आलोचना भी होती है क्योंकि इसमें उभरती अर्थव्यवस्थाएँ (जैसे चीन) सदस्य नहीं हैं। कई विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व सीमित है। निर्णय कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होते। सदस्य देशों के बीच व्यापार, जलवायु और विदेश नीति को लेकर मतभेद बढ़ रहे हैं।

निष्कर्ष: यह कहा जा सकता है कि जी-7 अब केवल अमीर देशों का क्लब नहीं है; बल्कि यह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था, तकनीकी शासन, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है।

तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों का NCPI में विलय

महेन्द्र तिवारी

भारतीय राजनीति के इतिहास में कई ऐसे घटनाक्रम दर्ज हैं जिन्होंने रातोंरात सत्ता के समीकरणों को बदलकर रख दिया है। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल के सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस से 20 सांसदों का अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल होना एक ऐसा राजनीतिक भूचाल है जिसकी गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। यह घटना महज कुछ नेताओं का पाला बदलना नहीं है बल्कि एक सुस्थापित राजनीतिक दल के भीतर उपजे गहरे असंतोष और महत्वाकांक्षाओं के टकराव का परिणाम है। लंबे समय तक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बेहद करीब रहीं काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में हुआ यह विभाजन भारतीय लोकतंत्र की उस गतिशीलता को दर्शाता है जहां कोई भी संगठन पूरी तरह अजेय नहीं होता। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारतीय राजनीति में पाला बदलने और नई विचारधाराओं के साथ चलने की परंपरा रही है लेकिन जब इतनी बड़ी संख्या में सांसद एक साथ अपनी पुरानी वफादारी छोड़ते हैं तो इसके मायने बहुत गहरे होते हैं। यह घटना इस बात का सटीक उदाहरण है कि कैसे राजनीतिक असंतोष धीरे धीरे पककर एक बड़े विस्फोट का रूप ले लेता है।

इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम की रूपरेखा बहुत ही रणनीतिक तरीके से तैयार की गई। 31 मई 2026 को काकोली घोष दस्तीदार को नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। यह दल कोई बहुत पुरानी या स्थापित ताकत नहीं थी बल्कि इसे 2023 में ही पंजीकृत कराया गया था। अपनी स्थापना के बाद से यह संगठन राजनीतिक परिदृश्य के हाशिये पर ही था लेकिन 20 सांसदों के एकमुश्त विलय ने इसे अचानक राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में ला खड़ा किया है। इसके बाद 14 जून 2026 को इस विलय और नए नेतृत्व की औपचारिक जानकारी भारत के निर्वाचन आयोग को सौंप दी गई। निर्वाचन आयोग को समय पर सूचना देना इस बात का प्रमाण है कि बागी गुट कानूनी और संवैधानिक प्रक्रियाओं का पूरी तरह पालन करते हुए अपने कदम आगे बढ़ा रहा है ताकि उन पर कोई वैधानिक संकट ना आए।

इस विभाजन का सबसे दूरगामी प्रभाव राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की राजनीति पर पड़ने वाला है। नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हुए इन 20 सांसदों ने स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को अपना समर्थन देने की घोषणा की है। संसद के भीतर 20 सांसदों का एक झटके में सत्तारूढ़ गठबंधन के पक्ष में चले जाना विपक्ष की एकजुटता के लिए एक बड़ा आघात है। इससे न केवल संसद में संख्या बल का समीकरण पूरी तरह बदल गया है बल्कि विपक्षी दलों के उस मनोबल को भी गहरी ठेस पहुंची है जो वे आगामी चुनावों के लिए तैयार कर रहे थे। पश्चिम बंगाल जो कि हमेशा से गैर कांग्रेसी और गैर सत्ताधारी गठबंधनों का एक मजबूत गढ़ रहा है वहां से उठी यह बगावत अन्य राज्यों के क्षेत्रीय दलों के लिए भी खतरे की घंटी है।

संविधान के जानकारों और राजनीतिक विश्लेषकों की नजर अब दसवीं अनुसूची यानी दल बदल विरोधी कानून पर टिकी है। भारत में निर्वाचित प्रतिनिधियों को मनमर्जी से दल बदलने से रोकने के लिए कड़े नियम बनाए गए हैं। लेकिन जब किसी संगठन के निर्वाचित सदस्यों का एक बड़ा हिस्सा टूटकर अलग होता है और वह आवश्यक वैधानिक अनुपात को पूरा करता है तो सदस्यों की सदस्यता रद्द होने से बच जाती है। यह देखना बहुत दिलचस्प होगा कि निर्वाचन आयोग और संसदीय समितियां इस पूरे मामले का

बोध कथा

सुँदर हाथ उन्हीं के होते हैं जो अच्छे कर्म करें

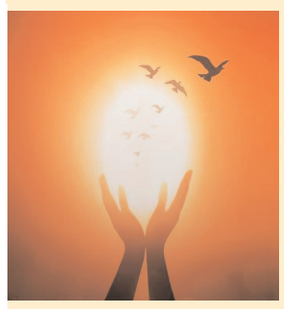

बहुत समय पहले की बात है कुछ महिलाएं एक नदी के तट पर बैठी थी वे सभी धनवान होने के साथ-साथ अत्यंत सुंदर भी थी वे नदी के शीतल एवं स्वच्छ जल में अपने हाथ – पैर धो रही थी तथा पानी में अपनी परछाई देख- देखकर अपने सौंदर्य पर स्वयं ही मुग्ध हो रही थी...तभी उनमें से एक ने अपने हाथों की प्रशंसा करते हुए कहा, देखो, मेरे हाथ कितने सुंदर है.. लेकिन दूसरी महिला ने दावा किया कि उसके हाथ ज्यादा खूबसूरत हैं तीसरी महिला ने भी यही दावा दोहराया... उनमें इस पर बहस छिड़ गई तभी एक बुजुर्ग लाठी टेकती हुई वहाँ से निकली उसके कपड़े मैले- कुचैले थे वह देखने से ही अत्यंत निर्धन लग रही थी उन महिलाओं ने उसे देखते ही कहा, 'व्यर्थ की तकरार छोड़ो, इस बुढ़िया से पूछते हैं कि हममें से किसके हाथ सबसे अधिक सुँदर है.. उन्होंने बुजुर्ग महिला को पुकारा, 'ए बुढ़िया, जरा इधर आकर ये तो बता कि हममें से किसके हाथ सबसे अधिक सुँदर है..बुजुर्ग किसी तरह लाठी टेकती हुई उनके पास पहुंची और बोली – मैं बहुत भूखी-प्यासी हूँ, पहले मुझे कुछ खाने को दो ,चैन पड़ने पर ही कुछ बता पाऊँगी... वे सब महिलाँए हँस पड़ी और एक स्वर में बोलीं –जा भाग, हमारे पास कोई खाना- वाना नहीं है ये भला हमारी सुँदरता को क्या पहचानेगी।

व्यंग्य केसरी

सूरज पर कार्रवाई हो!

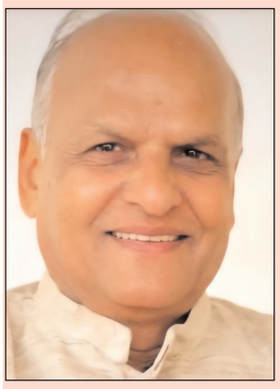

गिरीश पंकज

भीषण गर्मी और जल संकट के बीच नेताजी भाषण दे रहे थे. जनता मंत्रमुग्ध थी। सोच रही थी आप कोई समाधान सामने आएगा.

नेताजी ने कहा , ' सूरज की प्रचंड गर्मी के कारण नदी तालाबों का जल सूख रहा है.जब तक हम सूरज का कोई स्थाई इलाज नहीं ढूंढ लेते, तब तक आप लोग 'सूखा प्राणायाम' करें। पानी की जगह थूक निगलकर काम चलाएं। याद रखिए, जल ही जीवन है, लेकिन चूंकि अभी जल नहीं है, इसलिए सिर्फ 'जीवन' से काम चलाइए।'

'लेकिन हमें तो अभी पानी चाहिए.!'

लोगों की चीख पुकार सुनकर नेताजी बोले, 'चिंता मत कीजिए.एक-दो दिन के भीतर ही पानी बरसने वाला है. उस पानी को आप संचित करके रखिए.आपकी सारी समस्याएं अपने आप हल होजाएंगी. बोलिए भारत माता की जय!'

एक आवाज का क्या करें इतना तब क्यों रहा है नेताजी ने कहा हम इस विषय पर गंभीरता के साथ सो रहे हैं कि सूरज इतना अंगार क्यों बढ़ रहा है हम एक जांच आयोग बैठाएंगे. रिपोर्ट आने पर हम सूरज पर सख्त कार्रवाई करेंगे. इस बीच हमारी कोशिश यह भी रहेगी कि हम बड़ी-बड़ी नदियों और तालाबों को बड़े-बड़े तिरपालों से ढकने की कोशिश करें, ताकि उनका जल सूरज ना सोख ले. सूरज एक पूंजीपतियों की तरह धरती का खून सूख चूस रहा है. हम यह बर्दाश्त नहीं करेंगे. बोलिए भारत माता की जय! '

नेताजी की बात सुनकर लोग समझ गए की समस्या का कोई समाधान नहीं है इसलिए लोग तालियां बजाने लगे नेता जी को लगा कि लोग उनकी बात को ध्यान से सुनकर उनके प्रशंसा कर रहे हैं.. अंत में उन्होंने कहा कि हम बहुत जल्दी एक बार फिर बैठेंगे और इस गंभीर जल संकट पर गंभीरता के साथ गंभीर लोगों को बुलाकर बातचीत करेंगे. बोलिए भारत माता की जय!

इतना कहकर नेताजी ने बिसलेरी की बोतल से एक लंबा घूंट लिया, उसे अपनी एसी फॉर्च्यूनर में रखा और 'सूरज को उसकी औकात दिखाने' के लिए सीधे ठंडे शिमला के दौरे पर रवाना हो गए। जाते-जाते नेताजी ने कहा, 'हम सूरज को बता देंगे कि तुम अगर राजधानी में अपनी गर्मी फैला रहे हो तो हम इससे राहत पाने के लिए कश्मीर, शिमला, मसूरी, नैनीताल भी जा सकते हैं.और हम जा रहे हैं. मैं तो कहता हूं कि आप सब लोग भी एक महीने के लिए किसी हिल स्टेशन पर होकर आइए. आपकी समस्या का समाधान वहां हो जाएगा. '

उपस्थित भीड़ ने कहा, ' भारत माता की जय!'

यह सुनकर नेताजी प्रसन्न हुए और हाथ हिलाते हुए आगे बढ़ गए. और जनता गरम सूरज को देखती रही. भाषण का 'कूल' समापन हो गया था. सबको समझ आ गया था कि जब तक ब्रह्मांडीय शक्तियां हमारे खिलाफ हैं, तब तक नगर निगम के वाल्वमैन से पानी की उम्मीद करना बेईमानी है।

इतिहास

आज के दिन (17 जून) की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं में, 1944 में आइसलैंड का डेनमार्क से स्वतंत्र होकर गणतंत्र बनना और 1775 में अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध के दौरान बंकर हिल की लड़ाई प्रमुख हैं। यह तारीख दुनिया भर में इतिहास के विभिन्न महत्वपूर्ण बदलावों और खोजों की गवाह रही है ।17 जून के इतिहास से जुड़ी अन्य प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं:1631 – मुमताज महल (शाहजहां की बेगम) का निधन हुआ, जिनकी याद में बाद में ताजमहल का निर्माण किया गया।1757 – 'प्लासी के युद्ध' में ब्रिटिश सेनापति रॉबर्ट क्लाइव ने बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला को हराने की शुरुआत की। 1775 – अमेरिकी क्रांति के दौरान 'बंकर हिल की लड़ाई' लड़ी गई । 1944 – आइसलैंड को डेनमार्क से पूर्ण स्वतंत्रता मिली और यह एक गणतंत्र बना। 1994 – दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला को जेल से रिहा होने के बाद पहली बार देश की संसद को संबोधित करने का गौरव प्राप्त हुआ।

संक्षिप्त खबरें

सिंचाई विभाग का कर्मचारी 1 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

धमतरी । भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी करप्शन ब्यूरो ने धमतरी में बड़ी कार्रवाई करते हुए सिंचाई विभाग के एक कर्मचारी को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से विभाग में हड़कंप मच गया है और कर्मचारियों के बीच चर्चा का माहौल है। जानकारी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान लखेश्वर साहू के रूप में हुई है। आरोपी पर आरोप है कि उसने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों का निराकरण करने और भुगतान प्रक्रिया आगे बढ़ाने के एवज में एक लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन किया और आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। तय योजना के तहत शिकायतकर्ता रिश्वत की रकम लेकर आरोपी के पास पहुंचा। जैसे ही आरोपी ने रकम स्वीकार की, एसीबी की टीम ने उसके निजी निवास पर दबिश देकर उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। एसीबी ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है और मामले से जुड़े दस्तावेजों के साथ अन्य संभावित लेन-देन की भी जांच की जा रही है। कार्रवाई के बाद सिंचाई विभाग में खलबली मच गई है। एसीबी अब यह भी जांच कर रही है कि विभागीय कार्यों के नाम पर कहीं रिश्वतखोरी का कोई बड़ा नेटवर्क तो सक्रिय नहीं था। जांच के आधार पर आगे और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही

निःशुल्क बिजली और 50 प्रतिशत छूट का लाभ रहेगा जारी

कवर्धा। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी नए टैरिफ संशोधन के बीच कबीरधाम जिले के उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। जिले के गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहले की तरह मिलता रहेगा, जिससे बिजली दरों में हुई वृद्धि का असर बेहद सीमित हो जाएगा।

कबीरधाम जिले में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले कुल 54 हजार 886 उपभोक्ताओं को 30 यूनिट तक शासन द्वारा पूरी तरह से निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। इस पूरी राशि का वहन राज्य सरकार स्वयं करेगी। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत योजना के अंतर्गत 93 हजार 10 घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक की बिजली खपत पर 50 प्रतिशत की भारी छूट मिलती रहेगी। इन सरकारी योजनाओं और सब्सिडी के कारण ही जिले के अधिकांश घरेलू उपभोक्ताओं पर वास्तविक विद्युत दर वृद्धि का असर शून्य से लेकर केवल 3.65 प्रतिशत के बीच ही सीमित रहेगा।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, राजनांदगांव क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट ने बताया कि उपभोक्ताओं के पास अपने मासिक बिजली बिल को शून्य या न्यूनतम करने का बेहतरीन अवसर है।

इसके लिए प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत रूफटॉप सोलर संयंत्र (छत पर सोलर पैनल) की स्थापना पर केंद्र और राज्य सरकार दोनों स्तरों पर भारी सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य घरेलू उपभोक्ताओं की ग्रिड बिजली पर निर्भरता को कम करना और उनके मासिक ऊर्जा व्यय में बड़ी बचत सुनिश्चित करना है।

गौ सेवा आयोग अध्यक्ष पर हमले का प्रयास

विश्व केसरी■

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विश्वेसर पटेल के साथ बदसलूकी और हमले की कोशिश का मामला सामने आया है। ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में कार और बाइक की टक्कर के बाद शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि बाइक सवार युवकों पर गाली-गलौज और पत्थर उठाकर हमला करने का प्रयास करने का आरोप लगा है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, विश्वेसर पटेल बुधवार को जिला मुख्यालय कवर्धा से अपने गृहग्राम रोहरा लौट रहे थे। इस दौरान वे अपनी कार में चालक के साथ सवार थे। बताया जा रहा है कि पीछे से आ रही एक बाइक उनकी कार से टकरा गई। टक्कर के बाद वाहन रोकने पर बाइक सवार दो युवकों और कार सवारों के बीच विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान दोनों युवकों ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और पत्थर उठाकर हमला करने की कोशिश की। घटना की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

पुलिस जांच में दोनों युवक नशे की हालत में पाए गए। उन्हें हिरासत में लेकर थाने लाया गया, जहां आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

अदालत के आदेश पर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। मामले पर पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि कवर्धा के बाहरी क्षेत्र में यह घटना हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कार के अचानक ब्रेक लगाने से पीछे चल रही बाइक उससे टकरा गई थी।

इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद और गाली-गलौज हुई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि विश्वेसर पटेल को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त है, हालांकि उन्हें सुरक्षा के लिए कोई गार्ड उपलब्ध नहीं कराया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

ट्राइबल विभाग में 4.95 करोड़ गबन मामले की जनहित याचिका खारिज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कोरबा जिले में आदिवासी विकास विभाग में हुए निर्माण कार्यों में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि मामले में पहले से एफआईआर दर्ज है और पुलिस जांच जारी है, ऐसे में न्यायालय के लिए जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना उचित नहीं होगा। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रवींद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी करते हुए याचिका का निपटारा कर दिया।

याचिकाकर्ता जितेंद्र साहू ने आरोप लगाया था कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में कोरबा जिले के आदिवासी छात्रावासों और आश्रमों के निर्माण कार्यों में लगभग 4.95 करोड़ रुपये के गबन और अनियमितताओं को अंजाम दिया गया। याचिका में विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की कथित मिलीभगत से चार निजी फर्मों को निर्माण कार्यों के आदेश दिए जाने का भी आरोप लगाया गया था।

भिलाई इस्पात संयंत्र में महिला संविदा कर्मियों के लिए 'नई चेतना' पर हुई कार्यशाला

विश्व केसरी■

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग द्वारा महिला संविदा कर्मियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, कल्याण और कार्यस्थल पर उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को टाउनशिप सर्विसेज विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में 'नई चेतना' जागरूकता एवं सशक्तिकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाप्रबंधक प्रभारी (टाउनशिप सर्विसेज विभाग एवं कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) ए. बी. श्रीनिवास ने किया।

अपने संबोधन में श्रीनिवास ने महिला संविदा कर्मियों द्वारा भिलाई टाउनशिप की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण में निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि कार्य के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना आवश्यक है तथा सभी कर्मियों को निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करना चाहिए।

कार्यशाला में महिला स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, कानूनी अधिकार, उचित मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पॉश अधिनियम) से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) शुभश्री प्रशांत ने महिला स्वास्थ्य, संतुलित पोषण और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं, उप प्रबंधक (जनसंपर्क) शालिनी चौरसिया ने पॉश अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों और कार्यस्थल पर महिलाओं के अधिकारों की जानकारी दी। राजेश मौर्य ने संविदा कर्मियों के कानूनी अधिकारों, उचित पारिश्रमिक और श्रम संबंधी प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी साझा की। कार्यक्रम के समापन सत्र में महाप्रबंधक (टाउनशिप सर्विसेज विभाग-लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी) के. सुपर्णा ने योग एवं ध्यान सत्र का संचालन किया, जिसमें महिला कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मायके गई पत्नी, पति ने दो बच्चो के साथ जहर खाकर दी जान

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा। जिले से एक ही परिवार के तीन लोगों के आत्महत्या करने की हृदयविदारक घटना सामने आई है. दो बच्चों के साथ पिता ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मृतक रमेश कुमार पटेल और उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। करीब एक सप्ताह पहले वह मायके चली गई थी। पूरा मामला नैला चौकी क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, मृतक रमेश के पिता बुधवार सुबह 8 बजे कटनाई गांव में धान कुटवाने के लिए आया था। उसके बेटे और दोनों नाती की घर में मृत पड़े होने की सूचना मिली। । तत्काल वह अपने बेटे के घर पहुंचे, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस की टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर तीनों के शव को बरामद किया गया। मृतकों की पहचान रमेश कुमार पटेल (35 वर्ष), आदर्श पटेल (3 वर्ष) और अभिनव पटेल (लगभग 2 वर्ष) के रूप में की गई। दोनों बच्चों के बाद खुद भी जहर सेवन कर लिया। घटना के संबंध में परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

पत्नी ने वापस लौटने से किया था मना

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मृतक रमेश कुमार पटेल का लगभग एक सप्ताह पूर्व अपनी पत्नी से विवाद हुआ था, जिसके बाद उसकी पत्नी अपने मायके चली गई थी। मंगलवार को रमेश कुमार पटेल अपनी पत्नी को वापस लाने उसके मायके गया था।

200 रुपये के लिए चाकू लहराकर दी धमकी, प्राथमिकी दर्ज जांच शुरू

विश्व केसरी■

बिलासपुर। तिफरा स्थित न्यू जनता अस्पताल में महज 200 रुपये के बिल भुगतान को लेकर शुरू हुआ विवाद देर रात हंगामे में बदल गया। आरोप है कि इलाज कराने पहुंचे दो युवकों ने अस्पताल कर्मचारियों से विवाद किया, सुरक्षा गार्ड को चाकू दिखाकर धमकाया और अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ की। घटना के बाद सिरगिट्टी पुलिस ने दो नामजद आरोपियों समेत अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बोरी फैक्ट्री के पास तिफरा निवासी नारायण मिश्रा न्यू जनता अस्पताल में सुरक्षा गार्ड के पद पर कार्यरत हैं। 15 जून की रात करीब 12:20 बजे दो युवक इलाज कराने अस्पताल पहुंचे थे। उपचार के बाद बिल भुगतान को लेकर उनका अस्पताल कर्मचारियों वाशु और प्रियंका से विवाद हो गया।

विवाद बढ़ता देख सुरक्षा गार्ड नारायण मिश्रा ने दोनों युवकों को समझाने और शांत रहने की सलाह दी। आरोप है कि इस पर दोनों युवक भड़क गए और गाली-गलौज करने लगे। शिकायत के अनुसार, उन्होंने अपने पास रखा धारदार चाकू निकालकर लहराया और गार्ड को जान से मारने की धमकी दी।

बताया जा रहा है कि हंगामे के दौरान अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद आरोपी वहां से चले गए। अस्पताल प्रबंधन और सुरक्षा गार्ड की शिकायत पर सिरगिट्टी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। आरोपियों की भूमिका और घटना के दौरान हुई कथित तोड़फोड़ की भी जांच की जा रही है।

कलेक्टर ऑफिस में कर्मचारी पी रहे है शराब,व्यस्था पर उठे सवाल

विश्व केसरी■

खैरागढ़। जिला सचिवालय कार्यालय के दो कर्मचारियों के ड्यूटी समय में शराब पीने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो सामने आने के बाद हलचल मचा दी गई है।

जानकारी के अनुसार, वायरल वीडियो में जिला सचिवालय कार्यालय में सहायक ग्रेड-3 सुजीत पुरी गोस्वामी और मुख्य सचिव वीरेंद्र सिंह यादव पर कथित तौर पर आरोप लगाया गया है कि कार्यालय परिसर में शराबखोरी करते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह घटना कार्यालय समय के दौरान की है, जिससे विभाग पर सवाल उठते हैं।

बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले भी खैरागढ़ के बीओ ऑफिस के कर्मचारियों के शराब सेवन का वीडियो वायरल हुआ था। अब एक बार फिर सरकारी कार्यालय में कर्मचारियों के शराब पीने का मामला सामने आने से प्रशासन की कार्यशैली पर चर्चा हो रही है।

वायरल वीडियो के बाद मामले को लेकर लोगों में रायशुमारी जारी है।

वहीं अब सभी के सहयोगियों जिला प्रशासन की कार्रवाई पर नजर रखी जा रही है। हालाँकि, इस मामले में प्रशासन की ओर से समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।

जिला चिकित्सालय में शुरू हुई अटल आरोग्य लैब, अब 134 प्रकार की जांचें निःशुल्क उपलब्ध

गौरेला पेंड्रा मरवाही। आम नागरिकों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में जिला चिकित्सालय में अटल आरोग्य लैब का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विधायक प्रणव कुमार मरपची एवं नगर पालिका गौरेला के अध्यक्ष मुकेश दुबे ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर लैब का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि राज्य शासन की जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं के तहत स्थापित अटल आरोग्य लैब से आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। अब मरीजों को विभिन्न पैथोलॉजिकल जांचों के लिए निजी जांच केंद्रों पर अतिरिक्त खर्च नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एक ही स्थान पर आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधाएं उपलब्ध होने से रोगों की समय पर पहचान और बेहतर उपचार सुनिश्चित हो सकेगा।

23 मकानों पर चला बुलडोजर, शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त

विश्व केसरी■

बलरामपुर। जिले के रामचंद्रपुर क्षेत्र में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जों के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 23 मकानों को हटाया और करीब 7 एकड़ 75 डिसमिल भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की।

प्रशासन के अनुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से पहले संबंधित भूमि का अभिलेखीय परीक्षण, सीमांकन और विस्तृत सर्वेक्षण कराया गया था। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) आनंद राम नेताम के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस विभाग की टीम ने कब्जाधारियों को नियमानुसार नोटिस जारी कर भूमि खाली करने के निर्देश दिए थे। साथ ही लोगों को स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने का अवसर भी प्रदान किया गया। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में पूरी कार्रवाई को कानून सम्मत और पारदर्शी तरीके से अंजाम दिया गया। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए थे और अधिकारियों को नागरिकों की सुविधाओं तथा संवेदनशीलता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित तिथि पर संयुक्त टीम ने कार्रवाई शुरू करते हुए 23 मकानों से अतिक्रमण हटाया। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इस दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति सामने नहीं आई। प्रशासन ने बताया कि अतिक्रमण हटने के बाद मुक्त कराई गई भूमि को पुनः शासकीय अभिलेखों के अनुरूप सुरक्षित कर लिया गया है। भविष्य में इस भूमि का उपयोग जनहित और विकास कार्यों के लिए किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के लोगों को लाभ मिलेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

55 करोड़ की परिक्रमा पथ परियोजना पर विवाद

विश्व केसरी■

डोंगरगढ़। 55 करोड़ रुपये की बहुचर्चित परिक्रमा पथ फोरलेन परियोजना अब केवल विकास का विषय नहीं रह गई है, बल्कि पारदर्शिता, भूमि चयन और सार्वजनिक धन के उपयोग को लेकर बड़े सवालों के घेरे में आ गई है । दिलचस्प बात यह है कि जैसे ही इस परियोजना को लेकर सवाल उठने शुरू हुए, जिला प्रशासन की ओर से परियोजना के फायदे गिनाते हुए लगातार प्रेस विज्ञप्तियां जारी की जाने लगीं, लेकिन दूसरी ओर प्रभावित किसान अब भी यह जानने के लिए संघर्ष कर रहे हैं कि आखिर उनकी जमीन ही क्यों चुनी गई । किसान फहीम अख्तर सहित कई प्रभावित भू-स्वामियों ने आरोप लगाया है कि उन्होंने समय-सीमा के भीतर आपत्तियां दर्ज कराईं, लेकिन उनकी आपत्तियों पर स्पष्ट और कारणयुक्त निर्णय सार्वजनिक नहीं किया गया । अब मामला कलेक्टर कार्यालय से आगे बढ़कर दुर्ग संभाग आयुक्त तक पहुंच गया है, जहां स्वतंत्र और उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई है ।

विवाद का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि प्रशासन स्वयं स्वीकार कर चुका है कि प्रस्तावित 8 किलोमीटर मार्ग में लगभग 4.475 किलोमीटर हिस्सा शासकीय भूमि पर निर्मित होगा, जबकि शेष हिस्से के लिए निजी भूमि ली जाएगी । किसानों का सवाल है कि यदि सरकारी भूमि पहले से उपलब्ध है तो वैकल्पिक मार्गों का तकनीकी परीक्षण सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? और यदि किया गया है तो उसकी रिपोर्ट सामने क्यों नहीं रखी जा रही ?

किसानों की शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि उन्हें स्वीकृत नक्शा, अंतिम अलाइनमेंट, तकनीकी प्रतिवेदन और भूमि चयन का आधार उपलब्ध नहीं कराया गया । यही वजह है कि अब परियोजना की आवश्यकता से अधिक उसकी प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं ।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल के शेयरों में आई जोरदार तेजी

विश्व केसरी ■

मुंबई। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट और भू-राजनीतिक तनाव कम होने के संकेतों के बीच बुधवार को सरकारी तेल विपणन कंपनियों के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली। दिन के कारोबार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का शेयर 2 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 410.50 रुपए के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए।

इसी तरह भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के शेयर 2.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 319.50 रुपए के इंट्रा-डे हाई तक पहुंच गया।

वहीं, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के शेयर में भी 1.61 प्रतिशत की तेजी आई और यह 147.47 रुपए के दिन के उच्च स्तर पर पहुंच गए।तेल विपणन कंपनियों के शेयरों में यह तेजी ऐसे समय आई है जब कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। बाजार को उम्मीद है कि अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित समझौते के बाद ईरान का तेल निर्यात बढ़ सकता है, जिससे वैश्विक बाजार में आपूर्ति संबंधी चिंताएं कम होंगी।

अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई और यह पिछले तीन महीनों के निचले स्तर के आसपास कारोबार कर रही थी। पिछले कुछ कारोबारी सत्रों में इसमें तेज गिरावट देखने को मिली है।

वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल भी लगभग 1 प्रतिशत गिरकर 75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था।

रिपोर्टों के अनुसार, अंतरिम समझौते के तहत ईरान को फिर से कच्चे तेल की बिक्री की अनुमति मिल सकती है। साथ ही यह समझौता दोनों पक्षों के बीच व्यापक बातचीत का रास्ता भी तैयार करेगा, जिसका उद्देश्य संघर्ष समाप्त करना और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी चिंताओं का समाधान निकालना है।

इसके अलावा, इस प्रस्तावित व्यवस्था से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह खोलने में मदद मिलने की उम्मीद है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग माना जाता है। इसके खुलने से क्षेत्र में व्यापारिक जहाजोंह्य की आवाजाही भी आसान हो जाएगी।

लगातार चौथे सत्र में बढ़त के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 347 अंक उछला

विश्व केसरी ■

मुंबई। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार चौथे सत्र में बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल और पीएसयू बैंक के शेयरों के समर्थन से निफ्टी50 और सेंसेक्स में 0.40 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 347.14 अंकों यानी 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,155.62 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 96.55 अंक या 0.40 प्रतिशत बढ़कर 24,085.70 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,808.48 से 271.61 अंक बढ़कर 77,080.09 पर खुला और दिन के कारोबार में 77,218.99 का उच्चतम स्तर छुआ। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,989.15 से 55.35 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,044.50 पर खुला और दिन के कारोबार में 24,108.20 के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया।व्यापक बाजार ने प्रमुख सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.52 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.79 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।वहीं, सेक्टरवार देखें तो निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी मेटल ने बेहतर प्रदर्शन किया, जिनमें 1-2 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी आईटी, निफ्टी ऑयल एंड गैस शेयरों में भी तेजी देखने को मिली।इसके विपरीत, निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी एफएमसीजी में क्रमश: 0.62 प्रतिशत, 0.43 प्रतिशत और 0.17 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी 50 में, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (बीईएल), हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एसबीआई लाइफ, एटर्नल, एचडीएफसी लाइफ और टाटा स्टील सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों की लिस्ट में शामिल रहे।

स्पेसएक्स के डील के बाद भारतीय मूल के अमन सांगर की संपत्ति 5.5 अरब डॉलर पहुंची

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। स्पेसएक्स ने एआई-आधारित कोडिंग प्लेटफॉर्म कर्सर की मूल कंपनी एनीस्फीयर इंक के अधिग्रहण के लिए 60 अरब डॉलर के शेयर खरीदने का समझौता किया है। इस सौदे के बाद कंपनी के सह-संस्थापक भारतीय मूल के 25 वर्षीय अमन सांगर की अनुमानित संपत्ति 5.5 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। सांगर ने वर्ष 2022 में मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी) को अपने तीन सहपाठियों के साथ छोड़कर उस कंपनी की शुरुआत की थी, जो आगे चलकर कर्सर के रूप में विकसित हुई। वह वर्तमान में एनीस्फीयर में मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) के पद पर कार्यरत हैं। लिंक्डइन पर सांगर ने अपने मिशन को 'सॉफ्टवेयर निर्माण की सभी बाधाओं को खत्म करना' बताया है।

कई रिपोर्टों के अनुसार, इस स्टार्टअप ने शुरुआत में मैकेनिकल इंजीनियरिंग उद्योग के लिए एआई-आधारित सहायक विकसित करने पर काम किया था। बाद में कंपनी ने अपना फोकस बदलकर ऐसी एआई-आधारित कोडिंग प्रणाली विकसित की, जो पूरे कोडबेस का विश्लेषण कर जटिल समाधान तैयार कर सकती है।

न्यूयॉर्क में जन्मे अमन सांगर ने 14 वर्ष की उम्र में कोडिंग शुरू कर दी थी। एमआईटी में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई के दौरान उनकी मुलाकात सह-संस्थापकों माइकल ट्रुएल, सुलेह आसिफ और आर्विड लुनेमार्क से हुई थी। एनीस्फीयर में माइकल ट्रुएल मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं, जबकि सुलेह आसिफ उत्पाद प्रमुख की भूमिका निभा रहे हैं। अमन सांगर ने कंपनी की उत्पाद रणनीति, विस्तार और समुदाय निर्माण का नेतृत्व किया है।

नवंबर 2025 में कर्सर की वार्षिक आय 1 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गई थी। जून 2026 की शुरुआत तक कंपनी की वार्षिक आय लगभग 4 अरब डॉलर तक पहुंच चुकी थी।

एनवीडिया, एडोबी, उबर, शॉपिफाई और पेपाल जैसी करीब 50,000 कंपनियों के लाखों सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कोड तैयार करने और उसमें बदलाव करने के लिए कर्सर का उपयोग करते हैं।

स्पेसएक्स के अधिग्रहण की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए अमन सांगर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कुछ बेहद शक्तिशाली मॉडल को प्रशिक्षित करने को लेकर उत्साहित हूं।'

स्पेसएक्स को उम्मीद है कि यह विलय वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा हो जाएगा।

भू-राजनीतिक तनाव कम होने से सोने-चांदी की कीमतों में आई गिरावट, घटी सुरक्षित निवेश की मांग

विश्व केसरी ■

मुंबई । भू-राजनीतिक तनाव में कमी आने से सुरक्षित निवेश (सेफ हेवन) की मांग कमजोर हुई, जिसके चलते बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। निवेशक और कारोबारी इस सप्ताह के अंत में अमेरिका और ईरान के बीच होने वाले समझौते की अंतिम पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अगस्त डिलीवरी वाले सोने के वायदा भाव में 0.51 प्रतिशत यानी 790 रुपए की गिरावट आई और दिन के कारोबार में यह 1,52,301 रुपए के दिन के निचले स्तर तक पहुंच गया।

हालांकि खबर लिखे जाने तक पीली धातु 590 रुपए या 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,52,501 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही थी। इससे पहले यह 1,53,179 रुपए के दिन के उच्चतम स्तर तक पहुंची थी, जो पिछले बंद भाव 1,53,091 रुपए की तुलना में 88 रुपए या 0.05 प्रतिशत अधिक था।

वहीं, जुलाई डिलीवरी वाली चांदी का 195 रुपए या 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,49,910 रुपए पर कारोबार करती नजर आई। सफेद धातु ने दिन के कारोबार के दौरान 1,328 रुपए या 0.53 प्रतिशत की गिरावट दर्ज करते हुए 2,48,777 रुपए का निम्नतम स्तर छुआ। वहीं इसका दिन का उच्च स्तर 2,51,498 रुपए रहा, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 1,393 रुपए या 0.55 प्रतिशत अधिक था।दिन की शुरुआत में कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 1,52,800 रुपए और चांदी 2,50,557 रुपए पर खुली थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स चांदी 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 70.40 डॉलर पर कारोबार कर रही थी, जबकि कॉमेक्स सोना 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,348.70 डॉलर प्रति औंस पर था।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, एमसीएक्स सोना फिलहाल 1,52,000 से 1,52,500 रुपए के महत्वपूर्ण सपोर्ट स्तर के आसपास कारोबार कर रहा है और बाजार में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। यदि कीमतें लगातार 1,53,500 से 1,54,000 रुपए के दायरे से ऊपर बनी रहती हैं तो बाजार में स्थिरता आ सकती है और सोना 1,55,000 से 1,55,500 रुपए तक पहुंच सकता है। हालांकि, यदि कीमत 1,52,000 रुपए से नीचे जाती है तो नई बिकवाली शुरू हो सकती है, जिससे सोना पहले 1,51,000 रुपए और फिर 1,50,000 रुपए तक फिसल सकता है।

खाद्यान्न भंडारण के लिए सरकार लॉन्च करेगी स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम, मजबूत होगी देश की खाद्य सुरक्षा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सरकार खाद्यान्न भंडारण के लिए स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम लॉन्च करने जा रही है। यह कदम आधुनिक, तकनीक-सक्षम और अधिक कुशल सार्वजनिक भंडारण व्यवस्था के जरिए देश की खाद्य सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया है।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) 18 जून को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम का शुभारंभ करेगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी मौजूद रहेंगे। स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम को एक एकीकृत तकनीक-आधारित समाधान के रूप में विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य गोदाम प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत बनाना और खाद्यान्न भंडारण से जुड़े कार्यों की दक्षता बढ़ाना है। इस पहल से एक आधुनिक भंडारण तंत्र विकसित होने की उम्मीद है, जो खाद्यान्न प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाएगा और लंबे समय तक देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगा।मंत्रालय के अनुसार, यह पहल डिजिटल इंडिया, इंडिया एआई मिशन, पीएम गतिशक्ति और आत्मनिर्भर भारत जैसे सरकारी अभियानों की सोच के अनुरूप है।

कार्यक्रम के दौरान विभाग केंद्रीय भंडारण निगम (सीडब्ल्यूसी) और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के उन गोदामों को सम्मानित करेगा, जिन्होंने डिपो दर्पण मूल्यांकन ढांचे के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), स्वचालन और डेटा विश्लेषण जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग किया जाएगा, जिनके जरिए गोदाम संचालन को बेहतर बनाया जाएगा और निगरानी व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

आधिकारिक बयान के अनुसार, इस प्रणाली के जरिए प्रवेश द्वार और वजन पुल (वेटब्रिज) संचालन का स्वचालन, डिजिटल प्रवेश प्रबंधन, गोदामों की स्थिति की स्मार्ट निगरानी, स्टॉक की बेहतर दृश्यता और एकीकृत डैशबोर्ड के माध्यम से रियल टाइम में संचालन की निगरानी संभव हो सकेगी।यह पहल खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के व्यापक सुधार कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला में डिजिटल परिवर्तन और आधुनिकीकरण को बढ़ावा देना है।

पिछले कुछ वर्षों में खरीद, भंडारण और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने, कार्यकुशलता सुधारने और सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान उन गोदामों को भी सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने डिपो दर्पण के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। डिपो दर्पण एक संरचित मूल्यांकन और प्रदर्शन निगरानी प्रणाली है, जिसे बुनियादी ढांचे, संचालन, सुरक्षा, स्वच्छता और सेवा गुणवत्ता में लगातार सुधार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।

होर्मुज में बढ़ी जहाजों की आवाजाही, ईरान के तीन तेल टैंकरों ने अमेरिकी नाकेबंदी को किया पार

विश्व केसरी ■

तेहरान। होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बढ़ने लगी है। मैरीटाइम एनालिसिस फर्म विंडवर्ड ने बताया कि मंगलवार को 14 जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरे, जो इस महीने का सबसे बड़ा दैनिक आंकड़ा है। जो इस महीने का अब तक का सबसे बड़ा दैनिक आंकड़ा है। इस बढ़ोतरी को शिपिंग कंपनियों के बीच धीरे-धीरे लौटते भरोसे के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत सूचीबद्ध एक जहाज 'सोफिया 1' ने भी होर्मुज स्ट्रेट को पार किया। इसे पहले अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा ईरान के तेल परिवहन नेटवर्क से जुड़े जहाजों में शामिल किया गया था और इस पर द्वितीयक प्रतिबंध भी लगाए गए थे।

समुद्री गतिविधियों पर नजर रखने वाली संस्था टैंकरट्रैकर्स के मुताबिक, पीस डील ऐलान के बाद से ईरान का तीसरा तेल टैंकर अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी को पार कर गया।टैंकरट्रैकर्स ने बताया कि नेशनल ईरानियन टैंकर कंपनी (एनआईटीसी) का टैंकर सोनिया-1 करीब 10 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर रवाना हुआ था।

इससे पहले इसी सप्ताह एनआईटीसी के दो टैंकर डायोना और हीरो-2 भी अमेरिकी नाकाबंदी पार कर निकले थे। इन दोनों जहाजों में कुल 38 लाख बैरल ईरानी कच्चा तेल लदा था।

हालांकि, मौजूदा ट्रैफिक अभी भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी कम है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, संघर्ष शुरू होने से पहले इस होर्मुज से औसतन करीब 130 जहाज प्रतिदिन गुजरते थे।

विंडवर्ड ने कहा कि कई शिपिंग कंपनियां अभी भी पूरा भरोसा जुटा नहीं पाई हैं, वो इंतजार कर रही हैं। जहाज मालिकों का कहना है कि वे तब तक होर्मुज से जहाज नहीं भेजेंगे, जब तक जहाजों पर हमले का खतरा पूरी तरह से खत्म नहीं हो जाता।

रविवार को ही अपने 80वें जन्मदिन पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पीस डील का ऐलान करते हुए 'समुद्री जहाजों को अपने इंजन शुरू करने और तेल की आपूर्ति निर्बाध रूप से बहने देने' का संदेश दिया था। एमओयू पर ईरान ने भी बयान दिया, फिर दोनों के बीच ई-साइन भी हुए। दोनों पक्ष मध्यस्थों के बीच जिनेवा में 19 जून को दस्तखत करेंगे।

भू-राजनीतिक तनाव कम होने से बीएसई लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप फिर 5 ट्रिलियन डॉलर के पार

विश्व केसरी ■

मुंबई। बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बुधवार को 5 ट्रिलियन डॉलर के स्तर को पार कर गया, जो लगभग छह सप्ताह बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा है। घरेलू शेयर बाजार में तेजी, भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने इस बढ़त को समर्थन दिया।

पिछले कुछ कारोबारी सत्रों में बाजार में मजबूत रिकवरी देखने को मिली है। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते से जुड़ी सकारात्मक प्रगति और वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट के बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ा है, जिससे बाजार को मजबूती मिली है।

विश्लेषकों के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में कमी और बाजार की अस्थिरता दर्शाने वाले संकेतकों में गिरावट से निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता बढ़ी है, जिसका फायदा शेयर बाजार को मिला। इसके अलावा, पिछले चार कारोबारी सत्रों में बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार मूल्य में 6 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।व्यापक बाजार सूचकांकों ने भी प्रमुख सूचकांकों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है।

अप्रैल से अब तक सेंसेक्स में जहां सीमित बढ़त देखने को मिली है, वहीं मिडकैप, स्मॉलकैप और माइक्रोकैप शेयरों ने अधिक मजबूत रिटर्न दिया है। इससे यह संकेत मिलता है कि मौजूदा बाजार तेजी में निवेशकों की भागीदारी व्यापक स्तर पर बढ़ी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने से भारत की अर्थव्यवस्था को राहत मिल सकती है। इससे महंगाई, चालू खाते के घाटे और कंपनियों की आय पर पड़ने वाला दबाव कम होगा।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के बावजूद घरेलू शेयर बाजार मजबूत बना हुआ है।

पहली बार उभरी 'गतिशील छवि', फोटोग्राफिक रिवॉल्वर ने किया कमाल

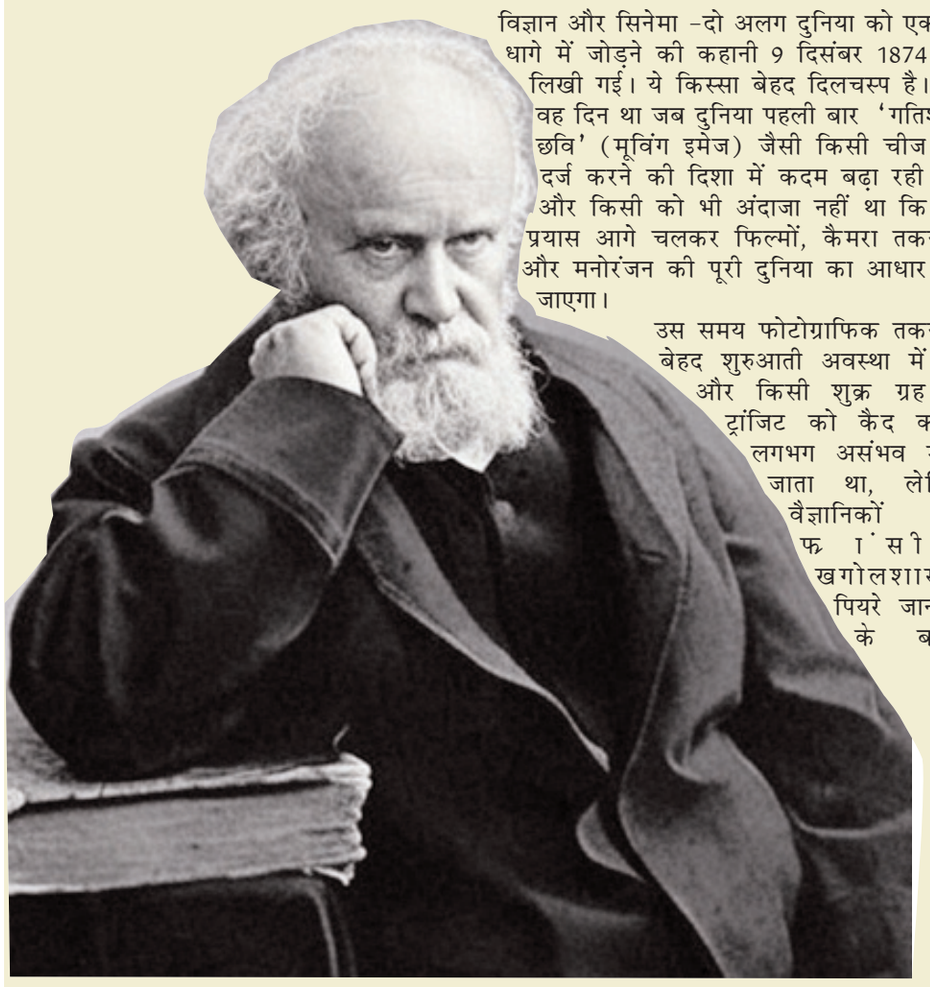

विज्ञान और सिनेमा -दो अलग दुनिया को एक ही धागे में जोड़ने की कहानी 9 दिसंबर 1874 को लिखी गई। ये किस्सा बेहद दिलचस्प है। यह वह दिन था जब दुनिया पहली बार 'गतिशील छवि' (मूविंग इमेज) जैसी किसी चीज को दर्ज करने की दिशा में कदम बढ़ा रही थी, और किसी को भी अंदाजा नहीं था कि यह प्रयास आगे चलकर फिल्मों, कैमरा तकनीक और मनोरंजन की पूरी दुनिया का आधार बन जाएगा।

उस समय फोटोग्राफिक तकनीक बेहद शुरुआती अवस्था में थी और किसी शुक्र ग्रह के ट्रांजिट को कैद करना लगभग असंभव माना जाता था, लेकिन वैज्ञानिकों ने फ्रांसीसी खगोलशास्त्री पियरे जानसेन के बनाए 'फोटोग्राफिक रिवॉल्वर' का इस्तेमाल कर ऐसा कर दिखाया। यह रिवॉल्वर दिखने में हथियार जैसा था, लेकिन इसमें गोलियों की जगह फोटोग्राफिक प्लेटें लगती थीं, जिन्हें एक के बाद एक तेजी से एक्सपोज किया जा सकता था। 9 दिसंबर को जैसे ही शुक्र ग्रह सूरज की सतह से गुजरा, इस उपकरण ने लगातार कई फ्रेम कैद किए—जो आज की भाषा में 'फ्रेम-बाय-फ्रेम रिकॉर्डिंग' जैसा था। दिलचस्प यह है कि उस समय लोग यह सोच भी नहीं सकते थे कि इन लगातार ली गई छवियों ने अनजाने में 'मोशन पिक्चर' की दिशा में पहला क्रांतिकारी कदम रखा है।

आज फिल्म इतिहास के विशेषज्ञ मानते हैं कि यह घटना सिर्फ वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं थी, बल्कि सिनेमा की जड़ें भी यहीं कहीं छिपी थीं। अगर यह रिवॉल्वर कभी न बनाया गया होता, तो शायद आगे चलकर कैमरा की शटर प्रणाली, फ्रेम रेट का विचार और लगातार छवियों की कहानी कहने की तकनीक अलग दिशा में जाती। यह वही शुरुआती प्रयोग था जिसने दुनिया को समझाया कि जब कई तस्वीरें तेजी से एक क्रम में ली जाएं, तो वे किसी घटना की गति को सचमुच 'जीवित' बना सकती हैं—यही सिनेमा का मूल सिद्धांत है।

इस घटना का रोमांच यह भी है कि किसी वैज्ञानिक मिशन ने अनजाने में मानव इतिहास की सबसे प्रभावशाली कला—फिल्म—का बीज बो दिया। एक ओर वैज्ञानिक यह समझने में लगे थे कि ग्रहों की चाल कितनी सटीक है, और दूसरी ओर इसी रिकॉर्डिंग तकनीक से आने वाले समय में कहानियां, भावनाएं, सपने और कल्पनाएं बड़े पर्दे पर जीवंत होनी थीं।

घर पर मलाई चाप बनाते समय भूलकर भी न करें ये 6 गलतियां, वरना नहीं मिलेगा रेस्टोरेंट जैसा

मलाई चाप का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है, लेकिन घर पर बनाते समय कई छोटी गलतियां इसका स्वाद बिगाड़ सकती हैं. अगर चाप सही तरीके से उबाली न जाए, अच्छी तरह सुखाई न जाए या मैरिनेशन को समय न दिया जाए, तो इसका टेक्सचर और फ्लेवर दोनों खराब हो सकते हैं. कुछ आसान टिप्स अपनाकर आप घर पर भी रेस्टोरेंट जैसी क्रीमी, जूसी और स्मोकी मलाई चाप बना सकते हैं. यहां जानिए मलाई चाप बनाते समय होने वाली 6 सबसे आम गलतियां और उन्हें ठीक करने का आसान तरीका.

मलाई चाप आज के समय में उत्तर भारत के सबसे पसंदीदा स्नैक्स और स्टार्टर में गिनी जाती है. शादी-पार्टी हो, दोस्तों के साथ आउटिंग हो या फिर वीकेंड पर कुछ खास खाने का मन, मलाई चाप का नाम सबसे पहले याद आता है. इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका क्रीमी टेक्सचर, हल्का मसालेदार स्वाद और स्मोकी फ्लेवर होता है. यही वजह है कि लोग इसे रेस्टोरेंट और स्ट्रीट फूड की दुकानों पर बड़े चाव से खाते हैं. हालांकि कई लोग इसे घर पर बनाने की कोशिश भी करते हैं, लेकिन अक्सर वैसा स्वाद और टेक्सचर नहीं मिल पाता जैसा बाहर मिलता है.

कई बार चाप सख्त रह जाती है, कभी मैरिनेशन का स्वाद अंदर तक नहीं पहुंचता और कभी पकाते समय पूरी तरह सूख जाती है. असल में मलाई चाप को परफेक्ट बनाने के लिए सिर्फ अच्छे मसाले ही काफी नहीं होते, बल्कि कुछ जरूरी स्टेप्स का सही तरीके से पालन करना भी बेहद जरूरी होता है. अगर आप भी घर पर मुलायम, क्रीमी और रेस्टोरेंट जैसी मलाई चाप बनाना चाहते हैं, तो इन 6 गलतियों से बचना बेहद जरूरी है.

अजब-गजब

बिजली की लाइन बिछाते वत मिला 5000 साल पुराना कंकाल, टूटी खोपड़ी और सिर पर चोट के निशान से खुला बड़ा राज

जर्मनी के एक छोटे से गांव गेर्स्टविट्ज़ में खुदाई के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. यहां काम कर रहे आर्कियोलॉजिस्ट्स को करीब 5000 साल पुराना एक मानव कंकाल मिला है. यह स्केलेटन एक प्राचीन भट्टी के गड्ढे में दबा हुआ था. इस युवक की खोपड़ी पर गहरी चोट के निशान मिले हैं. आमतौर पर प्राचीन भट्टियों में इंसानी हड्डियां नहीं मिलती हैं. इसी वजह से वैज्ञानिक इस खोज को लेकर बेहद हैरान हैं. एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि यह किसी प्राचीन नरबलि का हिस्सा हो सकता है. यह खोज जर्मनी के स्टेट ऑफिस फॉर हेरिटेज मैनेजमेंट एंड आर्कियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने की है. बिजली की लाइन बिछाने के दौरान इस रहस्यमयी कब्र का पता चला. इस कंकाल के मिलने से प्राचीन कॉर्डेड वेयर कल्चर के कई डरावने राज सामने आ रहे हैं.

रिसर्च के मुताबिक यह स्केलेटन करीब 25 साल के युवक का है. इतिहास में यह समय कॉर्डेड वेयर कल्चर का माना जाता है. इस कल्चर के लोग अपने मृतकों को दफनाने के लिए एक सख्त नियम का पालन करते थे. पुरुषों के शवों को हमेशा दाईं करवट और महिलाओं को बाईं करवट लिटाया जाता था. इसके साथ ही उनका चेहरा हमेशा साउथ यानी दक्षिण की तरफ रखा जाता था. इस केस में युवक का चेहरा तो दक्षिण की तरफ था. लेकिन उसे किसी सामान्य कब्र के बजाय भट्टी के गड्ढे में फेंक दिया गया था. कॉर्डेड वेयर कल्चर में इस तरह का अंतिम संस्कार बिल्कुल भी सामान्य नहीं था.

जब लेखक के नाम पर चलती थीं फिल्में : पोस्टर्स पर लिखा होता था 'पंडित मुखराम शर्मा की फिल्म'

भारतीय सिनेमा में आज अभिनेता और निर्देशक सबसे ज्यादा चर्चा में रहते हैं, लेकिन लेखक भी इसका एक मजबूत स्तम्भ होता है। एक दौर ऐसा भी था जब फिल्मों की सफलता का सबसे बड़ा आधार उनके लेखक हुए करते थे। उस दौर में एक नाम ऐसा था, जिसकी मौजूदगी ही फिल्म के सफल होने की गारंटी मानी जाती थी। यह नाम था पंडित मुखराम शर्मा का। पंडित मुखराम शर्मा ने हिंदी सिनेमा में कहानी, पटकथा और संवाद लेखन को नई पहचान दिलाई। उन्होंने सिर्फ फिल्मों की स्क्रिप्ट नहीं लिखी, बल्कि लेखकों को वह सम्मान दिलाया जो पहले शायद ही किसी को मिला था। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि फिल्म के पोस्टरों पर बड़े अक्षरों में 'पंडित मुखराम शर्मा की फिल्म' लिखा जाता था। पंडित मुखराम शर्मा का जन्म 30 मई 1909 को उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के परीक्षितगढ़ क्षेत्र के गांव पूठी में हुआ था। वे हिंदी और संस्कृत के अच्छे जानकार थे। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने मेरठ में शिक्षक के रूप में काम शुरू किया। हालांकि, उनका मन फिल्मों और लेखन की दुनिया में ज्यादा लगता था। उन्हें कहानी और कविताएं लिखने का शौक था, और धीरे-धीरे उन्होंने फिल्मों के लिए लिखने का सपना देखना शुरू कर दिया। साल 1939 में वह अपने परिवार के साथ मुंबई पहुंचे, लेकिन शुरुआती दिनों में उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। काम न मिलने की वजह से वह पुणे चले गए, जहां मशहूर फिल्मकार वी. शांताराम की प्रभात फिल्म कंपनी में उन्होंने कलाकारों को हिंदी उच्चारण सिखाने का काम किया। इस काम के बदले उन्हें मामूली वेतन मिलता था, लेकिन यहीं से उनकी फिल्मी यात्रा ने दिशा पकड़ी। मुखराम शर्मा को फिल्मों में पहला बड़ा मौका साल 1942 में मिला, जब उन्होंने फिल्म 'दस बजे' के लिए गीत और संवाद लिखे। फिल्म सफल रही, और इसके बाद उन्हें लगातार काम मिलने लगा। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी अलग पहचान बना ली। 'विष्णु भगवान', 'नल-दमयंती', 'औलाद', 'एक ही रास्ता', 'साधना', 'धूल का फूल', 'वचन', 'संतान' और 'अभिमान' जैसी फिल्मों ने उन्हें हिंदी सिनेमा के शानदार लेखकों में शामिल कर दिया।

अजब-गजब

बंजी जंपिंग करने गई थी महिला, एडवेंचर में हुई मौत, रस्सी से बांधना ही भूल गया शस!

आज कल के युवाओं में एडवेंचर का क्रेज है. खतरनाक स्टंट करना उन्हें काफी पसंद आता है. कई तरह के एडवेंचर्स स्पोर्ट्स भी इसी वजह से मशहूर हो रहे हैं. लेकिन इसी के साथ इनसे जुड़ी दुर्घटनाओं के मामले भी सामने आ रहे हैं. हाल ही में ऐसी ही एक दुर्घटना ब्राजील से सामने आई.

एडवेंचर स्पोर्ट्स को लेकर जुनून रखने वाली 21 वर्षीय मारिया एडुआर्दा रोड्रिग्स डी फ्रेटास की जिंदगी एक भयानक लापरवाही का शिकार बन गई. शनिवार को वह दोस्तों के साथ पोंते दो एसकेलेटो नामक पुराने पुल पर बंजी जंपिंग करने पहुंची थी. लेकिन ये उनकी मौत की छलांग बन गई. एडवेंचर करने गई महिला की इस ये आखिरी जंपिंग साबित हुई. बंजी जंपिंग कराने वाले स्टाफ ने लड़की को बिना सेफ्टी रोप या हार्नेस लगाए ही 40 मीटर (करीब 130 फीट) ऊंचे पुल से नीचे धकेल दिया. मारिया हवा में हाथ फैलाकर 'एयरप्लेन स्टाइल' में कूदने वाली थी, लेकिन उनके शरीर से कोई सुरक्षा रस्सी जुड़ी ही नहीं थी. वह सीधे नीचे चट्टान पर जा गिरी. हादसे के तुरंत बाद मौके पर पहुंची एक ऑफ-ड्यूटी नर्स ने बताया कि युवती होश में थी और कमजोर नब्ज चल रही थी, लेकिन गंभीर चोटों के कारण अस्पताल ले जाने से पहले ही उसकी मौत हो गई.

झील, जंगल और घाट... गर्मियों में राहत का पूरा पैकेज है उत्तर प्रदेश, इन जगहों पर सुकून संग मिलेगी ठंडक

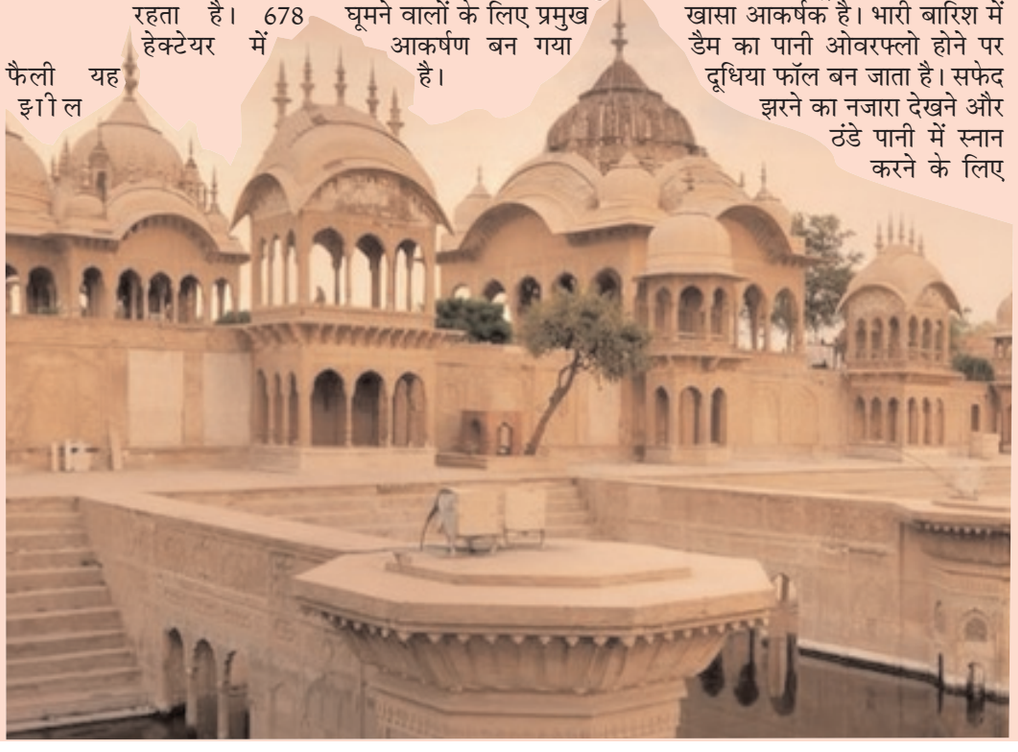

देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। तपन, चिलचिलाती धूप और लू की वजह से खानपान से लेकर घूमना-फिरना तक मुश्किल हो चुका है। ऐसे में जो शब्द सबसे खास है वो है ठंडक... फिर वो खाने की चीज हो या घूमने की जगह। ऐसे में गर्मी के मौसम में पर्यटकों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र बनकर उत्तर प्रदेश उभर रहा है, जहां प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था, वन्यजीव पर्यटन और शांत वातावरण का बेहतरीन संगम देखने को मिलता है।

राज्य के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद पर्यटन स्थल लोगों को गर्मी से राहत देने के साथ यादगार अनुभव भी प्रदान कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग भी लोगों को इन खास स्थलों की यात्रा के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। यूपी में जहां एक तरफ चिलचिलाती धूप है, वहीं दूसरी तरफ कई पर्यटन स्थल हैं, जो प्राकृतिक ठंडक, हरी-भरी वादियां, शीतल जलाशय और आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हैं। उत्तर प्रदेश में हर सफर कुछ नया लेकर आता है। खूबसूरत नजारों से लेकर ताजगी भरी जगहों तक, हर कोना एक नया अनुभव और यादें देता है।

कुसुम सरोवर, गोवर्धन, मथुरा:- मथुरा के गोवर्धन में स्थित कुसुम सरोवर राधा-कृष्ण की लीलाओं से जुड़ा पवित्र स्थल है। 450 फीट लंबा और 60 फीट गहरा यह तालाब चारों ओर फूलों और हरियाली से घिरा है। राजस्थानी शैली के घाट और शांत वातावरण गर्मियों में मानसिक शांति देता है।

सूर सरोवर पक्षी अभयारण्य (कीथम झील), आगरा:- यह अभयारण्य गर्मियों में पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग की तरह है। साल 1991 में अभयारण्य घोषित यह जगह 126 से अधिक जलपक्षी प्रजातियों का घर है। हॉग हिरण, चित्तीदार हिरण और मॉनिटर छिपकली आसानी से दिख जाते हैं। हरे-भरे जंगलों और शांत झील के किनारे गर्मी की थकान उतर जाती है। आगरा से मात्र 20 किमी दूर यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए बेहद खास है।

रामगढ़ ताल, गोरखपुर:- पूर्वांचल का मरीन ड्राइव कहे जाने वाले रामगढ़ ताल गर्मियों में और भी खूबसूरत दिखता और नया रूप ले लेता है। पहले उपेक्षित यह ताल अब पर्यटकों से खचाखच भरा रहता है। 678 हेक्टेयर में फैली यह झील शाम को बेहद मनमोहक लगती है। योगी सरकार ने इसे विकसित किया है। एनजीटी की निगरानी में संरक्षित यह ताल गोरखपुर घूमने वालों के लिए प्रमुख आकर्षण बन गया है।

खजूरी डैम (दूधिया फॉल), मिर्जापुर:- मिर्जापुर से मात्र 7 किलोमीटर दूर बरकछा कलां गांव में स्थित खजूरी डैम गर्मियों में खासा आकर्षक है। भारी बारिश में डैम का पानी ओवरफ्लो होने पर दूधिया फॉल बन जाता है। सफेद झरने का नजारा देखने और ठंडे पानी में स्नान करने के लिए वाराणसी, प्रयागराज समेत आसपास के शहरों से पर्यटक पहुंचते हैं। पिकनिक के लिए यह जगह बेस्ट है।

दुधवा नेशनल पार्क, लखीमपुर खीरी:- भारत-नेपाल सीमा के पास स्थित दुधवा नेशनल पार्क गर्मियों में भी वन्यजीवों को देखने का शानदार मौका देता है। 490 वर्ग किलोमीटर में फैला यह पार्क बाघ, हाथी, तेंदुआ और बारहसिंगा का घर है। घास के मैदान, दलदल और घने जंगल गर्मी में भी ठंडक का अहसास कराते हैं। प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए यह पार्क यादगार अनुभव देता है।

रामघाट, चित्रकूट:- चित्रकूट का रामघाट आध्यात्मिक और प्राकृतिक सुंदरता का अनुपम संगम है। भगवान राम के वनवास से जुड़ा यह स्थान गर्मियों में शांत वातावरण देता है। पास में कामादगिरी मंदिर, हनुमान धारा और भरत मिलाप मंदिर हैं। हरे-भरे जंगलों और प्राकृतिक जलप्रपात के बीच यहां की शांति मन को सुकून देती है।

गंगा आरती, वाराणसी:- शिवनगरी काशी का केवल दशाश्वमेध घाट ही नहीं बल्कि चौरासी घाट हर सुबह-शाम गंगा आरती से जगमगा उठता है। शंखनाद, मंत्रोच्चार और दीपों की रोशनी गर्मी की सुबह हो या रात दोनों को यादगार बना देती है।

त्रिवेणी संगम, प्रयागराज:- गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम पर गर्मियों में भी श्रद्धालु आते रहते हैं। संगम स्नान से मिलने वाली शांति और नौका विहार का मजा गर्मी को भुला देता है। पास में इलाहाबाद किला और अशोक स्तंभ जैसे ऐतिहासिक स्थल भी देखे जा सकते हैं। इसके अलावा यहां पातालपुरी मंदिर भी बेहद पवित्र माना गया है। अक्षय वट या अमर बरगद का पेड़ भी आकर्षण का केंद्र है। सन इको पॉइंट (सोन व्यू पॉइंट), सोनभद्र :- सन इको पॉइंट गर्मियों में मनोरम सोन घाटी का खूबसूरत नजारा पेश करता है। रॉबर्ट्सगंज से 6 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर स्थित यह पॉइंट मानसून में छोटे झरनों के लिए प्रसिद्ध है। प्रकृति प्रेमी यहां पिकनिक मनाते हैं। सोन नदी की घाटी का हरा-भरा दृश्य गर्मी की थकान मिटा देता है।

जिंदगी तय शेडयूल की तरह नहीं चलती, इसलिए खुद को दोष न दें : ईशा कोप्पिकर

मुंबई। साल के बीच का समय अक्सर लोगों के लिए आत्मचिंतन का समय लेकर आता है। जनवरी में बनाए गए नए साल के रेजोल्यूशन जब जुन-जुलाई तक पूरे नहीं हो पाते, तो कई लोग खुद को असफल मानने लगते हैं। ऐसे में अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने सोशल मीडिया पर एक बीडियो पोस्ट कर लोगों को समझाया कि जीवन किसी तय शेडयूल या चेकलिस्ट की तरह नहीं चलता, ऐसे में किसी भी ररह का अफसोस मनाना सही नहीं है।

बदलाव आते हैं, खुद को दोष न दें

ईशा ने कहा, " नए साल की शुरुआत में लोग बड़े सपने और बड़े वक्ष्य बनाते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, कई चीजें बदल जाती हैं। कभी जिम जाना छुट जाता है, कभी काम की व्यस्तता बढ़ जाती है, तो कभी निजी जीवन में ऐसे बदलाव आ जाते हैं जिनका असर हमारे पूरे साल के प्लान पर पड़ता है। ऐसे में खुद को दोषी मानना सही नहीं है।"

छोटी ग्रोथ को पहचानें

ईशा का कहना है, " असली तरक्की हमेशा दिखाई नहीं देती। हम मानसिक रुप से मजबूत बनते हैं, समझदार होते हैं और खुद को बेहतर तरीके से समझने लगते हैं। यह भी एक तरह की ग्रोथ हैं, जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।"

कठिन समय में खुद को संभालना भी बड़ी उपलब्धि

कई बार लोग केवल इसलिए आगे बढ़ रहे होते हैं क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों को झेला होता है। अगर इस दोरान किसी ने खुद को संभाल लिया है, अपने जीवन में छोटे-छोटे सही फैसले लिए हैं या पहली बार खुद को प्राथमिकता दी है, तो यह भी एक बड़ी उपलब्धि है।

जीवन का कोई तय शेडयूल नहीं

ईशा ने कहा, "हमें अपने उपर बेवजह दबाव नहीं डालना चाहिए। जीवन में कोई तय शेड़यूल नहीं होता, और न हीं जीवन कभी सीधा चलता है। हमें कभी रुकना पड़ता है, कभी रास्ता बदलना पड़ता है और कभी गिरकर फिर से उटना पड़ता है। यही जीवन का असली अनुभय है और यही हमें मजबूत बनाता है।"

सपने अभी भी आपके हैं

ईशा ने लोगों से अपील की कि वे पछतावे को छोड़ दें। उन्होंने कहा, "अगर इस साल की शुरुआत में आपने कोई सपना देखा था, तो वह सपना अभी भी आपका है। और खत्म नहीं हुआ है। केवल कुछ समय के लिए आपकी रयतार धीमी हुई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप पीछे रह गए हैं। आधा साल अभी भी बाकी है और यह समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना साल की शुरुआत होती है।"

हथकरघा उद्योग को बचाने के लिए आगे आए पंकज त्रिपाठी, बताया क्यों है ये जरूरी ?

विश्व केसरी ■

मुंबई । राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने बताया कि कैसे शूटिंग के लिए यात्रा में जाते समय उनको हथकरघा की खूबसूरती के बारे में पता चला। उनके मुताबिक, हथकरघा न सिर्फ किसी की जीविका का माध्यम है, बल्कि यह एक ऐसी रवायत है, जो कई पीढ़ी से चली आ रही है।

अभिनेता ने हाल ही में अपने एक हथकरघा उद्यम की शुरुआत की है। इस उद्यम का मुख्य उद्देश्य भारत की हथकरघा परंपरा, स्थानीय कलाकारों को सशक्त करना और उपभोक्ताओं को स्थानीय उत्पादों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

अभिनेता ने बताया कि इन पूरे सालों में शूटिंग के लिए घूमते वक्त मुझे हथकरघा उद्योग के सौंदर्य और समृद्ध परंपरा से अवगत होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुझे याद है कि चंदेरी में शूटिंग के दौरान मुझे हर महिला हथकरघा से बनाए हुए साड़ी पहनी हुई दिखी थीं। यह मुझे काफी रोचक लगा था, क्योंकि यह सिर्फ जीविका का माध्यम नहीं था, बल्कि यह जीवन जीने का तरीका था और एक ऐसी परंपरा जो पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है।अभिनेता ने कहा, 'जब कभी-भी मेरा बनारस जाना होता है, तो मैं पड़ोसियों के साथ समय बिताता हूं। मैं वहां कलाकारों को देखता हूं, जो पूरी तरह से हाथ के बनाए हुए कपड़े पहनते है, यह पूरी तरह से किसी जादू के कम नहीं लगता है। एक ऐसी दुनिया में जहां आज भी मशीन का दबदबा है, लोग हाथ से बनाए हुए कपड़ों को तवज्जो दे रहे हैं, यह जानकर मुझे अत्याधिक प्रसन्नता होती है।'

अभिनेता ने बताया कि शायद यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत को छोड़कर पूरी दुनिया में इस तरह की परंपरा अब कहीं पर भी जिंदा नहीं है। ध्यान देने वाली बात है कि भारत में विविधताएं भी बहुत हैं। मैं जितना ज्यादा खोज करता हूं, उतना ही उनके बारे में अच्छे से जानता रहता हूं।

अभिनेता के मुताबिक, हथकरघा का संबंध सिर्फ कपड़ों तक नहीं है, बल्कि इसका ताल्लुक कहानियों, संवाद, संस्कृति, धीरज और मानवीय ज्ञान से भी है। हर एक बुनाई अपने क्षेत्र की पहचान को अपने अंदर समेट कर रखती है। हर आकृति में इतिहास समाहित होता है और हर वस्त्र में एक कारीगर की मेहनत झलकती है।

'अल्फा' का ट्रेलर रिलीजः आलिया भट्ट और बॉबी देओल में होगी जंग, ऋतिक की एंट्री ने बढ़ाया रोमांच

विश्व केसरी ■

मुंबई। यश राज फिल्म्स की बहुप्रतीक्षित स्पाई एक्शन फिल्म 'अल्फा' का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। लंबे समय से इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई थी और अब ट्रेलर ने फिल्म की कहानी, किरदारों और एक्शन की झलक दिखाकर फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है।

ट्रेलर 2 मिनट 33 सेकंड का है। इसमें एक्शन, सस्पेंस, इमोशन और दमदार विजुअल्स है। इसके जरिए मेकर्स ने पहली बार फिल्म की कहानी को लेकर कई बड़े खुलासे भी किए गए हैं, जिनमें आलिया भट्ट के किरदार का बैकग्राउंड, बॉबी देओल का खतरनाक रोल और ऋतिक रोशन के कैमियो शामिल है।

ट्रेलर की बात करें, तो इसकी शुरुआत एक छोटी बच्ची से होती है, जिसका नाम बॉबी देओल सीता रखते हैं। बॉबी देओल का किरदार कहता है- 'इसकी मां का नाम जानकी था और हम इसे सीता बनावेंगे।' यह बच्ची आलिया भट्ट का किरदार है। इस दौरान उनकी एंट्री दिखाई जाती है और बैकग्राउंड में एक वॉयस चलती है, जिसमें आलिया कहती है- 'कहानी कुछ यूं है- एक राक्षस था। घमंड उसका शस्त्र है। वह धोखे से राज करता था और झूठ से जीतता था। एक दिन एक राजकुमारी को अपने घर ले गया। इतिहास जानता है कि उस कहानी का अंत कैसे हुआ।

थाईलैंड वेकेशन पर मनीषा कोइराला, बैंकॉक में टुक-टुक राइड का लिया मजा

विश्व केसरी ■

मुंबई । एक्ट्रेस मनीषा कोइराला इन दिनों थाईलैंड में छुट्टियां मना रही हैं। इस दौरान उन्होंने टुक-टुक की सवारी की, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने फैंस के साथ भी शेयर की और कहा कि बैंकॉक में टुक-टुक की सवारी करके बहुत खुशी मिली।

मनीषा, जिन्होंने 1989 में 'फेरी भेटौला' से एक्टिंग की शुरुआत की थी, ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर टुक-टुक में बैठी हुई अपनी एक तस्वीर शेयर की। टुक-टुक तीन पहियों वाली एक मोटर वाली गाड़ी होती है। तस्वीर में एक्ट्रेस तैयार-सज-धजकर टुक-टुक की सवारी का मजा ले रही हैं।

नेपाली मूल की एक्ट्रेस मनीषा कोइराला को 1991 की बॉलीवुड फिल्म 'सौदागर' से पहचान मिली थी। उन्होंने लिखा: 'बैंकॉक में टुक-टुक की सवारी और यह याद दिलाती है कि खुशी अक्सर सबसे सरल तरीकों से मिलती है।'

मनीषा कोइराला ने किसी शहर को उसकी सड़कों के जरिए जानने के बारे में एक गहरा मैसेज शेयर किया। उन्होंने कहा, 'हवा, शोर, रंग, हलचल और यह आजादी कि पता नहीं अगले मोड़ पर क्या होगा। कुछ शहरों का असली अनुभव उनकी सड़कों से ही मिलता है, न कि सिर्फ उनके मशहूर जगहों से। बैंकॉक, तुम कभी निराश नहीं करते। 'एक्टिंग की बात करें तो मनीषा को आखिरी बार मशहूर फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की 2024 की पहली डिजिटल सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में देखा गया था। मनीषा के साथ अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, सोनाक्षी सिन्हा, शर्मिन सहगल, शेखर सुमन, अध्ययन सुमन और ताहा शाह बदुशा भी नजर आए थे। यह सीरीज भारतीय आजादी के आंदोलन के समय लाहौर के रेड-लाइट एरिया 'हीरा मंडी' पर आधारित थी। इसमें ब्रिटिश शासन के दौरान तवायफ़ों की ज़िंदगी और उनके राजनीतिक व निजी संघर्षों को दिखाया गया था।

'हीरामंडी' से पहले, 55 वर्षीय एक्ट्रेस को कार्तिक आर्यन के साथ रोहित धवन की फिल्म 'शहजादा' में देखा गया था। इस फिल्म में एक्ट्रेस कार्तिक की मां का किरदार निभाती नजर आईं थी।

हिना खान ने दिखाया अपना 'फूडी मोमेंट,' भाभी के हाथों बने बर्गर और सिंधी दाल पकवान की तस्वीरें शेयर की

विश्व केसरी ■

मुंबई। टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्री हिना खान ने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने खास 'फूडी मोमेंट' को शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी भाभी नीलम द्वारा तैयार किए गए व्यंजनों की तस्वीरें पोस्ट कीं।

हिना खान ने जो तस्वीरें पोस्ट कीं, उनमें एक तस्वीर में घर पर तैयार किया गया चिकन बर्गर नजर आ रहा है। इस बर्गर की खास बात यह थी कि इसका बन और मेयोनेज भी घर पर ही बनाया गया था। तस्वीर पोस्ट करते हुए हिना ने लिखा, 'चिकन, घर का बना बन, घर की बनी मेयो। धन्यवाद नीलम सिंह।'

इसके अलावा हिना खान ने एक और तस्वीर पोस्ट की, जिसमें पारंपरिक सिंधी व्यंजन 'दाल पकवान' दिखाई दिया। यह स्नैक भी उनकी भाभी नीलम ने ही तैयार किया था।

यह पहली बार नहीं है जब हिना खान ने अपनी भाभी की तारीफ की हो। इससे पहले भी वह कई बार बता चुकी हैं कि उनकी भाभी उनकी डाइट और खानपान का कितना ध्यान रखती हैं, खासकर तब जब वह शूटिंग में बेहद व्यस्त रहती हैं। कुछ सप्ताह पहले हिना ने एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह शूटिंग के दौरान अपने वैनिटी वैन में बैठकर भोजन का आनंद लेती नजर आई थीं। उस दौरान उनके सामने बंगाली व्यंजनों से सजी पूरी थाली रखी हुई थी, जिसमें दाल, चावल, अंडा करी, बैंगन फ्राई, रोटी, सलाद और दही शामिल थे। वीडियो में हिना ने कहा था कि वह अपनी भाभी के घर के पास शूटिंग कर रही हैं और इसलिए उन्हें बंगाली खाना खाने को मिला। उन्होंने कहा था कि उनकी भाभी दुनिया की सबसे अच्छी भाभियों में से एक हैं, जो उनका बहुत ख्याल रखती हैं। हिना ने यह भी बताया था कि उनकी भाभी उनके लिए स्नैक्स और डिनर भी भेजने वाली हैं, जिसमें बटर चिकन और शोरषे बाटा शामिल होगा।

एक अन्य स्टोरी में हिना ने समोसे और पकौड़ों से भरे शाम के स्नैक्स की भी तस्वीरें दिखाई थी।

निजी जीवन में हिना खान ने रॉकी जायसवाल से शादी की है। दोनों ने 4 जून को अपनी शादी की पहली सालगिरह भी मनाई थी। हिना के इन पोस्ट्स को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं और उनकी पारिवारिक बॉन्डिंग की सराहना कर रहे हैं।

साक्षी तंवर ने करण जौहर के टॉक शो में खोला बड़ा राज, बताया क्यों एकता कपूर को आया था गुस्सा

विश्व केसरी ■

आखिर क्यों उनसे प्रोड्यूसर एकता कपूर नाराज हो गई थीं।

मुंबई । टीवी शो 'कहानी घर घर की' में अभिनेत्री साक्षी तंवर का पार्वती बहू वाला किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि लोग उन्हें असल जिंदगी में भी उसी छवि से देखने लगे थे। लेकिन असल जिंदगी में साक्षी डांस लवर हैं। इसका खुलासा उन्होंने मशहूर फिल्ममेकर करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण' में किया। साथ ही बताया कि शो के दौरान साक्षी तंवर ने करण जौहर के साथ एक मजेदार किस्सा साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि शो के एक सीन में उन्हें डांस करना था और वह उस समय पूरी तरह खुल गई थीं, जैसे वह किसी प्रोफेशनल डांसर की तरह नाच रही हों।

इस पर करण ने मजाकिया अंदाज में कहा कि उस सीन में साक्षी ने इतना अच्छा डांस किया कि वह मशहूर डांसर हेलेन की तरह नजर आने लगी थीं। इस बात पर प्रतिक्रिया देते हुए साक्षी तंवर ने कहा, ' 'मुझे डांस करना बेहद पसंद है। मेरे अंदर हमेशा से डांस को लेकर एक खास लगाव रहा है और मौका मिलते ही मैं खुद को रोक नहीं पाती। मुझे वह सीन आज भी अच्छी तरह याद है। शो की कहानी के अनुसार मेरे किरदार की बेटी जेल में होती है, लेकिन उसी समय घर में गरबा चल रहा होता है और माहौल पूरी तरह

ग्तालियेन में 17वां ग्रीष्मकालीन दावोस मंच आयोजित होगा

विश्व केसरी

बीजिंग। 17वां ग्रीष्मकालीन दावोस मंच 23 से 25 जून तक, पूर्वोत्तर चीन के ल्याओनिंग प्रांत के समुद्र तटीय शहर ताल्येन में आयोजित होगा, जिसमें 90 से अधिक देशों और क्षेत्रों के 1,700 से अधिक अतिथि भाग लेंगे। इसके संबंध में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा गया कि अब तक मंच की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं।

बताया गया है कि इस मंच का विषय 'नवाचार का विस्तार' है, और चर्चाओं में 'चीन की अर्थव्यवस्था के विकास पथ को अगले चरण में कैसे समझा जाए' और 'वास्तविक आर्थिक लाभ उत्पन्न करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे किया जाए' जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग के अंतरराष्ट्रीय सहयोग विभाग के उप निदेशक काओ वेइछी ने बताया कि मौजूदा ग्रीष्मकालीन दावोस मंच में कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम होंगे, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नई ऊर्जा, जैव चिकित्सा और क्वांटम प्रौद्योगिकी जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, ताकि वैश्विक वैज्ञानिक एवं तकनीकी नवाचार सहयोग की एक नई तस्वीर पेश की जा सके। इसके साथ ही, चीन की '15वीं पंचवर्षीय योजना' की रूपरेखा की व्याख्या करने के लिए कई गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएंगी।

उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि यह मंच अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने चीन के उच्च गुणवत्ता वाले आर्थिक विकास की उल्लेखनीय उपलब्धियों को प्रदर्शित करेगा, खुलेपन और सहयोग में चीन के दृढ़ विश्वास को व्यक्त करेगा और चीनी शैली के आधुनिकीकरण के व्यापक अवसरों को साझा करेगा।

वहीं, ताल्येन शहर के मेयर ली छ्यांग के अनुसार, ताल्येन अपनी शहरी स्थिति और औद्योगिक विशेषताओं को मिलाकर एक आधुनिक समुद्री शहर के निर्माण पर गहन आदान-प्रदान करेगा, ऊर्जा और रसायन उद्योग से संबंधित मुद्दों पर केंद्रित श्रृंखलाबद्ध गतिविधियों को शुरू करेगा, और उच्च स्तरीय वैश्विक संसाधनों के साथ गहराई से जुड़ेगा।

उन्होंने कहा, 'इस मंच में वैश्विक नवाचार प्रवृत्तियों और औद्योगिक परिवर्तन की दिशा पर केंद्रित होगा, जिसका उद्देश्य वैश्विक आर्थिक बहाली और विकास को ज्ञान इकट्ठा करना और सशक्त बनाना है।

मॉस्को में प्रिमाकोव फोरम में भारत के छह विशेषज्ञ करेंगे विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर चर्चा

विश्व केसरी

मॉस्को। रूस के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच 'प्रिमाकोव रीडिंग्स इंटरनेशनल फोरम' का 12वां संस्करण अगले सप्ताह मॉस्को में आयोजित होने जा रहा है। इस बार फोरम का विषय 'वर्ल्ड विदाउट रूल्स : पावर गेम ?' है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में भारत के छह विशेषज्ञ विभिन्न मुद्दों पर विचार रखेंगे।

23 और 24 जून को होने वाले इस कार्यक्रम को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव संबोधित करेंगे। इसमें रूस के राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव, फेडरेशन काउंसिल के उपाध्यक्ष कॉन्स्टेंटिन कोसाचेव, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र के कई रूसी और विदेशी विशेषज्ञ, सार्वजनिक संगठनों के प्रतिनिधि, राजनेता और राजनयिक भी शामिल होंगे। फोरम में छह भारतीय विशेषज्ञ मंजीत कृपलानी (डायरेक्टर, गेटवे हाउस: इंडियन काउंसिल ऑन ग्लोबल रिलेशंस), समीर सरन (प्रेसीडेंट, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन), शिशिर प्रियदर्शी (प्रेसीडेंट, चिंतन रिसर्च फाउंडेशन और 2007-2022 तक विश्व व्यापार संगठन में डायरेक्टर), पंकज सरन (कन्वेनर, नैटस्ट्रेट, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड), अरविंद गुप्ता (हेड, डिजिटल इंडिया फाउंडेशन), और लेफ्टिनेंट जनरल दुष्यंत सिंह (डायरेक्टर जनरल, सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज) विभिन्न सत्रों को संबोधि?त करेंगे।

ये विशेषज्ञ कई महत्वपूर्ण सत्रों में हिस्सा लेंगे, जिनमें 'क्षेत्रीय संघर्षों के वैश्विक प्रभाव', 'सदी के मध्य तक वैश्विक व्यवस्था की संभावनाएं', 'वैश्विक व्यापार और निवेश के सामने चुनौतियां और जोखिम', 'यूरेशियाई सुरक्षा 2035: सीएसटीओ की अध्यक्षता', 'एआई और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स में वैश्विक प्रतिस्पर्धा' और 'सैन्य-तकनीकी प्रतिस्पर्धा का नया दौर' जैसे विषय शामिल हैं।

आयोजकों के अनुसार, इस फोरम का मुख्य उद्देश्य दुनिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था के सामने मौजूद बड़ी चुनौतियों पर चर्चा करना है। इसमें क्षेत्रीय संघर्षों के वैश्विक असर, अमेरिकी विदेश नीति के घरेलू पहलू, मध्य पूर्व का संघर्ष और उसके बदलते स्वरूप, उभरती वैश्विक व्यवस्था, व्यापार और निवेश से जुड़े जोखिम, रूस की सीएसटीओ अध्यक्षता के दौरान यूरेशियाई सुरक्षा, एआई आधारित अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा और सैन्य तकनीक की नई दौड़ जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

विशेषज्ञ मध्य पूर्व में तनाव कम करने की संभावनाओं, क्षेत्रीय सुरक्षा की नई व्यवस्था बनाने के अवसरों और क्षेत्र को स्थिर बनाने में गैर-पश्चिमी देशों की भूमिका पर भी चर्चा करेंगे। इसके अलावा, न्यू स्टार्ट संधि के समाप्त होने के प्रभाव, हथियार नियंत्रण व्यवस्था के कमजोर पड़ने के खतरे और तेजी से बढ़ती हथियारों की दौड़ के बीच नई सैन्य तकनीकों का वैश्विक रणनीतिक स्थिरता पर क्या असर पड़ सकता है, इन विषयों पर भी विचार-विमर्श होगा।इस कार्यक्रम के आयोजकों में से एक और रूसी विज्ञान अकादमी के अंतरराष्ट्रीय संबंध संस्थान (आईएमईएमओ) के अध्यक्ष अलेक्जेंडर डिनकिन ने कहा, ''रूल्स-बेस्ड यानी नियमों पर आधारित उदारवादी वैश्विक व्यवस्था की रूस और दुनिया भर में कड़ी और उचित आलोचना हुई है।

संक्षिप्त खबर

भारत ने यूएन चार्टर के प्रति दोहराया समर्थन, पी. हरिश बोले- यह 140 करोड़ भारतीयों के लिए 'उम्मीद'

संयुक्त राष्ट्र। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र (यूएन) चार्टर भारतीयों के लिए उम्मीद का प्रतीक है। उन्होंने यूएन चार्टर की प्रस्तावना पर प्रतीकात्मक रूप से हस्ताक्षर किए। यह हस्ताक्षर 1945 में हुए उस ऐतिहासिक दस्तावेज की स्मृति में किए गए, जिसने संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया था। हस्ताक्षर करने के बाद उन्होंने कहा कि भारत के 140 करोड़ नागरिकों के लिए यूएन चार्टर का महत्व एक शब्द में 'उम्मीद' है। 26 जून को मनाए जाने वाले यूएन चार्टर दिवस की तैयारी के तहत किए गए इन हस्ताक्षरों का मकसद चार्टर के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता को फिर से जताना था। संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक ने प्रतीकात्मक हस्ताक्षर का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा कि यह चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता की नई अभिव्यक्ति है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रतिनिधिमंडल के नेता ए. रामास्वामी मुदलियार ने 25 जून 1945 को सैन फ्रांसिस्को में भारत की ओर से मूल चार्टर पर हस्ताक्षर किए थे। भारत संयुक्त राष्ट्र के 50 संस्थापक सदस्यों में से एक था। संयुक्त राष्ट्र में भारत की भागीदारी ने आजादी से पहले ही एक संस्थापक सदस्य के तौर पर उसकी भूमिका को दर्शाया, जो बहुपक्षवाद और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के सिद्धांतों से जुड़ा हुआ था।

पीयूष गोयल ने फ्रांस में किया यूपीआई लॉन्च, भारतीय पर्यटकों के लिए डिजिटल भुगतान हुआ आसान

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को फ्रांस के नीस शहर में मशहूर गैलरीज लाफायेट में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लॉन्च किया। इससे फ्रांस जाने वाले भारतीय यात्री जाने-पहचाने प्लेटफॉर्म के जरिए आसानी से पेमेंट कर सकेंगे।

पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प?लेटफॉर्म 'एक?स' पर पोस्ट में कहा, 'भारत के वर्ल्ड-क्लास डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म को फ्रांस के प्रमुख रिटेल डेस्टिनेशन में से एक में लाना यूपीआई के ग्लोबल विस्तार में एक और अहम कदम है। लाइरा कलेक्ट और एनआईपीएल की भागीदारी के साथ, यह पहल बड़े पैमाने पर भरोसेमंद, आसान और इंटरऑपरेबल डिजिटल समाधान देने की भारत की क्षमता को दिखाती है।

उन्होंने कहा, 'यह लॉन्च भारत और फ्रांस के बीच आर्थिक और तकनीकी संबंधों को और मजबूत करता है, जो हमारी रणनीतिक साझेदारी की बढ़ती गहराई और महत्वाकांक्षा को दर्शाता है।

यह डिजिटल पेमेंट कॉरिडोर दोनों देशों के बीच व्यापार के तरीके में एक बड़ा बदलाव लाता है। इससे यात्रियों को तुरंत सुविधा मिलती है क्योंकि उन्हें फिजिकल करेंसी एक्सचेंज, भारी मात्रा में कैश ले जाने या विदेशी मुद्रा एक्सचेंज की अनजान फीस जैसी दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता।

इससे फ्रांसीसी व्यवसायों को भी आर्थिक बढ़ावा मिलेगा, जिन्हें बड़ी संख्या में तकनीक-प्रेमी भारतीय पर्यटकों तक तुरंत पहुंच मिलेगी, जिससे ट्रांजेक्शन की संख्या बढ़ेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि स्थानीय व्यापारियों को भी बेहतर कैश मैनेजमेंट, फिजिकल कैश संभालने से जुड़ी कम लागत और सुरक्षित, रियल-टाइम ट्रांज़ैक्शन सेटलमेंट का लाभ मिलेगा।

3 जून को कंबोडिया के बाद फ्रांस दूसरा देश है, जहां यूपीआई लॉन्च किया गया है। यह अहम सहयोग नोम पेन्ह में एक औपचारिक समारोह के बाद शुरू हुआ, जिसमें कंबोडिया के नेशनल बैंक की गवर्नर चिया सेरे और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के उच्च-स्तरीय प्रतिनिधि शामिल हुए।बयान में कहा गया है कि इस कार्यक्रम के साथ ही दोनों देशों के बीच बाकोंग के केएचक?यूआर (कंबोडिया का नेशनल क?यूआर कोड) के जरिए क्रॉस-बॉर्डर क?यूआर पेमेंट लिंक स्थापित करने का पहला चरण पूरा हो गया।

प्रतिवर्ष 1 करोड़ म्यू घट रहा चीन का मरुस्थलीय भूभाग

विश्व केसरी

बीजिंग। मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण के लिए विश्व दिवस के मौके पर चीन के राष्ट्रीय वन एवं घासभूमि प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, चीन का मरुस्थलीय भूभाग लगातार घट रहा है।

पिछली शताब्दी के अंत में यह औसतन 51.5 लाख म्यू (एक म्यू करीब 0.0667 हेक्टर के बराबर) बढ़ रहा था, लेकिन वर्तमान में यह प्रतिवर्ष 1 करोड़ म्यू घट रहा है। आंकड़ों से पता चलता है कि आठ प्रमुख मरुस्थलों और चार प्रमुख रेतीले क्षेत्रों में वायु अपरदन की कुल मात्रा वर्ष 2000 की तुलना में लगभग 40 प्रतिवर्ष कम हो गई है, और रेतीले क्षेत्रों में औसत वनस्पति आवरण 21.17 प्रतिवर्ष तक पहुंच गया है, जो 10 वर्ष पूर्व की तुलना में 2.84 प्रतिवर्ष की वृद्धि है। थ्री-नॉर्थ शेल्टरबेल्ट परियोजना (उत्तर-पश्चिम, उत्तर और उत्तर-पूर्व चीन में निर्मित कृत्रिम वानिकी पारिस्थितिक परियोजना) क्षेत्र में वन और घासभूमि आवरण दर 40.76 प्रतिवर्ष तक पहुंच गई है, और प्रबंधनीय मरुस्थलीय भूमि के 67.82 प्रतिवर्ष हिस्से का उपचार किया जा चुका है।

खबरों के मुताबिक, हाल के वर्षों में चीन ने थ्री-नॉर्थ शेल्टरबेल्ट परियोजना के माध्यम से मरुस्थलीकरण के ख़िलाफ़ लड़ाई जीतने पर ध्यान केंद्रित किया है और मरुस्थलीकरण नियंत्रण को व्यापक रूप से बढ़ावा दिया है। थ्री-नॉर्थ शेल्टरबेल्ट परियोजना के तीन महत्वपूर्ण चरणों के शुभारंभ के बाद से, केंद्र सरकार द्वारा कुल 88.9 अरब युआन का निवेश आवंटित किया गया है, 544 प्रमुख परियोजनाएं संगठित और कार्यान्वित की गई हैं, और 24.4 करोड़ म्यू के निर्माण कार्य पूरे किए गए हैं।

मस्कट: भारत भेजे गए एमटी सेट्टेबेलो हमले में मारे गए दो भारतीय नाविकों के पार्थिव शरीर

विश्व केसरी

मस्कट। ओमान स्थित भारतीय दूतावास ने बुधवार को बताया कि जहाज एमटी सेट्टेबेलो पर हुए हमले में जान गंवाने वाले दो भारतीय समुद्री कर्मियों के पार्थिव शरीर भारत भेज दिए गए हैं।

दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

दूतावास ने कहा, ' आदित्य शर्मा और शिवानंद चौरसिया, जिन्होंने एमटी सेट्टेबेलो पर हुए दुखद हमले में अपनी जान गंवाई, उनके पार्थिव शरीर भारत वापस भेज दिए गए हैं। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं उनके परिजनों के साथ हैं। मंगलवार को दूतावास ने यह भी बताया था कि जहाज के सभी 21 भारतीय चालक दल के सदस्य सुरक्षित रूप से ओमान से भारत लौट रहे हैं। रवाना होने से पहले भारत के ओमान में राजदूत प्रशांत पीसे ने चालक दल से मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया।

ओमान स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, पलाऊ ध्वज वाले जहाज एमटी सेट्टेबेलो पर 30 समुद्री मील दूर सोहर के पास हमला हुआ था। इस घटना के बाद 21 भारतीयों को बचा लिया गया, जबकि 3 नाविकों की मौत हो गई।

दूतावास ने बताया कि ओमान मैरीटाइम सिक्योरिटी सेंटर को तुरंत सूचना दी गई, जिसके बाद खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया।

इस घटना के बाद भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए कूटनीतिक स्तर पर आपत्ति दर्ज कराई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री से बात कर इस हमले पर विरोध दर्ज कराया।

जी7 शिखर सम्मेलन के वर्किंग सेशन में शामिल हुए पीएम मोदी, कई वैश्विक नेताओं से की मुलाकात

विश्व केसरी

एवियन (फ्रांस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को फ्रांस के एवियन में आयोजित ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) शिखर सम्मेलन में 'संतुलित, समावेशी और सतत आर्थिक विकास' पर आधारित एक कार्य सत्र में भाग लिया।इस सत्र से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व के कई बड़े नेताओं से मुलाकात की, जिनमें इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमए) की कार्यकारी निदेशक क्रिस्टालिना जियोरगीवा शामिल रहे।मंगलवार को पीएम आउटरीच सेशन का हिस्सा बने थे। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में शांति प्रयासों में हुई प्रगति का स्वागत किया और कहा कि यह संघर्ष मित्र देशों में जान-माल की भारी हानि का कारण बना है।उन्होंने कहा, ' होर्मुज में समुद्री व्यापार बाधित होने से वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा है। अंतरराष्ट्रीय साझेदारी तभी सार्थक हो सकती है जब सभी देश साझा चुनौतियों का मिलकर समाधान करें।

प्रधानमंत्री ने कहा, ' भारत का मानना है कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चल रहे तनाव और संघर्षों का स्थायी समाधान केवल संवाद, कूटनीति और सहयोग से ही संभव है।

उन्होंने आगे कहा, ' कई भारतीय नागरिकों ने इस संघर्ष में अपनी जान गंवाई है, और समुद्री व्यापार से जुड़े नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सभी देशों की जिम्मेदारी है।

पीएम मोदी ने कहा कि समुद्री मार्ग सुरक्षित रहना चाहिए ताकि नाविक बिना किसी भय के अपना कार्य कर सकें। उन्होंने कहा कि भारत इन मुद्दों पर सभी साझेदार देशों के साथ काम करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

उन्होंने यह भी कहा कि अनिश्चित वैश्विक माहौल में व्यापार और तकनीक का दुरुपयोग बढ़ रहा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वास की कमी पैदा हो रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज दुनिया में संसाधनों की कमी नहीं है, लेकिन विश्वास की कमी सबसे बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि साझेदारियों का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि देशों के बीच भरोसा कितनी मजबूती से दोबारा स्थापित किया जाता है।

उन्होंने भारत की 'वसुधैव कुटुंबकम' की सोच को लेकर कहा, ' भारत हमेशा 'मानवता पहले' के सिद्धांत पर काम करता रहा है और विकास तभी सबसे सार्थक होता है जब वह लोगों की आकांक्षाओं से जुड़ा हो।

उन्होंने कहा, 'आज आपसी भरोसा सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक संपत्ति है। दुख की बात यह है कि दुनिया संसाधनों की कमी से नहीं, बल्कि भरोसे की कमी से जूझ रही है। हमारी साझेदारियों का भविष्य इसी बात पर निर्भर करेगा कि हम इस भरोसे को फिर से कैसे मजबूत करते हैं।

कैलिफोर्निया में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती नफरत पर चिंता, हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने राज्य आयोग से लगाई गुहार

विश्व केसरी

वाशिंगटन। प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एडवोकेसी समूह हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने कैलिफोर्निया में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती नफरत पर चिंता जताई है। एचएएफ ने स्टेट ऑफ हेट कमीशन से राज्य में बढ़ते एंटी-हिंदू गतिविधियों पर ध्यान देने और इसे रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

एचएएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुद्दे को जोर शोर से उठाया। उन्होंने कहा, 'जब कैलिफोर्निया के नेता नफरत से निपटने पर चर्चा कर रहे हैं, तो यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि हिंदू अमेरिकी समुदाय को राज्यव्यापी एंटी-हेट प्रयासों में नजरअंदाज न किया जाए। हमें जेवियर बेकेरा और स्टिव हिल्टन से कहना चाहेंगे कि धार्मिक स्वतंत्रता का मतलब किसी एक समुदाय विशेष से नहीं होता बल्कि इसमें हिंदू भी शामिल होते हैं।

संगठन ने 9 जून को अपनी आधिकारिक टिप्पणी में कहा कि हाल के वर्षों में हिंदू समुदाय के खिलाफ भेदभाव, तोड़फोड़ और हिंसा की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है। एचएएफ के अनुसार, 'राज्य के सिविल राइट्स विभाग के डेटा में भी यह सामने आया है कि धार्मिक रूप से प्रेरित नफरत की घटनाओं में एंटी-हिंदू मामले लगभग 23 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर हैं। संगठन ने कहा, 'ये केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि धार्मिक स्थलों पर हमले, तोड़फोड़ और समुदायों को निशाना बनाने की वास्तविक घटनाएं हैं।

एचएएफ ने यह भी आरोप लगाया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर भी हिंदू और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के खिलाफ नस्लीय टिप्पणियां और भड़काऊ अभियान तेजी से बढ़ रहे हैं।संगठन के अनुसार, 'ऑनलाइन फैलाई जा रही गलत जानकारी और राजनीतिक बयानबाजी के कारण एंटी-इंडियन और एंटी-हिंदू नफरत को बढ़ावा मिल रहा है।

एचएएफ ने आयोग और सिविल राइट्स विभाग से इस स्थिति को गंभीरता से लेने, इसकी सार्वजनिक रूप से निंदा करने और हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

चीन ने संयुक्त राष्ट्र में 'ग्लोबल साउथ को पर्याप्त प्रतिनिधित्व' देने की वकालत की

विश्व केसरी

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों को संयुक्त राष्ट्र में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया भर में बढ़ते राजनीतिक और आर्थिक विवादों के कारण संयुक्त राष्ट्र की भूमिका और प्रभावशीलता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, बुधवार को बीजिंग में 'वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत और समान बनाने' से जुड़े एक श्वेत पत्र (व्हाइट पेपर) को जारी करते हुए एक प्रेस वार्ता में वांग यी ने यह टिप्पणी की।

उन्होंने कहा कि चाहे कोई देश बड़ा हो या छोटा, शक्तिशाली हो या कमजोर, विकसित हो या विकासशील सभी अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समान सदस्य हैं। वांग ने वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) के देशों की आवाज को अधिक महत्व देने की आवश्यकता पर जोर दिया। चीन के विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया लगातार नई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिससे कई वैश्विक संकट एक-दूसरे से जुड़ते जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'सभ्यता का जहाज अब खतरनाक जलक्षेत्र में प्रवेश कर चुका है, जहां छिपी हुई चट्टानें और भीषण तूफान मौजूद हैं।

वांग ने कहा कि मौजूदा विवाद गहरे और लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों को उजागर करते हैं। उन्होंने 'ब्लैक स्वान' और 'ग्रे राइनो' जैसी घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि अप्रत्याशित संकटों और स्पष्ट दिखने वाले लेकिन नजरअंदाज किए जाने वाले खतरों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

मध्य पूर्व की स्थिति पर वांग यी ने सभी पक्षों से तत्काल युद्धविराम की दिशा में काम करने की अपील की।

जी7 समिट में पीएम मोदी ने की 'इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप' बनाने की अपील

विश्व केसरी

एवियन (फ्रांस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी7 समिट में वैश्विक एकजुटता को मजबूत करने की बात कही। बुधवार को उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के कारण ईंधन, उर्वरक और खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएं पैदा हो रही हैं, जिसका असर लंबे समय तक वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) पर पड़ता रहेगा।

फ्रांस के एवियन में आयोजित ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) शिखर सम्मेलन के 'संतुलित, साझा और सतत आर्थिक विकास' विषय पर आउटरीच सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संबोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि विकास का वास्तविक सवाल यह नहीं है कि जीडीपी कितनी है, बल्कि यह है कि विकास किसके लिए, किसके साथ और किस दिशा में हो रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा समावेशिता, पैमाने और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण पर आधारित है, जो 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के सिद्धांत से प्रेरित है। उन्होंने यह भी कहा कि यह दृष्टिकोण भारत की जी20 अध्यक्षता और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) जैसी पहलों में दिखाई देता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हो रही हैं, और ऐसे समय में कमजोर देशों को अकेले इन झटकों का बोझ नहीं उठाना चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से विकासशील देशों को आर्थिक झटकों से बचाने के लिए मजबूत सहायता तंत्र विकसित करने की अपील की।

उन्होंने यह भी कहा कि कई देश वृद्ध होती आबादी का सामना कर रहे हैं, जबकि भारत और वैश्विक दक्षिण के देशों के पास युवा प्रतिभा और कौशल की बड़ी ताकत है। इस संतुलन का लाभ उठाने के लिए उन्होंने 'ग्लोबल स्किल्स पार्टनरशिप' की आवश्यकता बताई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जी7 पूंजी, भारत की प्रतिभा और वैश्विक दक्षिण के देशों की भागीदारी को मिलाकर एक 'अंतरराष्ट्रीय मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप फॉर एक्सेलेरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड'(आईएमपीसीएटी यानी इम्पैक्ट) जैसी पहल पर भी विचार किया जा सकता है। सत्र से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कई वैश्विक नेताओं से मुलाकात की, जिनमें इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की कार्यकारी निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जिवा शामिल हुए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के पांच दिवसीय दौरे से पहले मध्य प्रदेश में हाई अलर्ट जारी

विश्व केसरी■

इंदौर/ओंकारेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के ओंकारेश्वर के दो दिवसीय दौरे को देखते हुए सुरक्षा-व्यवस्था मजबूत कर दी गई है।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने सभी जिलों की पुलिस को निर्देश दिया है कि वो सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर चौकस रहे और इन दो दिनों के दौरान कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में हर मुमकिन प्रयास करें। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पांच दिवसीय मध्य प्रदेश दौरे पर हैं।

वह 18 जून को इंदौर से ओमकेश्वर पहुंचेंगी। अपने आगमन के बाद वह प्रार्थना करेंगी और पूजनीय ज्योतिर्लिंग के दर्शन करेंगी। इसके बाद 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस के मौके पर आधिकारिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के दौरे को आसान बनाने के लिए ओंकारेश्वर में ट्रैफिक में कुछ बड़े बदलाव किए गए हैं। यह बदलाव 17 जून रात 12 बजे से लेकर 19 जून तक प्रभावी रहेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का इंदौर एयरपोर्ट पर मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से स्वागत किया जाएगा। इंदौर से ओंकारेश्वर तक उनके हेलीकॉप्टर या सड़क मार्ग से पहुंचने की उम्मीद है। इस बारे में अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। इसका फैसला मौसम की स्थिति पर निर्भर करेगा।

वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, इंदौर प्रशासन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के दौरे को लेकर पूरी तैयारी कर ली है। हालांकि, अभी तक राष्ट्रपति के दौरे को लेकर आधिकारिक घोषणा राष्ट्रपति सचिवालय से की जानी है।

खंडवा जिला मजिस्ट्रेट ऋषव गुप्ता ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में श्रद्धालुओं से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का दौरा 18 और 19 जून को निर्धारित है। वह ज्योतिर्लिंग में प्रार्थना करेंगी। इस दौरान आम लोगों को थोड़ी परेशानियां हो सकती हैं, लिहाजा हम लोगों से अपील करना चाहेंगे की वो हमारा साथ दें। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए भारी वाहनों के रूट में बदलाव कर दिया गया है। ऐसा भीड़ से बचने के लिए किया गया है। इंदौर से खंडवा जाने वाले वाहन महू-मानपुर-धामनोद-खरगोन, सिमरोल-मंडलेश्वर-कसरावद-खरगोन या बड़वाह-मंडलेश्वर-कसरावद-खरगोन के रास्ते जाएंगे।

इसी प्रकार, खंडवा से इंदौर की ओर जाने वाला यातायात भीकानगांव-खरगोन-कासरवाड़ होते हुए आगे बढ़ेगा, जबकि मंडलेश्वर से आने वाले वाहन कासरवाड़-खालघाट मार्ग का उपयोग करेंगे। इंदौर से आने वाले छोटे वाहनों को बरवाहा-मोरतक्का-सनवाद होते हुए ट्रेंचिंग ग्राउंड और ताम्रकार पार्किंग में पार्क करने के लिए निर्देशित किया जाएगा, जहां से श्रद्धालु दर्शन और पवित्र स्नान के लिए पैदल जा सकते हैं।मुंडी की तरफ से आने वाले वाहन भी सनवाद होते हुए उन्हीं स्थानों पर पार्क करेंगे। इंदौर और खंडवा दोनों तरफ से आने वाली बसें मोरतक्का में खड़ी होंगी। राष्ट्रपति के काफिले के गुजरने के दौरान सड़क के एक हिस्से को अस्थायी रूप से 'वाहन निषेध क्षेत्र' घोषित किया जाएगा।

रेल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए सरकार ने गुजरात और महाराष्ट्र में नई रेल परियोजनाओं को दी मंजूरी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। रेल क्षमता बढ़ाने और कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय रेलवे ने गुजरात के कच्छ क्षेत्र में आदिपुर-भुज दोहरीकरण परियोजना को 493 करोड़ रुपए की लागत से मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही महाराष्ट्र में पनवेल जंक्शन पर भीड़ कम करने के लिए 172 करोड़ रुपए की लागत वाली सोमटणे-चिखली कॉर्ड लाइन परियोजना को भी स्वीकृति दी गई है। यह जानकारी बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

बयान के अनुसार, गुजरात में 49 किलोमीटर लंबी दोहरी रेल लाइन परियोजना के पूरा होने के बाद इस मार्ग पर दोनों दिशाओं में प्रतिदिन दो अतिरिक्त यात्री ट्रेनें चलाई जा सकेंगी। इसके अलावा आदिपुर-भुज सेक्शन पर हर साल लगभग 1.2 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई भी संभव होगी।

यह परियोजना भारतीय रेलवे के क्षमता विस्तार कार्यक्रम के तहत स्वीकृत की गई है। रेलवे देश भर में दोहरीकरण, तिहरीकरण और अन्य नेटवर्क विस्तार कार्यों के जरिए भविष्य में बढ़ने वाले यात्री और माल यातायात की जरूरतों को पूरा करने की तैयारी कर रहा है।

वर्तमान में आदिपुर-भुज सेक्शन गांधीधाम-नालिया कॉरिडोर का सिंगल-लाइन रेल मार्ग है। क्षेत्र में चल रही कई रेल परियोजनाओं के कारण यहां आने वाले समय में यातायात में काफी वृद्धि होने की संभावना है। इन परियोजनाओं में भुज-नालिया गेज परिवर्तन, नालिया-वायोर रेल लाइन का विस्तार तथा नालिया-जखाऊ, वायोर-लखपत और देशलपर-लूना के बीच नई रेल लाइनों का निर्माण शामिल है।

इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद भुज-आदिपुर सेक्शन पर यात्री और माल यातायात, दोनों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। इसी को ध्यान में रखते हुए इस रेलखंड के दोहरीकरण को मंजूरी दी गई है, ताकि भविष्य की मांग के अनुरूप पर्याप्त क्षमता उपलब्ध कराई जा सके और परिचालन को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

इसी तरह मध्य रेलवे के अंतर्गत 172 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली 3.7 किलोमीटर लंबी सोमटणे-चिखली कॉर्ड लाइन परियोजना करजात मार्ग के चिखली और रोहा मार्ग के सोमटणे के बीच लंबे समय से गायब महत्वपूर्ण रेल संपर्क को पूरा करेगी।

संक्षिप्त खबर

बागी सांसदों को हम छोड़ेंगे नहीं, 15-15 करोड़ रुपये में हुई है डीलः संजय राउत

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) नेताओं संजय राउत, अरविंद सावंत और अनिल देसाई ने पार्टी के सांसदों को तोड़ने की कोशिश का आरोप लगाया है। नेताओं का दावा है कि कुछ सांसदों को पाला बदलने के लिए 15 करोड़ रुपये तक की पेशकश की गई है। पार्टी ने संसदीय बैठक के लिए व्हिप जारी किया है और लोकसभा अध्यक्ष को भी पत्र लिखकर स्थिति से अवगत कराया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि बगावत करने वाले सांसदों को छोड़ा नहीं जाएगा। मीडिया से बातचीत के दौरान कुछ सांसदों के बगावत करने संबंधी सवाल पर संजय राउत ने कहा, 'फिलहाल मुझे लगता है कि सभी साथ हैं और पार्टी एकजुट है। मेरे पास किसी आधिकारिक इस्तीफे या पार्टी छोड़ने की कोई जानकारी नहीं है। हालांकि, मीडिया के जरिए हमें ऐसी खबरें मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे की अगुवाई में मातोश्री पर सांसदों की बैठक हुई थी, जिसमें कुछ सांसद व्यक्तिगत रूप से मौजूद थे, जबकि अन्य वर्चुअली शामिल हुए थे। राउत के अनुसार, बैठक में सभी सांसदों ने पार्टी और उद्धव ठाकरे के साथ रहने की बात कही थी। राउत ने कहा, 'अगर इसके बावजूद कोई शिवसेना से बेइमानी करना चाहता है, तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। बगावत करने वाले सांसद शिवसेना (यूबीटी) के चुनाव चिह्न पर चुने गए हैं। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा गया है और पार्टी की बैठक भी बुलाई गई है। राउत ने कहा कि जो सांसद पाला बदलना चाहते हैं, उन्हें पहले इस्तीफा देना चाहिए।

अमित शाह ने दिल्ली झुग्गी पुनर्वास नीति 2026 को अंतिम रूप दे दिया : मंत्री आशीष सूद

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली के गृह और शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने बताया कि बुधवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में 'दिल्ली स्लम और जेजे क्लस्टर पुनर्वास और पुनर्स्थापन नीति-2026' को अंतिम रूप दिया गया।

सूद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'दिल्ली की झुग्गियों और जेजे क्लस्टर में रहने वाले लाखों परिवारों को सम्मानजनक घर देने की दिशा में आज एक अहम फैसला लिया गया। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में 'दिल्ली झुग्गी और जेजे क्लस्टर पुनर्वास और पुनर्स्थापना नीति-2026' को अंतिम रूप दिया गया।

इस फैसले को 'ऐतिहासिक' बताते हुए उन्होंने कहा कि शहर को विकसित भारत की राजधानी बनाने के लिए ऐसा कदम उठाया गया है। दिल्ली के मंत्री ने एक अलग वीडियो संदेश में आगे कहा, 'विकसित दिल्ली में किसी को भी झुग्गियों में नहीं रहना पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय राजधानी में झुग्गियों की जगह घर बनाने की नीति को अंतिम रूप दिया है।

विरासत और विकास के समन्वय से आगे बढ़ रहा नया भारतः शिवराज सिंह चौहान

विश्व केसरी■

पटना। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि नया भारत विरासत और विकास के समन्वय से आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार विकास के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक विरासत और गौरव को भी संरक्षित कर रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल महालोक और केदारनाथ धाम के पुनर्विकास जैसे कार्य भारत की सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने बिहार भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, जनकल्याण और राष्ट्रीय गौरव का नया इतिहास रचा है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश निराशा और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने नई दिशा और नई गति प्राप्त की।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित सर्वोपरि की भावना के साथ केंद्र सरकार ने आतंकवाद और नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार किया है। कश्मीर से धारा 370 हटाने, सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक तथा ऑपरेशन सिंधु जैसे कदमों ने दुनिया को भारत की नई ताकत का परिचय कराया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्षों की सबसे बड़ी उपलब्धि गरीब कल्याण है। उन्होंने बताया कि 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं, 4 करोड़ गरीब परिवारों को पक्के मकान मिले हैं तथा 60 करोड़ से अधिक लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ प्राप्त हुआ है। देश में 81 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है, जबकि 58 करोड़ जनधन खातों ने वित्तीय समावेशन को नई दिशा दी है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण को सरकार ने सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। कृषि क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि कभी खाद्यान्न आयात करने वाला भारत आज आत्मनिर्भर कृषि अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान के तहत यूपीआई लेनदेन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और भारत डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश बन गया है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ी है और भारत अब रक्षा उपकरणों का बड़ा निर्यातक बन चुका है। उन्होंने विश्वास के साथ कहा कि एनडीए सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाना है।

रील बनाने वाले पुलिसकर्मी को सीएम योगी की चेतावनी, बोले- सिस्टम पर ना उठे सवाल

विश्व केसरी■

लखनऊ। सोशल मीडिया पर पुलिसकर्मियों की रील बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान रील बनाना अनुशासनहीनता है और इससे व्यक्ति के साथ-साथ पूरे विभाग की छवि प्रभावित होती है।

सीएम योगी ने कर्मचारियों को अपने दायित्वों के प्रति सजग रहने की नसीहत देते हुए कहा कि ऐसा कोई कार्य नहीं होना चाहिए, जिससे व्यवस्था या विभाग उपहास का विषय बने। उन्होंने यह बातें लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के नियुक्ति-पत्र वितरण समारोह में की।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को लोकभवन सभागार में आयोजित उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के नियुक्ति-पत्र वितरण समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने चयनित 930 कंप्यूटर ऑपरेटर (ग्रेड-ए) अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज शासन और प्रशासन में जवाबदेही और पारदर्शिता का नया वातावरण बना है। भर्ती प्रक्रियाओं में न तो किसी प्रकार की सिफारिश चलती है और न ही भेदभाव के लिए कोई स्थान है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार भी पूर्ववर्ती सरकारों की तरह निर्णयों को टालती रहती, तो पुलिस विभाग में सवा दो लाख से अधिक भर्तियां संभव नहीं हो पातीं। पिछले नौ वर्षों में प्रदेश की कानून-व्यवस्था में व्यापक बदलाव आया है। एक समय था जब त्योहारों और धार्मिक आयोजनों से पहले दंगों और कर्फ्यू की आशंका बनी रहती थी, लेकिन अब प्रदेश में शांति और सुरक्षा का माहौल है। उन्होंने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश के किसी भी हिस्से में कर्फ्यू लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। उन्होंने पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था को भी महत्वपूर्ण प्रशासनिक सुधार बताते हुए कहा कि इसे लागू करने को लेकर लंबे समय तक अनावश्यक बाधाएं खड़ी की जाती रहीं, लेकिन सरकार ने दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाते हुए इसे लागू किया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

केदारनाथ आपदा की 13वीं बरसी पर आयोजित हुई शोक सभा, दिवंगतों को दी गई श्रद्धांजलि

विश्व केसरी■

देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ मंदिर हिंदुओं के लिए आस्था का एक प्रमुख केंद्र है, जहां प्रति वर्ष लाखों श्रद्धालु 'बाबा' के दरबार में आकर उनका दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। हालांकि, वर्ष 2013 में 16 और 17 जून को इस धार्मिक स्थान पर एक ऐसी भयानक प्राकृतिक त्रासदी आई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं की जान चली गई।

इसी को लेकर केदारनाथ आपदा की 13वीं बरसी पर केदारनाथ धाम में त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर शोक सभा का आयोजन कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए सैकड़ों लोगों द्वारा प्रार्थना की गई।

भीषण आपदा को याद करते हुए केदारनाथ धाम में केदारसभा, बदरी-केदार मंदिर समिति, प्रशासन तथा पंडा-पुरोहित समाज द्वारा संयुक्त रूप से एक शोक सभा आयोजित की गई। इस दौरान आपदा में मृत और लापता हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर प्रार्थना की गई। इसी को लेकर केदारसभा अध्यक्ष, राजकुमार तिवारी ने बताया कि वर्ष 2013 की आपदा उत्तराखंड के इतिहास की सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक है। आपदा की 13वीं बरसी पर सभी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई।

उन्होंने कहा कि इस त्रासदी से मिले सबक को हमेशा याद रखना चाहिए और आपदा में जान गंवाने वाले सभी लोगों को विनम्र श्रद्धांजलि दी जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि केदारसभा, मंदिर समिति, स्थानीय लोगों और व्यापारियों द्वारा केदारनाथ धाम में सभी मृतक आत्माओं को श्रद्धांजलि दी गई और एक शोक सभा का आयोजन किया गया।

केरल : सीपीआई(एम) में बढ़ी आत्ममंथन की मांग, चुनावी हार के बाद पी. विजयन पर उठे सवाल

विश्व केसरी■

तिरुवनंतपुरम। लगभग तीन दशकों तक, पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन केरल में सीपीआई(एम) की सबसे प्रभावशाली आवाज बने रहे। वे ऐसे नेता थे जिनकी पार्टी के भीतर राजनीतिक सत्ता पर अक्सर कोई सवाल नहीं उठाया जाता था। लेकिन हालिया चुनावी हार के बाद एक बदलाव दिखने लगा है। जो आलोचना पहले बंद कमरों की बातचीत तक सीमित थी, वह अब सार्वजनिक मंचों पर भी सामने आ रही है। सीपीआई(एम) के भीतर हालिया घटनाक्रम बताते हैं कि विजयन के आस-पास का राजनीतिक घेरा, जिसे कभी अभेद्य माना जाता था, उसमें अब पहली बार दरारें दिख रही हैं।

चुनाव में हार के बाद पार्टी की आंतरिक समीक्षा चर्चाओं, साथ ही वरिष्ठ नेताओं और युवा विंग की टिप्पणियों से पता चलता है कि संगठन के भीतर पार्टी के काम करने के तरीके, सार्वजनिक छवि और मतदाताओं से दूरी को लेकर बेचैनी बढ़ रही है। वरिष्ठ सीपीआई(एम) नेता और केंद्रीय समिति के सदस्य थॉमस इसाक की इस टिप्पणी को कि 'कम्युनिस्ट भ्रष्टाचार में शामिल नहीं होते' वाली पारंपरिक धारणा कमजोर हुई है, व्यापक रूप से पूर्व विजयन सरकार की दबी-छिपी आलोचना के तौर पर देखा जा रहा है।

उनकी इस चेतावनी ने कि केवल विकास की उपलब्धियों से चुनाव नहीं जीते जा सकते और कम्युनिस्टों को कम्युनिस्टों की तरह ही रहना चाहिए, पार्टी के भीतर राजनीतिक चर्चाओं को जन्म दिया है। डीवाईएफआई के पथानामथिट्टा जिला सम्मेलन में यह आलोचना और भी सीधी हो गई, जहां एक प्रतिनिधि ने कथित तौर पर चुनाव प्रचार के दौरान विजयन की विवादास्पद टिप्पणी 'घर जाओ और पूछो' पर सवाल उठाया और कहा कि इस तरह के अंदाज ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया है।

अन्य वरिष्ठ नेताओं की टिप्पणियों ने भी आंतरिक पुनर्विचार की धारणा को और मजबूत किया है।

नीट परीक्षा से 72 घंटे पहले साजिश के तहत राहुल गांधी छात्रों में फैला रहे भ्रम और तनाव : सुधांशु त्रिवेदी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कोटा में प्रस्तावित छात्र प्रदर्शन को लेकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी पर नीट परीक्षा से पहले छात्रों के बीच भ्रम और तनाव पैदा करने का आरोप लगाया है।

भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, ' सिर्फ 3 दिन बाद फिर से नीट की परीक्षा होगी। एक तरफ सारे छात्र परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। सरकार ने पूरी सतर्कता के साथ इस प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से संपन्न करने के लिए कमर कसी है। जहां सरकार संवेदनशीलता से काम कर रही है, वहीं कांग्रेस पार्टी और नेता विपक्ष राहुल गांधी कुटिलता का प्रयोग करते दिखाई पड़ रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि परीक्षा से पहले अंतिम 72 घंटे, जिस समय छात्र तनावमुक्त होकर तैयारी करना चाहता है, उस समय आप इस प्रकार का आयोजन करके उनके मन में भय, तनाव और उत्तेजना उत्पन्न करके मानसिक यातना क्यों देना चाह रहे हैं? राजनीति करने के बहुत अवसर मिलेंगे। आप इन्हीं 72 घंटों में राजनीति क्यों करना चाह रहे हैं? सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि यह समय छात्रों के लिए पूरी तरह से अपनी परीक्षा पर ध्यान केंद्रित करने का है। ऐसे समय में छात्रों का ध्यान भटकाने की कोशिश क्यों की जा रही है। साथ ही छात्रों को रैली में बुलाने के लिए जिस तरह के तौर-तरीके अपनाए जा रहे हैं, उन पर भी सवालिया निशान है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'हमने माना कि आप (राहुल गांधी) छात्र जीवन में भी असफल रहे, जिस कंपनी में नौकरी की वहां भी असफल रहे, कंपनी चलाई वहां भी असफल रहे और नेता के रूप में भी असफल रहे। जो आपके मन में ईर्ष्या का भाव है, आज अपनी सफलता के लिए पूर्ण मनोयोग से तैयारी कर रहे

'पिछले 12 सालों में भारत एक मजबूत गढ़ के तौर पर फिर से खड़ा है', राजनाथ समेत भाजपा नेताओं ने की तारीफ

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव देखा है।

सुरक्षित भारत के 12 साल का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति से लेकर सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट और ऑपरेशन सिंदूर जैसी निर्णायक कार्रवाइयों तक, भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि उसकी संप्रभुता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। साथ ही, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के हमारे संकल्प ने स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत किया है। हमारी सशस्त्र सेनाओं को आधुनिक बनाया है और जमीन, समुद्र, हवा, साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्रों में हमारी तैयारी को बेहतर किया है। पिछले 12 वर्षों का सफर एक मजबूत, सुरक्षित, आत्मनिर्भर और अधिक आत्मविश्वास से भरे भारत को दर्शाता है जो अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने और एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में उभरने के लिए तैयार है।

वहीं, केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा कि मोदी सरकार के 12 वर्षों में हमारे देश को एक ऐसे मजबूत गढ़ के तौर पर फिर से खड़ा किया गया है जो नागरिकों की रक्षा करता है और दुश्मनों को भी तबाह कर देता है। चाहे वह सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक, और ऑपरेशन सिंदूर जैसी सैन्य कार्रवाई से सीमा पार के दुश्मनों का जवाब देना हो, अनुच्छेद 370 को हटाना हो, नक्सलवाद को खत्म करना हो, या पूर्वोत्तर में 12 से ज्यादा समझौतों के जरिए आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करना हो। भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता की ऐसी मिसालें पेश की हैं जिसकी दुनिया तारीफ करती है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सुरक्षा नीति में सावधानी के बजाय दृढ़ संकल्प की भावना आई है। जिसका आधार आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' और निर्णायक कार्रवाई है। सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर बालाकोट तक, भारत ने अपनी जवाबी कार्रवाई के तरीके को नए सिरे से परिभाषित किया है। साथ ही मजबूत सीमाएं, आधुनिक सेना और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर देने से हमारी तैयारी और बेहतर हुई है। यह बदलाव एक 'नए भारत' को दर्शाता है, जो 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए आत्मविश्वास से भरा, सक्षम और दृढ़ संकल्पित है।हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि हमारे देश ने 2014 के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और नागरिकों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक

टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध से भारत के 15 करोड़ से अधिक यूजर्स प्रभावित: पावेल डुरोव

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। टेलीग्राम के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पावेल डुरोव ने कहा है कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले भारत में मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध से 15 करोड़ से अधिक यूजर्स प्रभावित हुए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में डुरोव ने कहा कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक सप्ताह के लिए टेलीग्राम पर प्रतिबंध लगाया, क्योंकि कुछ यूजर्स कथित तौर पर परीक्षा के लीक हुए प्रश्न साझा कर रहे थे। इससे भारत में टेलीग्राम के 15 करोड़ से अधिक यूजर्स प्रभावित हुए।

उन्होंने आगे कहा कि टेलीग्राम ने पिछले कुछ हफ्तों में सैकड़ों ऐसे चैनलों को हटा दिया है, जिन पर भारत में कथित रूप से परीक्षा से संबंधित लीक सामग्री साझा करने और उससे जुड़े घोटाले चलाने के आरोप थे।

डुरोव ने यह भी कहा कि कंपनी संदेशों पर दिखाई देने वाले 'एडिटेड' लेबल को और अधिक स्पष्ट बनाने पर काम कर रही है, ताकि पुराने समय की मुहर (टाइमस्टैम्प) बदलकर किए जाने वाले धोखाधड़ी और सामग्री में हेरफेर को रोका जा सके।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत सरकार ने 21 जून को होने वाली नीट-यूजी 2026 पुनर्परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए 22 जून तक टेलीग्राम सेवाओं पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। यह पुनर्परीक्षा 3 मई को आयोजित मूल परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बाद कराई जा रही है।यह प्रतिबंध राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सिफारिशों के आधार पर लगाया गया था। एनटीए ही देश भर के मेडिकल स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट परीक्षा आयोजित करती है।

अस्थायी प्रतिबंध के साथ-साथ अधिकारियों ने टेलीग्राम को भारत में 30 जून तक अपने संदेश संपादन (मैसेज एडिटिंग) फीचर को भी बंद करने का निर्देश दिया है।

एनटीए के अनुसार, जांच एजेंसियों का मानना है कि इस फीचर का पहले दुरुपयोग किया गया था। परीक्षा प्रश्नपत्र प्रसारित होने के बाद संदेशों को संपादित कर प्रश्नपत्र लीक होने के भ्रामक सबूत तैयार किए जाते थे। सरकारी निर्देशों का पालन करते हुए गूगल और एप्पल पहले ही अपने-अपने ऐप स्टोर से टेलीग्राम को हटा चुके हैं।

एक्स डाउनः यूजर्स ने आउटेज की रिपोर्ट की, ऐप और वेबसाइट पर लॉगिन और फीड में आईं दिक्कतें

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) की सर्विस में बुधवार को रुकावट आई। सुबह करीब 8:30 बजे सर्विस ठप होने की सबसे अधिक शिकायतें मिलीं।

आउटेज ट्रैक करने वाले प्लेटफ़ॉर्म 'डाउनडिटेक्टर' के अनुसार, लगभग 40 प्रतिशत यूजर्स ने ऐप में दिक्कतों की शिकायत की, जबकि 29 प्रतिशत ने फीड और टाइमलाइन में समस्याओं की बात कही। वहीं, 18 प्रतिशत यूज़र्स ने वेबसाइट पर रुकावटों की सूचना दी। पिछले 24 घंटों में यह दूसरी बार है जब सर्विस में रुकावट आई है। इससे पहले मंगलवार शाम को भी यूजर्स ने समस्याओं की रिपोर्ट की थी। इससे पहले इस साल मई में प्लेटफ़ॉर्म में भारत समेत दुनिया भर में आउटेज (सेवा में रुकावट) की समस्या आई थी, जिसके कारण यूजर्स न तो नई पोस्ट लोड कर पा रहे थे और न ही अपने अकाउंट में लॉग-इन कर पा रहे थे। हजारों यूजर्स को एक्स के वेबपेज एक्सेस करने में परेशानी हुई, जबकि कई लोगों ने ऐप और लॉग-इन पेज में भी दिक्कतों की शिकायत की।

उस आउटेज के दौरान, 41 प्रतिशत यूजर्स ने कहा कि वे लॉग इन नहीं कर पा रहे थे, जबकि उतने ही यूज़र्स ने एक्स ऐप में भी दिक्कतों की बात कही।

फरवरी में भी एक्स को एक ग्लोबल आउटेज का सामना करना पड़ा था, जिससे भारत, अमेरिका और ब्रिटेन में यूजर्स प्रभावित हुए थे। उस समय, 25,000 से ज़्यादा आउटेज रिपोर्ट दर्ज की गई थीं, 53 प्रतिशत ऐप यूजर्स लॉग इन नहीं कर पा रहे थे और 16 प्रतिशत वेबसाइट यूजर्स ने भी दिक्कतों की शिकायत की थी।

पिछले साल नवंबर में भारत और दुनिया भर में एक्स के हज़ारों यूजर्स को सर्विस में रुकावट का सामना करना पड़ा था। साथ ही, उन दूसरी वेबसाइट्स को भी दिक्कतें आईं जो ऑनलाइन रहने के लिए क्लाउडफ्लेयर के इंटरनेट इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर हैं।

इस महीने की शुरुआत में दुनिया भर में फेसबुक और इंस्टाग्राम यूजर्स को भी बड़े पैमाने पर सर्विस में रुकावट का सामना करना पड़ा था। हजारों यूजर्स ने बताया कि मेटा के ये प्लेटफॉर्म या तो ठीक से लोड नहीं हो रहे थे या कंटेंट रिफ्रेश नहीं हो पा रहा था। यह आउटेज किसी एक इलाके तक सीमित नहीं था, कई देशों के यूजर्स ने एक ही समय पर ऐसी ही दिक्कत बताई।

भारत के कई शहरों में यूजर्स ने फेसबुक और इंस्टाग्राम इस्तेमाल करने में दिक्कत बताई। कई लोगों ने कहा कि फीड लोड नहीं हो रहे थे और ऐप्स कंटेंट रिफ्रेश नहीं कर पा रहे थे।

गंगोत्री से गंगासागर तक योग यात्रा, काशी में लोगों ने एक साथ किया योगाभ्यास

विश्व केसरी ■

वाराणसी । काशी के पवित्र रविदास घाट पर 'गंगोत्री से गंगा सागर' अभियान के तहत एक योग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जन-जन तक योग के महत्व को पहुंचाना और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना है। गंगा तट पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और योगाभ्यास किया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दयाशंकर मिश्र ने कहा कि यह यात्रा गंगोत्री से शुरू होकर गंगा सागर तक जाएगी। उन्होंने बताया कि आयुष मंत्रालय, आयुष मिशन और मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के संयुक्त प्रयासों से यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व योग दिवस 21 जून के निकट होने के कारण यह एक सप्ताह व्यापी विशेष कार्यक्रम है, जिसके तहत देशभर में योग के प्रति जागरूकता फैलाई जा रही है।मंत्री ने आगे कहा कि यह अभियान केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि नदी किनारों, गांवों के अमृत सरोवरों, पौराणिक स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थानों और शहरों के पार्कों तक योग को पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उनका कहना हैं कि समाज के हर वर्ग को योग से जोड़ना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। यह प्रयास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। वहीं, आयुष विभाग की महानिदेशक चैत्रवी ने कहा कि यह आयोजन 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। 'गंगोत्री से गंगा सागर' श्रृंखला की शुरुआत 14 जून को गंगोत्री से की गई थी, जिसका उद्देश्य मां गंगा के उद्गम स्थल से लेकर उसके समुद्र में विलय स्थल तक योग का संदेश फैलाना है।उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत पहले ऋषिकेश और हरिद्वार में कार्यक्रम आयोजित किए गए, इसके बाद 16 जून को प्रयागराज में भव्य योग आयोजन हुआ। उसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए 17 जून को वाराणसी के रविदास घाट पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि गंगा तट पर योग का अभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि यह मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा भी प्रदान करता है।उन्होंने इस वर्ष की थीम 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य है कि लोग उम्र बढ़ने के बावजूद स्वस्थ और सक्रिय जीवन जी सकें।

स्वाद और सेहत का खजाना है जंगल जलेबी, जानिए फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्रकृति ने हमें अनेक ऐसे पेड़-पौधे दिए हैं जो स्वाद और स्वास्थ्य दोनों का खजाना हैं। जंगल जलेबी भी उन्हीं में से एक है। इसे कई जगहों पर विलायती इमली या मनीला इमली भी कहा जाता है। इसका स्वाद हल्का मीठा और खट्टा होता है, जो बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आता है।

जंगल जलेबी का वैज्ञानिक नाम पिथेसेलोबियम डुल्से है। इसके पेड़ लगभग 15 से 20 मीटर तक ऊंचे हो सकते हैं और विभिन्न प्रकार की जलवायु परिस्थितियों में आसानी से विकसित हो जाते हैं। यही कारण है कि यह भारत के कई हिस्सों में देखने को मिलता है।

इस पेड़ की सबसे बड़ी पहचान इसकी घुमावदार फलियां हैं, जो बिल्कुल जलेबी जैसी दिखाई देती हैं। जब फलियां पक जाती हैं तो उनका रंग बदल जाता है और उनके भीतर सफेद या गुलाबी रंग का मीठा-खट्टा गूदा निकलता है। यही हिस्सा खाने योग्य होता है।

जंगल जलेबी केवल स्वाद में ही खास नहीं है, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद मानी जाती है। इसके फलों में विटामिन सी सहित कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं। इसके नियमित सेवन से शरीर को ऊर्जा मिलती है और स्वास्थ्य बेहतर बना रहता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में लोग इसके फलों को सीधे कच्चा खाते हैं। इसके अलावा इससे स्वादिष्ट चटनी भी बनाई जाती है, जो खाने का स्वाद कई गुना बढ़ा देती है। कई जगहों पर इसे पारंपरिक व्यंजनों में भी शामिल किया जाता है। आज के समय में जब लोग महंगे और प्रोसेस्ड फूड की ओर बढ़ रहे हैं, ऐसे में जंगल जलेबी जैसे प्राकृतिक फल एक अच्छा विकल्प है। यह स्वाद के साथ आपके सेहत का भी ख्याल रखती है।पर्यावरण की दृष्टि से भी जंगल जलेबी का पेड़ महत्वपूर्ण माना जाता है। यह कम पानी में भी अच्छी तरह बढ़ता है और मिट्टी के संरक्षण में मदद करता है।

झारखंड में उन्नत नेत्र शल्य चिकित्सा केंद्र 'दृष्टि' की शुरुआत

विश्व केसरी ■

रांची । ऑपरेशन दृष्टि के तहत एक बड़े स्वास्थ्य सेवा अभियान में, भारतीय सेना और भारतीय वायुसेना की एक विशेष नेत्र चिकित्सकीय टीम ने मिलिटरी हॉस्पिटल नामकुम, रांची में एक मेगा एडवांस्ड सर्जिकल आई कैंप शुरू किया है।

यह कैंप 15-19 जून के बीच चल रहा है और इसका उद्देश्य 200 से अधिक लाभार्थियों की दृष्टि बहाल करना तथा उनके जीवन की गुणवत्ता निशुल्क उन्नत नेत्र सर्जरियों के माध्यम से सुधारना है।

आर्मी अस्पताल (रिसर्च एंड रेफरल), नई दिल्ली के कंसल्टेंट तथा नेत्र विभाग के प्रमुख ब्रिगेडियर डॉ. संजय कुमार मिश्रा की अगुवाई में सर्जिकल टीम फेकोएमल्सिफिकेशन (प्रसाराभिन्न सर्जरी) द्वारा मोतियाबिंद, मिनिमली इनवेसिव ग्लॉकोमा सर्जरी (एमआईजीएस) तथा विट्रियो-रेटिनल रोगों के लिए एंटी-वीईजीएफ इंट्राविट्रियल इंजेक्शनों सहित कई उन्नत नेत्र संबंधी प्रक्रियाएं करेगी।

पूर्व सैनिकों, सेवाधारियों के आश्रितों और वंचित नागरिकों के लिए व्यापक स्क्रीनिंग जारी है और कैंप के दौरान बड़ी उपस्थिति की उम्मीद है।

मिशन के समर्थन में, विश्व स्तरीय चिकित्सकीय उपकरण भारतीय वायुसेना की सेवा विमानों से रांची तक एयरलिफ्ट किए गए हैं, जिससे क्षेत्र में विशिष्ट सर्जिकल देखभाल प्रदान करने में सक्षम बनाया गया है।

डायरेक्टर जनरल आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज वाइस एडमिरल आरती सरीन ने मानवीय मिशन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह मिशन सेना की द्वैध पहचान, देश की सीमाओं के निष्ठावान रक्षक और सामाजिक लचीलापन के दयालु निर्माता, दोनों का प्रमाण है।

ऑपरेशन दृष्टि का एक प्रमुख आउटरीच कार्यक्रम है, जो उन्नत नेत्र विशेषज्ञता को मानवीय सेवा के साथ जोड़ता है।

रांची से पहले, इस पहल ने देश भर में आठ उन्नत सर्जिकल आई कैंप सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं, जिनमें लेह-लद्दाख, लक्षद्वीप, भुज, कच्छ और बागडोगरा शामिल हैं, जिन्होंने दूरस्थ और अंडर-सर्व्ड क्षेत्रों में विशेष नेत्र देखभाल पहुंचाई है।

गर्मियों में कॉफी पीना फायदेमंद या नुकसानदायक? जानिए शरीर पर क्या पड़ता है असर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में अक्सर यह कहा जाता है कि गर्म चाय या कॉफी पीने से शरीर ठंडा रहता है। हालांकि, कई लोगों का अनुभव इससे बिल्कुल अलग होता है। उन्हें गर्म कॉफी पीने के बाद अधिक गर्मी या बेचैनी महसूस होने लगती है। इस पर एक्सपर्ट ने जानकारी दी। सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट पूजा मखिजा ने इसी विषय पर जानकारी देते हुए बताया है कि शरीर को ठंडा महसूस कराने का संबंध केवल इस बात से नहीं है कि आप क्या पीते हैं, बल्कि इस बात से है कि शरीर अपनी गर्मी को कितनी प्रभावी ढंग से बाहर निकाल पाता है।गर्मी के मौसम में कई लोग ठंडक पाने के लिए ठंडी चीजें पीने पर जोर देते हैं, लेकिन सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट पूजा मखिजा ने एक दिलचस्प बात बताई है। उन्होंने कहा कि गर्म कॉफी भी आपको ठंडा कर सकती है, लेकिन इसके लिए कुछ खास शर्तें पूरी होनी जरूरी हैं। अगर ये शर्तें पूरी न हों तो गर्म पेय पीने से ज्यादा गर्मी महसूस हो सकती है।

एक्सपर्ट के अनुसार, ठंडा महसूस करना सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप क्या पी रहे हैं। असली बात यह है कि आपका शरीर कितनी अच्छी तरह गर्मी बाहर निकाल पाता है। गर्म कॉफी पीने से शरीर का तापमान थोड़ा बढ़ता है, जिससे पसीना ज्यादा आता है। यह पसीना जब भाप बनकर उड़ता है तो शरीर को ठंडक मिलती है। लेकिन असल जिंदगी में कई बार यह प्रक्रिया ठीक से काम नहीं करती।

उन्होंने ठंडक न मिलने के पीछे की वजह भी बताई। एयर कंडीशनर वाले कमरे में पसीना ठीक से नहीं आ पाता और उमस भरे मौसम में पसीना भाप बनकर नहीं उड़ पाता और शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) होने पर पसीना कम निकलता है। इन स्थितियों में गर्म कॉफी पीने के बाद ठंडक की जगह और गर्मी लगने लगती है।उन्होंने ओटावा यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च का हवाला देते हुए ।

खरबूजे के बीजः छोटे दानों में छिपा बड़ा खजाना, सेहत के लिए कई फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में हर किसी को खरबूजा काफी पसंद है, लेकिन जिन बीजों को लोग खराब मानकर फेंक देते है, वही बीज बाजार में पैकिंग के साथ महंगे दामों पर बिक रहे हैं। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार खरबूजे के बीज कई महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का स्रोत हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाने में मदद करते हैं। खरबूजे के बीजों में अच्छी मात्रा में प्रोटीन, स्वस्थ वसा, फाइबर, मैग्नीशियम, जिंक, आयरन और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। हालांकि इनका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। वैज्ञानिक रिसर्च के मुताबिक, खरबूजे के बीज दिल की सेहत के लिए लाभकारी साबित होते हैं। इनमें मौजूद मैग्नीशियम रक्तचाप को संतुलित रखता है। इसके अलावा, यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इनमें मौजूद फाइबर भोजन को धीरे-धीरे पचाने में मदद करता है और आंतों की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाता है।

पर्याप्त फाइबर लेने वाले लोगों में कब्ज, पेट फूलने और अपच जैसी समस्याएं कम देखी जाती हैं। फाइबर आंतों में मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीवों के लिए भी उपयोगी माना जाता है, जिससे संपूर्ण पाचन तंत्र स्वस्थ बना रह सकता है।

शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में भी खरबूजे के बीज सहायक माने जाते हैं। इनमें पाया जाने वाला जिंक प्रतिरक्षा तंत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिकों का मानना है।

फीफा वर्ल्ड कप: ऑस्ट्रिया ने जीत के साथ किया आगाज, जॉर्डन को 3-1 से हराया

विश्व केसरी ■

सांता क्लारा। फीफा वर्ल्ड कप में 28 साल में अपना पहला मैच खेलने उतरी ऑस्ट्रिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जॉर्डन को रोमांचक मुकाबले में 3-1 से हराया। सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में वर्ल्ड कप में अपना डेब्यू करने वाली जॉर्डन की टीम ने ऑस्ट्रिया को कड़ी टक्कर देने का पूरा प्रयास किया, लेकिन टीम को अपनी गलतियों के कारण खामियाजा भुगतना पड़ा।

मैच की शुरुआत में ऑस्ट्रिया को जॉर्डन की तरफ से कड़ी चुनौती मिली। मैच के दूसरे मिनट में जॉर्डन के कप्तान एहसान हद्दाद ने पहला मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट साइड नेटिंग में चला गया। इसके बाद ओदेह फखौरी ने भी दूर से शानदार प्रयास किया, जिसे ऑस्ट्रिया के गोलकीपर अलेक्जेंडर श्लेगर ने बेहतरीन बचाव करते हुए गोल में जाने से रोक दिया।

शुरुआती दबाव झेलने के बाद ऑस्ट्रिया ने 20वें मिनट में मैच का पहला गोल करते हुए बढ़त हासिल की। रोमानो श्मिड ने पेनल्टी बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया और टीम को 1-0 से आगे कर दिया। पहले हाफ में पिछड़ने के बावजूद जॉर्डन की टीम ने लगातार लड़ाई जारी रखी। दूसरे हाफ की शुरुआत के कुछ ही मिनट बाद अली ओलवान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने ऑस्ट्रियाई डिफेंडरों को छकाते हुए बेहतरीन गोल किया। ओलवान वर्ल्ड कप में गोल करने वाले जॉर्डन के पहले खिलाड़ी बने। इस गोल से स्कोर 1-1 हो गया। इसके बाद दोनों टीमों की तरफ से गोल करने के प्रयास जारी रहे। मैच के 67वें मिनट में ऑस्ट्रिया ने एक बार फिर से बढ़त हासिल की, लेकिन वीएआर में बिल्ड-अप के दौरान हैंडबॉल पाए जाने के कारण गोल को रद्द कर दिया गया। हालांकि, इसके कुछ मिनट बाद ही जॉर्डन के डिफेंडर याजान अल अरब ने दुर्भाग्यवश अपने ही गोलपोस्ट में हेडर मार दिया, जिससे ऑस्ट्रिया 2-1 से आगे हो गया। मैच के अंतिम क्षणों में जॉर्डन ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन इंजरी टाइम में ऑस्ट्रिया को पेनल्टी मिल गई।

महिला टी20 विश्व कप: इंग्लैंड ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत, आयरलैंड को 4 विकेट से हराया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 में इंग्लैंड ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इंग्लिश टीम ने साउथेम्प्टन के रोज बाउल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में आयरलैंड को 4 विकेट से हराया।

आयरलैंड से मिले 119 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। एमी जोन्स महज 9 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। पिछले मुकाबले में शतकीय पारी खेलनी वाली डैन व्याट भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और 16 रन बनाकर आउट हुईं। एलिस कैप्सी भी सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुईं। 35 रनों के स्कोर पर 3 विकेट खोकर मुश्किल में दिख रही इंग्लिश टीम की पारी को कप्तान नैट साइवर-ब्रंट और हीथर नाइट ने संभाला। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 49 गेंदों में 64 रनों की अहम साझेदारी निभाई।

नाइट ने 23 गेंदों में 26 रनों का योगदान दिया, जबकि नैट साइवर 48 रन बनाने के बाद रिटायर्ड आउट हुईं। 48 रनों की अपनी पारी में इंग्लिश कप्तान ने 4 चौके लगाए। फ्रेया केम्प महज 2 रन बनाकर रनआउट हुईं। डैनी गिब्सन 4 और चार्ली डीन चार रन बनाकर नाबाद रहीं और इंग्लैंड को जीत दिलाकर लौटीं। गेंदबाजी में आयरलैंड की तरफ से एमी मग्वायर और ओर्ला प्रेंडरगैस्ट ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। इससे पहले, आयरलैंड ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 118 रन लगाए। टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और एमी हंटर महज 6 रन बनाकर आउट हुईं। कप्तान गैबी लुईस बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। अलाना डेलजेल 18 गेंदों का सामना करने के बाद 14 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, प्रेंडरगैस्ट 18 गेंदों में 26 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। रेबेका स्टोकेल 9 रन ही बना सकीं, जबकि लिआ पॉल 10 रन बनाकर आउट हुईं।

अंत के ओवरों में लुईस लिटिल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 15 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 5 चौके लगाए। गेंदबाजी में इंग्लैंड की तरफ से सोफी एक्लेस्टोन ने 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि चार्ली डीन ने महज 11 रन खर्च करते हुए 2 विकेट झटके।

हमारे पास इस बार फीफा वर्ल्ड कप जीतने का सबसे अच्छा मौका: हैरी केन

विश्व केसरी ■

आर्लिंगटन। इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन का मानना है कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 में टीम के पास ट्रॉफी को अपने नाम करने का सुनहरा मौका होगा। बायर्न म्यूनिख के लिए 51 मुकाबलों में 61 गोल करने वाले शानदार सीजन के बाद स्ट्राइकर को भरोसा है कि वह अपने करियर की सबसे अच्छी फॉर्म को जारी रखने और इंग्लैंड को टूर्नामेंट में आगे तक ले जाने के लिए पहले से कहीं ज्यादा तैयार हैं। इंग्लैंड फीफा विश्व कप में अपने अभियान का आगाज क्रोएशिया के खिलाफ गुरुवार को करेगा। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए 32 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'मैं निजी तौर पर कहूंगा कि यह मानसिक और शारीरिक तौर पर मेरा अब तक का सबसे अच्छा सीजन है। मेरे लिए सीजन का अंत बहुत अच्छा रहा। शारीरिक तौर पर मैं खुद को बहुत अच्छी शेप में महसूस कर रहा हूं। 'अपने करियर के लिए आपको बहुत सी चीजों की जरूरत होती है जो आपके हिसाब से हों और सही समय पर सही जगह पर हों और मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट के लिए ऐसा ही हुआ है। मेरे हिसाब से एक टीम के तौर पर हमारे पास फीफा वर्ल्ड कप जीतने का सबसे अच्छा मौका होगा। मुझे लगता है कि हर कोई अच्छी शुरुआत करने और यह साबित करने के लिए बेताब है कि हमारे पास इस टूर्नामेंट में आगे तक जाने की काबिलियत है।

मेक्सिको करेगा एलए 28 महिला बास्केटबॉल प्री-क्वालिफायर मुकाबलों की मेजबानी

विश्व केसरी ■

मीस (स्विट्जरलैंड)। इंटरनेशनल बास्केटबॉल फेडरेशन (एफआईबीए) ने बताया है कि 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक गेम्स के लिए महिला बास्केटबॉल प्री-क्वालिफाइंग टूर्नामेंट का आयोजन मेक्सिको के ग्वाडलहारा में किया जाएगा।

सितंबर में बर्लिन में होने वाले 2026 एफआईबीए ??महिला बास्केटबॉल वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने वाली आठ टीमें 17 से 23 अगस्त तक ओलंपिक प्री-क्वालिफायर में हिस्सा लेंगी। सिर्फ टूर्नामेंट की विजेता ही फरवरी 2028 में होने वाले एफआईबीए ??महिला ओलंपिक क्वालिफाइंग टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेगी।

अर्जेंटीना, ब्राजील, कनाडा, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सेनेगल, साउथ सूडान और मेक्सिको (जो कोलंबिया की जगह लेगा) को अपने ओलंपिक सपनों को पूरा करने का एक और मौका मिलेगा। मेक्सिको को यह मौका इसलिए मिला है, क्योंकि वह महिलाओं की एफआईबीए विश्व रैंकिंग में अपने महाद्वीप की सबसे ऊंची रैंक वाली ऐसी टीम है, जिसने पहले टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई नहीं किया था। अब वह कोलंबिया की जगह प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। यह फैसला एफआईबीए के नियमों के अनुरूप लिया गया है, जिसके तहत किसी टीम के हटने की स्थिति में उसकी जगह योग्य और सर्वोच्च रैंक वाली उपलब्ध टीम को मौका दिया जाता है।

ओलंपिक क्वालिफायर में हिस्सा लेने वाली 16 टीमों में अफ्रीका की टॉप दो टीमें, अमेरिका और एशिया की टॉप चार-चार टीमें, और यूरोप की टॉप छह टीमें शामिल होंगी, जिसमें संबंधित क्षेत्र से प्री-क्वालिफाइंग टूर्नामेंट का विजेता शामिल नहीं होगा। 2026 वर्ल्ड कप विजेता और मेजबान अमेरिका, जिसे एफआईबीए?? सेंट्रल बोर्ड से मंजूरी मिलनी बाकी है। 2028 क्वालिफाइंग टूर्नामेंट की बाकी 10 सबसे अच्छी टीमों के साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में मुकाबला करेगा। प्री-क्वालिफायर का ड्रॉ शुक्रवार को एफआईबीए?? ??हेडक्वार्टर में पैट्रिक बॉमन हाउस ऑफ बास्केटबॉल में होगा।

एफआईबीए?? विमेंस ओलंपिक प्री-क्वालिफाइंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले आठ देशों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा जाएगा।

हर टीम अपने ग्रुप में दूसरे विरोधियों के खिलाफ सिंगल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेलेगी। हर ग्रुप से टॉप दो टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी, और उसके बाद के फाइनल की विजेता को एफआईबीए विमेंस ओलंपिक क्वालिफाइंग टूर्नामेंट 2028 का टिकट मिलेगा।

पिकलबॉल वर्ल्ड कप 2026 : आईपीए ने अर्जुन सिंह, वीर शाह, नाओमी अमलसदीवाला को दी बड़ी जिम्मेदारी

विश्व केसरी ■

मुंबई । इंडियन पिकलबॉल एसोसिएशन (आईपीए) ने 12-14 जून तक अहमदाबाद में हुए आधिकारिक चयन प्रक्रिया के बाद पिकलबॉल वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम इंडिया की घोषणा की।

आईपीए ने बेहद प्रतियोगी चयन प्रक्रिया के बाद युवा पिकलबॉल (14 और उससे कम) और जूनियर्स (18 और उससे कम) श्रेणी में भारतीय टीम की घोषणा की है। अर्जुन सिंह अंडर-18 श्रेणी में विजेता रहे। उन्होंने जूनियर पिकलबॉल चैंपियनशिप में एकल, पुरुष डबल्स और मिश्रित डबल्स जीते। उन्होंने अपने भाई आदित्य सिंह के साथ पुरुष डबल्स और नाओमी अमलसदीवाला के साथ मिश्रित डबल्स जीता। दोनों को भी इंडियन टीम में जगह मिली है।

अर्जुन और आदित्य सिंह ने इस साल की शुरुआत में डबल्स श्रेणी में यूएस ओपन भी जीता था। बाकी टीम में देव शाह, पूर्वांश पटेल, विवान पटेल, आश्रिता राजू और दीया मट्टीपति शामिल हैं।

अंडर-14 में भारतीय टीम की कप्तानी वीर शाह कर रहे हैं। टीम में वीरांश चोपड़ा, आरिन बल्लानी, माहिका राठौड़, मानसी कार्तिक और आश्रिता एस शामिल हैं। कप्तान वीर शाह ने अहमदाबाद में हुई जूनियर पिकलबॉल चैंपियनशिप में जबरदस्त प्रदर्शन किया। उन्होंने अंडर-14 श्रेणी में (एकल, पुरुष डबल्स और मिश्रित डबल्स) खिताब जीता। आरिन बल्लानी ने अंडर-12 श्रेणी में जीत हासिल की और अंडर-14 (लड़कों के डबल्स) में रजत पदक जीता।

माहिका राठौड़ ने डबल्स श्रेणी में अपनी क्षमता दिखाई और मानसी कार्तिक और वीर शाह के साथ क्रमश: लड़कियों के डबल्स और मिश्रित डबल्स जीते।

खेल मंत्री मांडविया ने मुंबई में फिट इंडिया साइक्लोथॉन 'साइक्लिंग बाय द सी' का नेतृत्व किया

विश्व केसरी ■

मुंबई । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान के माध्यम से एक फिट, स्वस्थ और सक्रिय देश बनाने के सपने को साकार करने की दिशा में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को वर्ली तटीय साइकिल ट्रैक पर फिट इंडिया साइक्लोथॉन - 'साइक्लिंग बाय द सी' का नेतृत्व किया।

मांडविया ने साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाई और साइकिल रैली में हिस्सा लेने वालों के साथ शामिल हुए, जिसमें उन्होंने फिटनेस को लोगों का अभियान बनाने और सक्रिय और हेल्दी लाइफस्टाइल के जरिए विकसित भारत के सपने को आगे बढ़ाने के सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।खेल मंत्री ने अपने संबोधन में कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा फिटनेस को विकसित भारत की नींव बताया है। फिट इंडिया अभियान देश भर के लोगों को स्वस्थ जिंदगी अपनाने और फिटनेस को अपने दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। साइकिलिंग के महत्व पर जोर देते मांडविया ने कहा, 'पश्चिम एशिया के मुश्किल हालात से पैदा हुई इंधन आपूर्ति की चिंताओं को देखते हुए, साइकिलिंग को परिवहन के माध्यम तरीके के तौर पर बढ़ावा देने की जरूरत है। साइकिलिंग न सिर्फ निजी सेहत के लिए फायदेमंद है, बल्कि पर्यावरण और ऊर्जा का संरक्षण करने में भी मदद करती है।'मांडविया ने कहा कि फिट इंडिया अभियान में पिछले दो सालों में लाखों लोगों ने जोश के साथ हिस्सा लिया है। यह देश भर में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की बढ़ती संस्कृति को जगाता है। फिटनेस को राष्ट्र के विकास के लिए अहम बताते हुए मांडविया ने कहा कि एक फिट नागरिक स्वस्थ समाज में योगदान देता है, और एक स्वस्थ समाज ही एक खुशहाल देश की नींव है, इसलिए विकसित भारत के लिए फिटनेस बेहद अहम है। कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता जैकी श्रॉफ, ताहा शाह बाबादुशा, और ऐश्वर्या राज भाकुनी के साथ-साथ ओलंपिक पहलवान और डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस नरसिंह यादव जैसे लोकप्रिय सितारे शामिल हुए।

बॉक्सिंग वर्ल्ड कप: दूसरे दिन ज्योति, प्राची और निखिल की जीत, अगले दौर में जगह बनाई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बॉक्सिंग वर्ल्ड कप (स्टेज 2) के दूसरे दिन भारतीय मुक्केबाज ज्योति, प्राची और निखिल ने दमखम दिखाते हुए अपने-अपने मुकाबलों में जीत हासिल की। ??ये मुक्केबाज चीन के गुइयांग शहर में स्थित गुइयांग ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम में जारी प्रतियोगिता के अगले दौर में पहुंच गए हैं।

महिलाओं की 57 किलोग्राम कैटेगरी में प्राची ने यूएसए की डेबोरा ग्रांट को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर प्रतियोगिता में आगे का सफर तय किया।

महिलाओं की 48 किलोग्राम कैटेगरी में ज्योति ने मंगोलिया की एंख अमगलन नोमुंदारी को दूसरे राउंड में 'रेफरी स्टॉप्स कॉन्टेस्ट' (आरएससी) फैसले से हराया। इस अहम जीत के साथ, ज्योति

सेमीफाइनल में पहुंच गईं और देश के लिए एक मेडल पक्का कर लिया।

पुरुषों की 55 किलोग्राम कैटेगरी में निखिल ने फ्रांस के क्रिस्टोफर हिप्पोक्रेट के खिलाफ कड़े मुकाबले में 3-2 के 'स्प्लिट डिसीजन' से जीत हासिल की।

दूसरे दिन अन्य मुकाबलों में, पूनम (54 किलोग्राम) को चीनी ताइपे की शियाओ वेन हुआंग से 2-3 के करीबी अंतर से हार का सामना करना पड़ा, जबकि आकाश (75 किलोग्राम) पोलैंड के माटेउज अर्बन के हाथों 2-3 के अंतर से हार गए। महिलाओं की 70 किलोग्राम कैटेगरी में गीतिमोनी भी फ्रांस की माएलीस रिचोल से 0-5 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गईं।

प्रतियोगिता के तीसरे दिन पांच भारतीय मुक्केबाज रिंग में उतरेंगे। निखिल (55 किलोग्राम) ब्राजील के केल्वी ट्रिंडाडे के खिलाफ अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने की कोशिश करेंगे, जबकि दीपक (70 किलोग्राम) का मुकाबला जापान के सेवोन ओकाजावा से होगा। मालसावम्टलुंगा (80 किलोग्राम) जॉर्डन के अशाईश हुसैन का सामना करेंगे। महिला वर्ग में, सनेह (65 किलोग्राम) का मुकाबला साउथ कोरिया की सियोन सुजिन से होगा, जबकि माही लामा (60 किलोग्राम) मंगोलिया की मोंखोर नामुन से भिड़ेंगी।

भारतीय मुक्केबाजों के परिणाम:

प्राची (57 किलोग्राम-विमेंस) ने डेबोरा ग्रांट (यूएसए) को 5-0 से हराया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415